आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	24°C	11°C

इनसाइड न्यूज

सीएम योगी बोले, प्रदेश में घटे हैं चार करोड़ मतदाता, इन्हें जुड़वाएं

उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

मंगलवार 16 दिसंबर, 2025 / पेज: 12 / मूल्य: ₹3.00/- लखनऊ वर्ष: 17, अंक: 66 www.janexpresslive.com/epaper

देश में बिजली की कोई कमी नही 12

घने कोहरे की चपेट में 13 राज्य

यूपी-हरियाणा में जीरो विजिबिलिटी के चलते 20 हादसे, 80 गाड़ियों की टक्कर में 12 मौतें

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत देश के 13 राज्यों में सोमवार सुबह घना कोहरा देखने हो मिला। यूपी, बिहार, हरियाणा और दिल्ली में सोमवार सुबह कोहरे के कारण विजिबिलिटी जीरो दर्ज की गई। सुबह 8:30 बजे तक सड़कों पर 10 मीटर दूर भी कुछ साफ नहीं दिख रहा था। उत्तर प्रदेश के हापुड़ के अनवरपुर के पास करीब छह वाहन आपस में टकरा गए। इसमें कई लोग घायल हुए। यूपी के अलग-अलग जिलों में रविवार को कोहरे के चलते 6 सड़क हादसों में 22 गाड़ियां टकरा गईं। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हैं। हरियाणा के 7 जिलों में 14 जगह सड़क हादसे हुए। इनमें 58 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। हादसों में 11वीं की छात्रा समेत 4 लोगों की मौत हो गई। गुरुग्राम में ट्रैफिक पुलिस ने सड़कों पर गाड़ी पार्किंग पर रोक लगा दी है। इधर, जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में रविवार रात बर्फबारी के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। पुलवामा में सबसे कम तापमान, -2.7 डिग्री रहा। श्रीनगर में रात का तापमान 2 डिग्री रहा।

दिल्ली-एनसीआर में हवा की स्थिति बेहद खराब

इधर दिल्ली-एनसीआर में हवा की स्थिति बेहद खराब हो गई है। रविवार का एयर क्वालिटी इंडेक्स खतरनाक स्तर 497 पहुंचने के बाद और सख्ती कर दी गई। कमीशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट ने सभी राज्य सरकारों को आदेश दिया है कि सभी स्कूलों और संस्थानों में बाहर होने वाली खेल गतिविधियों को तुरंत रोका जाए। आयोग ने चेतावनी दी है कि ऐसी गतिविधियां जारी रखना बच्चों के लिए 'गंभीर स्वास्थ्य खतरा' साबित हो सकता है।

▸ संबंधित खबर पेज 12 पर

उत्तराखंड: केदारनाथ से तुंगनाथ तक एक महीने से बर्फ नहीं

अक्टूबर और नवंबर में हुई हल्की बर्फबारी के दौरान केदारनाथ में करीब डेढ़ फीट तक बर्फ जमी थी, लेकिन मौसम में सुधार होते ही वह दो दिनों में ही पिघल गई। इसके बाद 4 नवंबर से लेकर अब तक लगभग एक महीने से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन केदारनाथ में बर्फबारी नहीं हुई है। 11,750 फीट की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ के पीछे की मेरु-सुमेरु पर्वत श्रेणियां भी बिना बर्फ के नजर आ रही हैं। बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, तुंगनाथ और औली जैसे इलाकों में भी यही हाल है। 12 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित तुंगनाथ, जहां आमतौर पर इस समय मोटी बर्फ की परत होती है, वहां भी जमीन खुली दिखाई दे रही है। बर्फ न होने से इन क्षेत्रों में नमी की भारी कमी दर्ज की जा रही है, जिसका सीधा असर यहां पाई जाने वाली दुर्लभ वनस्पतियों पर पड़ रहा है।

यूपी में कोहरे से 4 हादसे, 31 गाड़ियां टकराईं

यूपी में शीतलहर और पहाड़ों पर बर्फबारी से ठंड बढ़ गई। सोमवार सुबह वाराणसी, बरेली, अयोध्या, जौनपुर, मेरठ, गोरखपुर समेत 20 शहर कोहरे की चादर में लिपटे हैं। आगरा का ताजमहल सीजन में पहली बार धुंध में छिप गया। पर्यटकों को 10 मीटर दूर से भी दिखाई नहीं दिया। इधर, प्रदेश में कोहरे के चलते 4 सड़क हादसे हुए। इनमें 31 गाड़ियां एक-दूसरे से टकराईं। हादसे में 11 लोग घायल हो गए। इससे पहले, रविवार को कोहरे की वजह से 6 सड़क हादसों में 29 गाड़ियां टकरा गई थीं, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी। शनिवार को 8 हादसे हुए। 40 गाड़ियां टकराईं और 4 लोगों की जान चली गई थी। यानी तीन दिनों में 100 गाड़ियां टकरा चुकी हैं।

अयोध्या में आरती का समय बदला

अयोध्या में कड़ाके की ठंड और कोहरे के बीच भी श्रद्धालुओं का आवागमन लगातार जारी है। श्रद्धालु सरयू में स्नान कर नागेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक कर रहे हैं, वहीं राम मंदिर, कनक भवन और हनुमानगढ़ी में भी दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं। सरयू आरती के मुख्य पुजारी योगेंद्र प्रसाद पांडे ने बताया कि ठंड को देखते हुए सरयू आरती का समय बदल दिया गया है। अब आरती शाम 7 बजे की बजाय 6 बजे की जा रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भले ही कड़ाके की ठंड पड़ रही हो, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह मौसम पर भारी पड़ रहा है।

ईपीई पर 20 वाहन टकरा गए

ग्रेटर नोएडा के दनकौर में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे (ईपीई) पर सोमवार सुबह घने कोहरे के कारण दो स्थानों पर भीषण सड़क हादसा हो गया। दनकौर थाना क्षेत्र में मेरठ से हरियाणा की ओर जाने वाली लेन पर करीब 20 वाहन आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना में 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इन्हें राजकीय और विज्ञान संस्थान ग्रेटर नोएडा उपचार के लिए ले जाया गया है। इस दुर्घटना में कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। दनकौर पुलिस और यातायात पुलिस मिलकर वाहनों को बैरिकेडिंग लगाकर निकाल रही है।

कहां हादसे हुए

हापुड़: कोहरे के चलते 7 गाड़ियां भिड़ गईं। हाईवे पर बस ने अचानक ब्रेक मारी। पीछे चल रही ईको कार का ड्राइवर जब तक कुछ समझ पाता, तब तक कार टकरा गई। इसके बाद 4 और कारें आपस में भिड़ गईं। एक बाइक सवार भी आकर टकरा गया। हादसे में पति-पत्नी और बेटे को मामूली चोटें आई हैं।

मैनपुरी: 4 ट्रक एक-दूसरे से टकरा गए। ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। ड्राइवर धर्मवीर ने बताया कि अचानक एक ट्रैक्टर सामने आ गया, जो कोहरे के कारण नजर नहीं आया। इससे ट्रक बेकाबू हो गया। तभी पीछे से आ रहे तीन ट्रक आपस में टकरा गए। गनीमत रही कि रफ्तार धीमी थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

ग्रेटर नोएडा: ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर दो हादसे हुए, जिनमें 10 लोग घायल हुए। पहला हादसा गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पास हुआ, जिसमें 12 गाड़ियां टकराईं। दूसरा हादसा दादोपुर गांव के पास हुआ, जहां 8 गाड़ियां आपस में भिड़ गईं।

सभी निर्माण इकाइयों और निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी गई

इधर, गाजियाबाद-नोएडा में आज सुबह एक्यूआई 463 दर्ज किया गया। प्रदूषण के गंभीर स्तर को देखते हुए गाजियाबाद में ग्रैप-4 लागू है, जिसके तहत सभी निर्माण इकाइयों और निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी गई है। डीजल के बीएस-4 और पेट्रोल के बीएस-3 वाहनों के संचालन पर भी रोक है। आज से कक्षा 5 तक सभी बोर्ड की कक्षाएं ऑनलाइन चलेंगी। रविवार की बात करें तो सुबह घने कोहरे की वजह से आगरा और प्रयागराज में विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई। अलीगढ़ में 30 मीटर, जबकि वाराणसी, बलिया, सोनभद्र और मुरादाबाद में विजिबिलिटी 50 मीटर तक रही। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह का कहना है- आज से हवा का रुख बदल गया है। पछुआ हवा चल रही है। इसके असर से दिन और रात के तापमान में गिरावट आएगी। हालांकि, कोहरा कुछ कम भी होगा।

पहलगाम आतंकी हमला: एनआईए ने दाखिल की 1597 पन्नों की चार्जशीट

पाकिस्तानी आतंकी संगठन एलईटीटी और टीआरएफ के नाम शामिल

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के मामले में सात आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। इसमें पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन 'लश्कर-ए-तैयबा' (एलईटीटी)/द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के सदस्य भी शामिल हैं। आरोपपत्र में पाकिस्तान की साजिश, आरोपियों की भूमिका और मामले से जुड़े सहायक सबूतों का विस्तृत विवरण दिया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की चार्जशीट में प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'लश्कर-ए-तैयबा'/'टीआरएफ' को पहलगाम हमले की योजना बनाने, उसमें सहयोग करने और उसे अंजाम देने में उसकी भूमिका के लिए एक कानूनी इकाई के रूप में आरोपित किया गया है। सोमवार को जम्मू स्थित एनआईए विशेष न्यायालय में दायर 1,597 पृष्ठों के आरोपपत्र में पाकिस्तानी हैंडलर आतंकवादी साजिद जट्ट का नाम भी आरोपी के रूप में शामिल है। एनआईए के आरोपपत्र में उन तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों के नाम भी हैं जो घातक आतंकी हमले के कुछ हफ्तों बाद जुलाई 2025 में श्रीनगर के दाचीगाम में ऑपरेशन महादेव के दौरान भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए थे। तीनों की पहचान फैसल जट्ट उर्फ सुलेमान शाह, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ और उपर्युक्त चारों आतंकवादियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023, शस्त्र अधिनियम, 1959 और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। एनआईए ने चार्जशीट में आरोपियों के खिलाफ भारत के विरुद्ध युद्ध छेड़ने के लिए भी दंडात्मक धाराओं का प्रयोग किया है। बता दें कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा धर्म आधारित लक्षित हत्याओं वाले इस हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय नागरिक की मौत हो गई थी।

8 महीने की जांच में सामने आए कई अहम सबूत

एनआईए ने पिछले लगभग 8 महीनों तक चली गहन वैज्ञानिक जांच के माध्यम से मामले आरसी-02/2025/एनआईए/जेएमयू में साजिश का पता पाकिस्तान से लगाया है, जो भारत के विरुद्ध आतंकवाद को लगातार प्रायोजित कर रहा है। आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में एनआईए द्वारा 22 जून 2025 को गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों परवेज अहमद और बशीर अहमद जोथड़ के खिलाफ भी आरोपपत्र दाखिल किया गया है। पूछताछ के दौरान, दोनों व्यक्तियों ने हमले में शामिल तीन सशस्त्र आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया था। उन्होंने यह भी पुष्टि की थी कि वे प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक थे।

सड़क या सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलना संज्ञेय अपराध: इलाहाबाद हाईकोर्ट

जन एक्सप्रेस। इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पब्लिक गैंबलिंग एक्ट-1867 की धारा 13 के तहत सड़क या सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलना संज्ञेय अपराध है। इसमें एफआईआर और गिरफ्तारी के लिए मजिस्ट्रेट की अनुमति जरूरी नहीं है। इसी टिप्पणी संग न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकल पीठ ने आगरा की विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में लंबित आपराधिक कार्रवाई पर कामरान की रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि जब किसी कानून में पुलिस अधिकारी को सीधे गिरफ्तारी का अधिकार दिया गया हो। तो वह अपराध स्वत: ही संज्ञेय की श्रेणी में आता है। साथ ही सीआरपीसी की धारा 2(सी) के तहत पुलिस मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति के बिना एफआईआर भी दर्ज कर सकती है और मामले की जांच भी कर सकती है।

टाटा समूह का हुआ प्रदेश सरकार से अनुबंध, बनेंगे 30 विश्वस्तरीय होटल

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में वैश्विक और घरेलू पर्यटन के तीव्र विकास को देखते हुए टाटा समूह 30 नए होटल बनाएगा।टाटा समूह के चेयर पर्सन एन. चंद्रशेखरन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ के साथ हुई बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में टाटा समूह के चल रहे और प्रस्तावित होटल श्रृखंला के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि टाटा समूह का यह कदम राज्य में बढ़ते पर्यटक आगमन, धार्मिक, सांस्कृतिक पर्यटन की बढ़ोतरी और बेहतर कनेक्टिविटी के व्यापक विकास को ध्यान में रखते लिया जा रहा है। टाटा समूह के चेयरपर्सन एन. चंद्रशेखन ने बताया कि टाटा समूह के ताज, सेलेक्शंस और विवांता जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के 30 होटल का निर्माण कार्य प्रदेश में पहले से चल रहा है। उन्होंने इन मुख्यमंत्री के सामने टाटा समूह के इन होटल्स के विकास कार्य की प्रगति रिपोर्ट भी पेश की। साथ ही प्रदेश में टूरिज़्म और प्रीमियम क्वालिटी हॉस्पटैलिटी के विस्तार के लिए 30 नए होटल के निर्माण का प्रस्ताव रखा। जिसके चलते प्रदेश में लक्जरी होटल के 2,000 रूमस् की संख्या को बढ़ा कर 5,000 तक हो जाएगी। उन्होंने बताया कि इन होटल्स का निर्माण राज्य के प्रमुख और उभरते पर्यटन केंद्रों प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, वृंदावन, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बिजनौर और गोरखपुर में किया जाएगा। जो प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक टूरिज्म के प्रमुख केंद्र हैं।

उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से उभरा

एन. चंद्रशेखन ने बताया कि नोएडा में टाटा समूह के एक सिग्नेचर या लैंडमार्क होटल विकसित कर रहा है, वहीं प्रयागराज में एक लक्ज़री ताज होटल का भी निर्माण किया जा रहा है। बैठक के दौरान एन. चंद्रशेखर ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से उभरा है। प्रदेश में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। इसी बढ़ती मांग के कारण प्रीमियम और संगठित हॉस्पिटैलिटी अवसंरचना की जरूरत बढ़ गई है।

अयोध्या में होटलों में नए वर्ष के लिए 75 फीसदी कमरे बुक

जन एक्सप्रेस। अयोध्या

राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह के बाद से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। रोजाना एक लाख से अधिक श्रद्धालु रामलला के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। अब नववर्ष में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसकी पुष्टि इस बात से हो रही है कि 31 दिसंबर से दो जनवरी के लिए रामनगरी के अधिकांश होटलों के 75 फीसदी कमरे बुक हो चुके हैं। उनकी यह कामना रहती है कि नए साल के पहले दिन प्रभु के दर्शन मिल जाएं। वैष्णों देवी, खाटू श्याम, उज्जैन, काशी विश्वनाथ, मथुरा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर अपनी आस्था निवेदित करते हैं। इस बार नववर्ष पर ही राम मंदिर में प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव भी मनाने की तैयारी हो रही है। इस उत्सव में कई नामी कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। यह उत्सव 29 दिसंबर से दो जनवरी तक होगा। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि इस दौरान श्रद्धालुओं का रेला उमड़ सकता है। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि इस साल नववर्ष के पहले दिन दो लाख श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई थी। ऐसे में एक जनवरी को भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसको लेकर पुलिस व प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

होटल व होम स्टे में खूब हो रही बुकिंग

धर्मपथ स्थित एक होटल के मालिक रामजी पांडेय ने बताया कि नए वर्ष को लेकर बुकिंग तेज हो गई है। हमारा होटल जनवरी व फरवरी में लगभग फुल है। हनुमानगढ़ी के निकट संचालित होटल न्यू श्रीराम पैलेस के मालिक श्यामजी गुप्ता ने बताया कि अमूमन बुकिंग 31 दिसंबर से दो जनवरी के बीच ही हो रही है। महाराष्ट्र, दिल्ली व दक्षिण भारत के लोगों ने भी रूम बुक कराया है। सुरक्षा कारणों से सभी की आईडी जमा कराई जाती है। अशर्फी भवन के पास स्थित होम स्टे के संचालक ओम शंकर ने बताया कि नए वर्ष के आस-पास के लिए कमरे बुक कराए जा रहे हैं।

योगी सरकार कराएगी पिंक जॉब फेयर का आयोजन, कंपनियां इंटरव्यू के बाद देंगी जॉब ऑफर

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार महिला अभ्यर्थियों और छात्राओं को रोजगार के लिए विशेष अवसर उपलब्ध कराने के मकसद से एक बार फिर पिंक जॉब फेयर आयोजित कराने जा रही है। इसी कड़ी में अब झांसी में 16 दिसंबर को पिंक जॉब फेयर का आयोजन होगा। इस पिंक जॉब फेयर का आयोजन राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान झांसी के परिसर में किया जाएगा, जिसमें कई कंपनियां छात्राओं का साक्षात्कार कर उनका चयन करेंगी। झांसी में पिछले वर्ष भी पिंक जॉब फेयर का आयोजन किया गया था। इस बार यह पिंक जॉब फेयर का दूसरा आयोजन होने जा रहा है। इस पिंक जॉब फेयर का आयोजन क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय झांसी और राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान झांसी संयुक्त रूप से करने जा रहे हैं। रोजगार मेले में अमास स्किल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, पुखराज हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, टीम प्लस एचआर सर्विस, भारतीय जीवन बीमा निगम झांसी सहित कई अन्य कंपनियां अभ्यर्थियों के चयन में हिस्सा लेंगी। रोजगार मेले में हिस्सा लेने के लिए छात्राओं को रोजगार संगम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

ईरान, ब्रुनेई और माइक्रोनेशिया के राजदूतों ने राष्ट्रपति को सौंपा परिचय

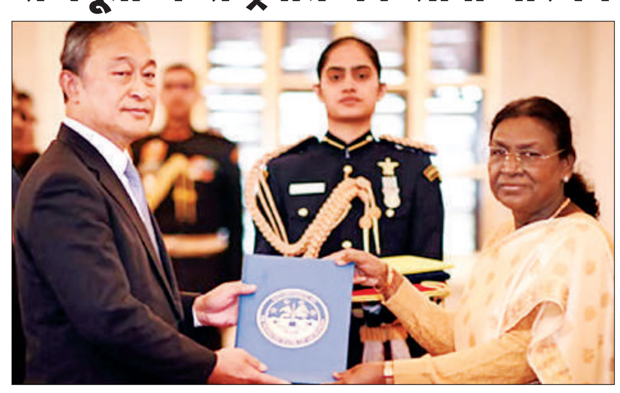

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

राजधानी नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में ईरान, ब्रुनेई दारुस्सलाम और माइक्रोनेशिया के नवनियुक्त राजदूतों से परिचय पत्र स्वीकार किए। यह प्रक्रिया इन तीनों देशों के साथ भारत के राजनयिक संबंधों को आधिकारिक रूप से मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तीन देशों के प्रतिनिधियों ने सौंपे परिचय पत्र

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि जिन तीन देशों ने अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किए, उनमें इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली, ब्रुनेई दारुस्सलाम की उच्चायुक्त सिटी अर्नीफरीजा हाजी मोहम्मद जैनी और फेडरेटेड स्टेट्स ऑफ माइक्रोनेशिया के राजदूत जॉन फ्रिट्ज शामिल थे।

राजनयिक प्रक्रिया का महत्व

परिचय पत्र प्रस्तुत करना एक औपचारिक राजनयिक प्रक्रिया है, जिसके तहत किसी देश का नया प्रतिनिधि मेजबान राज्य के प्रमुख को अपने आधिकारिक दस्तावेज सौंपता है, जिससे उनकी वैधता और अधिकार स्थापित होता है।

द्विपक्षीय सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

इन राजदूतों और उच्चायुक्तों की नियुक्ति से भारत और उनके संबंधित देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग को आगे बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसे मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

लखनऊ पहुंची इंडिया टीम, फोन में व्यस्त दिखे खिलाड़ी; 17 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका से है टी-20 मैच

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। लखनऊ में टीम इंडिया सोमवार शाम को पहुंची। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच टर्मिनल तीन से टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर एक-एक करके निकलने लगे। एयरपोर्ट के बाहर मौजूद प्रशसंक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को पुकारने लगे। खिलाड़ियों की तस्वीर लेने के लिए मोबाइल कैमरों के साथ ही मीडिया कैमरों के फ्लैश लाइटें चमक उठीं। एयरपोर्ट के बाहर खड़ी बस में आगे की सीट पर चढ़कर बैठे टीम इंडिया के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांडया को क्रिकेट प्रेमियों ने आवाज लगाना शुरू कर दिया। हार्दिक ने भी हाथ हिलाकर क्रिकेट प्रेमियों का अभिवादन स्वीकार किया। वहीं, कई खिलाड़ी फोन में बिजी नजर आए। इस दौरान हार्दिक पांड्या फोन चलाते दिखाई दिए। वो बस पर बैठे थे, उनकी निगाह फोन पर थी। हार्दिक के पीछे एशिया कप टी-20 के हीरो रहे तिलक वर्मा को देखते ही क्रिकेट प्रेमियों ने नारेबाजी शुरू की। कुछ ही देर में माहौल इंडिया-इंडिया का शोर से गूंज उठा। कुछ ही मिनटों में खिलाड़ियों से भरी बस सीधे गोमतीनगर स्थित होटल पहुंची, जहां खिलाड़ियों का भारतीय पारंपरिक अंदाज में भव्य स्वागत किया गया। शुभम गिल व तिलक वर्मा भी फोन पर बात करते दिखे। इस दौरान उनके साथ स्टाफ भी नजर आया। टीम इंडिया के शानदार ओपनर अभिषेक शर्मा खिड़की के पास बैठे दिखे।

प्रदेश में रिजॉर्ट की तर्ज पर बनेंगे नेचुरोपैथी अस्पताल, वेलनेस टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

- प्रदेश में रिजॉर्ट की तर्ज पर बनेंगे नेचुरोपैथी अस्पताल, वेलनेस टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा,जमीन चिह्नित
- चंपावत, पिथौरागढ़ में जमीन चिह्नित, बागेश्वर जिले में चल रही प्रक्रिया

जन एक्सप्रेस। देहरादून

प्रदेश के वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पहली बार नेचुरोपैथी अस्पताल (प्राकृतिक चिकित्सा) खोलने की तैयारी है। ये अस्पताल रिजॉर्ट की तर्ज पर बनाए जाएंगे। जहां पर बिना दवाइयों के प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से इलाज किया जाएगा। आयुष विभाग ने चंपावत व पिथौरागढ़ जिले में जमीन चयनित कर ली है। जबकि बागेश्वर में जमीन तलाशी जा रही है। उत्तराखंड में आयुष व वेलनेस से पर्यटन को जोड़ने के लिए पहले चरण में प्रदेश के तीन जिलों में नेचुरोपैथी अस्पताल खोलने की तैयारी की रही है। पिथौरागढ़ के बलवा कोट व चंपावत के कोली ढेक में जमीन का चयन किया गया। इसके अलावा बागेश्वर जिले में जमीन चयनित करने की प्रक्रिया चल रही है। आयुष विभाग की ओर से नेचुरोपैथी अस्पताल खोलने का प्रस्ताव बना रहा है। जल्द ही केंद्र सरकार को वित्तीय सहायता के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। आयुष मिशन के तहत केंद्र सरकार नेचुरोपैथी अस्पताल के लिए वित्तीय सहायता देगी। नेचुरोपैथी चिकित्सा पद्धति में जड़ी-बूटियों, आहार, व्यायाम, मालिश, जल चिकित्सा, योग और एक्यूपंक्चर का उपयोग किया जाता है। इस पद्धति से बीमारी के मूल कारण को ठीक करना व समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है न कि सिर्फ लक्षणों का इलाज करना है। नेचुरोपैथी में आहार और पोषण, जल चिकित्सा, मृदा चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा, योग और व्यायाम चिकित्सा, जड़ी-बूटी, एक्यूपंक्चर व एक्यूप्रेशर, मालिश चिकित्सा, उपवास, मन शरीर चिकित्सा की सुविधा रहेगी।

आयुष ग्राम योजना को केंद्र सरकार ने किया बंद

केंद्र सरकार ने बीते वर्ष आयुष मिशन के तहत आयुष ग्राम योजना को शुरू किया था। इस योजना के तहत उत्तराखंड के प्रत्येक जिले में एक-एक आयुष ग्राम बनाए जाने थे, लेकिन अब केंद्र सरकार ने आयुष ग्राम योजना बंद कर दी है। विभागीय अधिकारियों का कहना कि आयुष ग्राम की जगह केंद्र सरकार नेचुरोपैथी अस्पताल खोलने के लिए वित्तीय सहायता देगी। इसके लिए विभाग प्रस्ताव तैयार कर रहा है।

दवाइयों की जगह प्राकृतिक तरीके से होगा इलाज

नेचुरोपैथी चिकित्सा पद्धति में जड़ी-बूटियों, आहार, व्यायाम, मालिश, जल चिकित्सा, योग और एक्यूपंक्चर का उपयोग किया जाता है। इस पद्धति से बीमारी के मूल कारण को ठीक करना व समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है न कि सिर्फ लक्षणों का इलाज करना है। नेचुरोपैथी में आहार और पोषण, जल चिकित्सा, मृदा चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा, योग और व्यायाम चिकित्सा, जड़ी-बूटी, एक्यूपंक्चर व एक्यूप्रेशर, मालिश चिकित्सा, उपवास, मन शरीर चिकित्सा की सुविधा रहेगी।

आयुष ग्राम योजना को केंद्र सरकार ने किया बंद

केंद्र सरकार ने बीते वर्ष आयुष मिशन के तहत आयुष ग्राम योजना को शुरू किया था। इस योजना के तहत उत्तराखंड के प्रत्येक जिले में एक-एक आयुष ग्राम बनाए जाने थे, लेकिन अब केंद्र सरकार ने आयुष ग्राम योजना बंद कर दी है। विभागीय अधिकारियों का कहना कि आयुष ग्राम की जगह केंद्र सरकार नेचुरोपैथी अस्पताल खोलने के लिए वित्तीय सहायता देगी। इसके लिए विभाग प्रस्ताव तैयार कर रहा है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कराया गया 308 जोड़ों की शादी

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

धर्मनगरी स्थित राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में सोमवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 308 जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को प्रमाण पत्र व गृहस्थी की सामग्री प्रदान की गई।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में हिंदू, मुस्लिम व बौद्ध धर्म के अनुसार विवाह सम्पन्न कराया जा रहा है। बताया कि इस योजना के अंतर्गत शासन द्वारा एक लाख रुपए प्रति जोड़ा व्यय के लिए दिया जाता है, जिसमें दांपत्य जीवन में खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना के लिए कन्या के खाते में 60 हजार रुपए प्रति जोड़ा, विवाह समारोह आयोजन पर 15 हजार रुपए तथा 25 हजार रुपए में जेवर, कपड़े व गृहस्थी का सामान प्रदान किया जाता है। साथ ही एक जनपद एक उत्पाद के तहत रोटी रखने के लिए लकड़ी का केश रोल प्रति भी दिया जाता है। कार्यक्रम में मौजूद सभी जनप्रतिनिधियों को ओडीओपी के अंतर्गत लकड़ी की गणेश प्रतिमा भेंट की गई। साथ ही मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए श्रीअन्न योजना के अंतर्गत सांवां की खीर भी बनवाई गई। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने वैवाहिक जोड़ो को जयमाला के दौरान पुष्प वर्षा कर हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा प्रमाण पत्र व अन्य सामग्री भी प्रदान की। हनुमानगढ़ी के आचार्य गिरीशदास तिवारी की टीम द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विवाह कार्यक्रम को संपन्न कराया गया। जिसमें हिन्दू रीति रिवाज के अंतर्गत 307 जोड़ों व मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार एक जोड़े का विवाह कार्यक्रम संपन्न कराया गया। कार्यक्रम का संचालन राजकीय जिला पुस्तकालय के प्रभारी प्रदीप नारायण शुक्ला द्वारा किया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा पंजीकृत दल मां भगवती संगीत पार्टी द्वारा भी विवाह के कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ वैभव त्रिपाठी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, दीन दयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश खरे, प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी डी एन पांडेय, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल कुमार यादव, ब्लाक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिओम करवरिया, भाजपा महामंत्री अश्वनी अवस्थी, नगर अध्यक्ष रवि गुप्ता, साधना सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी सत्य राम यादव, डीसी एनआरएलएन ओमप्रकाश मिश्र, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी लालजी यादव सहित संबंधित अधिकारी, कर्मचारी तथा वर-वधु के परिवारिक जन मौजूद रहे।

माघ मेले को लेकर बुंदेलखंड के श्रद्धालुओं के लिए योगी सरकार कर रही परिवहन के खास इंतजाम

जन एक्सप्रेस । बांदा

प्रयागराज में संगम तट पर 1 जनवरी 2026 से लेकर 15 फरवरी 2026 तक लगने वाले माघ मेले को लेकर बुंदेलखंड के श्रद्धालुओं के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार परिवहन के लिए खास इंतजाम कर रही है। बुंदेलखंड के चित्रकूट धाम मंडल के श्रद्धालुओं को मेला तक लाने ले जाने के लिए परिवहन विभाग इस बार 280 माघ मेला स्पेशल बसें चलाएगा। जिससे कि श्रद्धालुओं को आने-जाने में किसी तरह की कोई असुविधा न हो और इसके लिए परिवहन विभाग ने योजना बना ली है और इस बार 6 स्नान पर्वों पर इन बसों के जरिए श्रद्धालु सुगम आवागमन कर सकेंगे। इन बसों में जनपद डिपो से 80, महोबा डिपो से 80, राठ डिपो से 65 व हमीरपुर डिपो से 55 बसें संचालित होंगी।

प्रत्येक 15 मिनट में बस का किया जाएगा संचालन।

माघ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं को समय पर बसें मिले इसको लेकर भी योगी आदित्यनाथ की सरकार ध्यान दे रही है और चित्रकूट धाम मंडल के श्रद्धालुओं के लिए प्रत्येक 15 मिनट में एक बस संचालित की जाएगी। वहीं श्रद्धालुओं की उपलब्धता को भी ध्यान में रखा जाएगा।प्रयागराज के नेहरू पार्क और लेप्रोसी से इन बसों का संचालन होगा और इन दोनों जगहों को अस्थाई बस अड्डा भी बनाया गया है।जनपद डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश बाबू गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक 1 जनवरी 2026 की सुबह 5 बजे से 15 मिनट में एक बस का संचालन किया जाएगा।वहीं हमारे मंडल के सभी डिपो से यात्रियों की उपलब्धता के आधार पर बसों का संचालन किया जाएगा।

टेक्निकल टीमें रहेंगी तैनात-

जनपद डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश बाबू गुप्ता ने बताया कि सभी बसों की कंडीशन अच्छी स्थिति में रहेगी और इन बसों में फॉग लैंप,हेडलाइट,विंडो कैचर,हॉर्न सीटों की दशा व साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और सभी बसों में रूट के हिसाब से मेला स्टीकर लगाए जाएंगे जिससे कि श्रद्धालुओं में भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो और आसानी से वह अपने क्षेत्र की बसों में बैठ सकें।और आवागमन के दौरान बसों के खराब होने की दशा में 7 सदस्यीय 2 टेक्निकल टीमें भी तैनात रहेंगी। जिसमें एक टीम चित्रकूट बस डिपो में तैनात रहेगी तो वहीं दूसरी टीम प्रयागराज में तैनात रहेगी।वही हमीरपुर डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रामप्रताप साहू को मेला अधिकारी बनाया गया है और उनकी देखरेख में ही सभी बसों का संचालन किया जाएगा।

आठवें वेतन आयोग से वंचित किए जाने के विरोध में पेंशनर्स एसोसिएशन ने दिया धरना

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

आठवें वेतन आयोग से वंचित किए जाने के विरोध में पेंशनर्स एसोसिएशन ने सोमवार को जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा गया।

धरने की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग का लाभ न दिए जाने के विरोध में आज यह धरना दिया जा रहा है। सभी साथी एकजुट होकर इस लड़ाई को लड़ेंगे। सरकार द्वारा पेंशनर्स की उपेक्षा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजकरण सिंह ने कहा कि सरकार पेंशनर्स के साथ अन्याय कर रही है। जिसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। चैन प्रसाद ने कहा कि सरकार के इस निणर्य का विरोध करने के लिए सभी को एकजुट रहना होगा। छोटेलाल गुप्ता ने कहा कि एकता ही कर्मचारियों की शक्ति है। ऐसे में संगठन द्वारा बुलाए जाने पर सभी लोग कार्यक्रम में उपस्थित हो और संगठन को मजबूत करें।

महामंत्री मोतीलाल सिंट पटेल ने कहा कि संगठन की सभी मांगे जायज है। कार्यवाहक अध्यक्ष जगबली सिंह ने कहा कि संगठन ने सरकार से तीन मांगे रखी हैं और यह सर्वथा उचित हैं। हनुमान प्रसाद शुक्ल व सूर्यकांत द्विवेदी ने कहा कि उन लोगों को उम्मीद है कि सरकार इन मांगों को पूरा करेगी। इस दौरान माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र मिश्रा, श्यामलाल, प्रताप नारायण श्रीवास्तव, राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव ने भी विचार व्यक्त किए। धरने के बाद मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा गया। इस मौके पर प्रदुम्न सिंह, राजनेत, मुनेश प्रसाद, अश्वनी कुमार, श्रीकृष्ण पाण्डेय, रामआसरे श्रीवास्तव, बाबूलाल श्रीवास, मान सिंह, सभापति पाण्डेय, अरविन्द सिंह, अमर सिंह, अवधेश सिंह, कामता प्रसाद पाण्डेय, त्रियुगी नारायण, अखिलेश कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

प्लांट से कॉपर वायर चोरी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना राजापुर पुलिस टीम ने सोलर प्लांट से कॉपर वायर चोरी करने वाले पांच आरोपियों को चोरी के दो बोरो में कॉपर वायर, घटना में प्रयुक्त महिन्द्रा पिकअप, मोटरसाइकिल व अन्य सामान के साथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बीते शुक्रवार को मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के डोलरिया थाना के रतवाडा निवासी दीप सिंह राजपूत पुत्र नैन सिंह राजपूत द्वारा थाना राजापुर में सूचना दी गयी कि वह अडानी सोलर एनर्जी चित्रकूट वन लिमिटेड ग्राम छीबो में प्लांट हेड वरिष्ठ प्रबन्धक के पद पर कार्यरत है। बताया कि बीते गुरुवार को प्लांट से नहर की तरफ जाने वाली 25 मेगावाट की 200 मी. कॉपर वायर ब्लाक नम्बर एक से काट कर चोरी कर ली गई है। बताया कि इससे पूर्व भी प्लांट में चोरी की वारदाते हो चुकी है। इस सूचना पर थाना राजापुर में सम्बन्धित धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। साथ ही घटना का खुलासा करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को लगाया गया। जिसके क्रम में थाना राजापुर के उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह, आरक्षी लवकुश यादव, राहुल यादव, विमलेश कुमार द्वारा सोमवार को छीबो नहर पुलिया सडक के किनारे से पिकअप व मोटर साइकिल के साथ पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम कमलचन्द्र वर्मा उर्फ अंगूरे निवासी खपटिहा थाना खीरी जनपद प्रयागराज, मोहम्मद हुसैन उर्फ विष्णु निवासी मिश्रापुर एनटीपीसी थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज, धर्मेन्द्र आदिवासी निवासी टौंगा पोसेला थाना खीरी जनपद प्रयागराज, विनोद कुमार मौर्य उर्फ मंगा निवासी ग्राम डिहार थाना खीरी जनपद प्रयागराज व कुंज बिहारी साहू निवासी खपटिहा थाना खीरी जनपद प्रयागराज हाल निवासी मार्केट चैकी व कस्बा नारीबारी थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज बताया।

बीबीएस ग्रुप ने विद्यार्थियों को तकनीकी क्षेत्र में आने के लिए किया आमंत्रित

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

धर्मनगरी के सीतापुर स्थित सेठ राधाकृष्णन पोद्दार इण्टर कॉलिज में सोमवार को गोष्ठी का आयोजन कर विद्यार्थियों को तकनीकी क्षेत्र में भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सरकार द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी गई।

गोष्ठी में बीबीएस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन प्रयागराज के काउंसलर एसपी पाल कथा संदीप सिंह ने विद्यार्थियों तकनीकी क्षेत्र में भविष्य बनाने तथा रोजगार परक शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उच्च शिक्षा में सरकार द्वारा दी जाने वाली शुल्क प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों को 12वीं के बाद रोजगार परख कोर्स करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने तकनीकी क्षेत्र में प्रदान किए जाने वाले ग्रेजुएट कोर्स इंजीनियरिंग, फार्मेसी, मैनेजमेंट, लॉ, बीसीए, बीबीए, डी फार्मा, बी फार्मा आदि की जानकारी दी गई। साथ ही वर्ष 2002 में स्थापित संस्थान की अभी तक की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस मौके पर प्रधानाचार्य राजीव पाठक सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं आदि मौजूद रहे।

इंद्रधनुष-2025% तथागत ज्ञानस्थली सीनियर सेकेंडरी में आयोजित हुआ वार्षिकोत्सव

जन एक्सप्रेस/बांदा तथागत ज्ञानस्थली सीनियर सेकेंडरी स्कूल अतर्रा में वार्षिक उत्सव 'इंद्रधनुष-2025' का भव्य एवं रंगारंग आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व डीजी बी. के. मौर्या उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन शिवशरन कुशवाहा,पूर्व बैंक मैनेजर,रामलखन कुशवाहा,डायरेक्टर किरन एवं प्रिंसिपल श्वेता श्रीवास्तव, अंकित कुशवाहा सहित विद्यालय परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। और पूर्व विद्यार्थियों को भी अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया था जो वर्तमान में लखनऊ एसडीएम देवेंद्र यादव और इंजीनियर,डॉक्टर, तहसीलदार, बैंक मैनेजर आदि पदों पर हैं।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन एवं जागृति- बुद्ध स्तुति नृत्य के साथ हुआ। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि सुलखान सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण का महत्व बताते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज को सशक्त बनाने का सबसे मजबूत माध्यम है।विशिष्ट अतिथि बी.के. मौर्या ने विद्यालय द्वारा शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के चेयरमैन अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाना है।वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया नृत्य,गीत,नाटक एवं समूह-प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने सामाजिक संदेशों,भारतीय संस्कृति तथा एकता का भाव प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। इस दौरान छात्र- छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण इंद्रधनुष थीम पर आधारित प्रस्तुति रही।

आंखों की जांच के लिये शिविर का आयोजन किया गया

जन एक्सप्रेस । हमीरपुर

सीतलपुर के ग्राम कनौटा के दीनदयाल पाल इण्टर कालेज में निशुल्क विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संध्या वर्मा एडवोकेट व भाजपा अनुसूचित मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष ने आयोजित कराया। शिविर में डा0 सुरेश कुमार कोरी सहित डा0 सी0 पी0 गुप्ता नेत्र सर्जन जिला अस्पताल ने शिविर में आये हुये लोगों की आंखों की जांच की। साथ ही चश्मों की जांच रीतेश चौरसिया नेत्र परीक्षण अधिकारी ने किया, शुगर की जांच सुशील कुमार रुञ्ज ने की, जबकि क्क क्कीकी जांच कल्पना ष्ट॥ ह्व ने की, वही मरीजों का रजिस्ट्रेशन ओमप्रकाश ने किया। शिविर में 115 मरीजो की आखों की जांच की गई। जिसमें 17 मरीज मोतिया बिन्द से ग्रसित पाये गये, वही 5 मरीज नाखूना के मिले, जबकि 3 मरीज सबलबाई के मिले। बाकी मरींजों के चश्मे की जाँच की गई। शिविर में आये सभी मरीजो को दवा और चश्मा फ्री में दिया गया। वही मोतिया बिन्द के मरीजो को जिला अस्पताल के लिये रिफर किया गया है। जहाँ मरीजो के आँख के पर्दे की जांच की जायेगी, उसके बाद मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया। वही संध्या वर्मा जिला उपाध्यक्ष भाजपा अनु मोर्चा ने सभी मरीजो को आँख को सुरक्षित रखने के तरीके और सावधानियां बरतने की सलाह दी।

साथ ही कहा कि आँखो को साफ पानी से धोये और हरी सब्जियों का इस्तेमाल करें, साथ ही वक्त-वक्त पर आखो की जांच करते रहना चाहिये, अगर आंख से कम दिखने लगे या आँख लाल हो जाये, या आखो में जलन खुजली हो तो फौरन आँखों को डॉक्टर को चैक कराना चाहिये। साथ ही जिन मरीजो का ऑपरेशन होना है उनको ऑपरेशन के बाद एक महीने तक एतिहात बरतनी चाहिये। इसके लिये एक महीने तक सर को नहीं धोना चाहिये। जिसके चलते गरदन से नहाना चाहिए और भारी वजन नही उठाना चाहिये। शिविर में धनीराम पाल स्कूल प्रबन्धक के साथ ही बड़ी तादाद में ग्राम वासी मौजूद रहे।

राष्ट्र निर्माण की फैक्ट्री है विद्यार्थी परिषद- डॉ आलोक

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

जिला मुख्यालय स्थित चित्रकूट इण्टर कॉलिज में सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं तकनीकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें इस हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती की पूजा-अर्चना कर किया गया। जिसमें डॉ आलोक पांडेय ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और राष्ट्रभाव का विकास आवश्यक है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राष्ट्र निर्माण की फक्ट्री है। वक्ता शिवम पांडेय ने कहा कि विद्यार्थी ही समाज के वास्तविक परिवर्तनकर्ता हैं और उनकी प्रतिभा को मंच देना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन आनंद जायसवाल ने किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ रणवीर चैहान, फूलचंद्र चंद्रवंशी, जिला संगठन मंत्री संकल्प कुशवाहा, इकाई अध्यक्ष रवि तोमर, कमल शुक्ला, अंशु यादव, शानू त्रिपाठी, आदित्य तोमर, आयुष गुप्ता, असद हसन हसन, रंजीत आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने लूट की घटना को अंजाम देने वाले 01 अन्य शातिर आरोपी को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । बांदा

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा विभिन्न अभियोगों में वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा लूट की घटना को अंजाम देने वाले 01 अन्य अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है।गौरतलब हो कि जनपद हरदोई के रहने वाले चन्द्रप्रकाश द्वारा दिनांक 05 अगस्त को थाना कोतवाली देहात पर सूचना दी गई थी कि प्रार्थी थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत किराये के मकान में रहता है तथा डारेक्ट सेलिंग एजेंट के रुप में लोन दिलवाने का कार्य करता है। कुछ दिन पूर्व 04 व्यक्तियों द्वारा लोन करवाने के बहाने प्रार्थी को ग्राम गुरेह के पास ले जाकर उसके साथ मारपीट कर 14000/ रुपये, लैपटॉप व दो मोबाइल फोन छीन कर भाग गये थे। सूचना पर तत्काल थाना कोतवाली देहात पर अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे।जिसके क्रम में दिनांक 06अगस्त को 01 अभियुक्त कल्लू पुत्र अहमद निवासी परशुराम तालाब थाना कोतवाली नगर को पूर्व मे ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।जिसके कब्जे से लूट के 14000/ रुपए बरामद किए गए थे। अन्य अभियुक्तों की तलाश जारी रखते हुऐ दिनांक 15दिसम्बर को थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर बुंदेलखण्ड एक्सप्रेसवे के नीचे तिंदवारी रोड़ से घटना में शामिल एक अन्य अभियुक्त नईम को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से लूट का पूरा सामान बरामद कर लिया गया है,साथ ही अवैध तमंचा व कारतूस भी बरामद हुआ है।घटना में शामिल अन्य 02 वांछित अभियुक्त आशीष पुत्र भूपत व अशरफ निवासीगण थाना गिरवां की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है,जल्द ही वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

वर्तमान बरामद-01 अदद लैपटॉप (रस्र),02 अदद एंड्रॉइड फोन,01 अदद तमंचा 315 बोर,01 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर

पूर्व बरामद-14000/ रुपए नगद

गिरफ्तार अभियुक्त-नईम अली पुत्र मोहम्मद खालिक निवासी परशुराम तालाब थाना कोतवाली नगर

पूर्व में गिरफ्तार अभियुक्त-कल्लू पुत्र अहमद खान निवासी परशुराम तालाब थाना कोतवाली नगर

गिरफ्तार करने वाली टीम-थानाध्यक्ष कोतवाली देहात चन्द्रप्रकाश तिवारी,उप निरीक्षक अंकुर खारी, कांस्टेबल सचिन पटेल,कांस्टेबल ऋषिराज आदि मौजूद रहे।

डीआईजी के आदेश मे जनपद में चलाया गया सघन बैंक चेकिंग अभियान

जन एक्सप्रेस/बांदा पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र राजेश एस. के आदेश के क्रम में पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा बैंकों/वित्तीय संस्थानों एवं उनके आसपास क्षेत्रों मे होने वाली घटनाओं जैसे लूट, छिनैती, चोरी एवं टप्पेबाजी की रोकथाम के उद्देश्य से दिनांक 15दिसम्बर को जनपद में सघन बैंक चेकिंग अभियान चलाया गया।अभियान के क्रम में पुलिस द्वारा जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में स्थित एटीएम,बैंक शाखाओं एवं अन्य वित्तीय संस्थानों की गहनता से चेकिंग की गई।इस दौरान बैंकों/एटीएम में लगे सुरक्षा उपकरणों जैसे सीसीटीवी कैमरे,आपातकालीन अलार्म सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग तथा अग्निशामक यंत्रों की स्थिति का निरीक्षण किया गया तथा सीसीटीवी कैमरों को 24 घंटे चालू एवं क्रियाशील रखने हेतु संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया।

डीएम ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । बांदा

दिन सोमवार को जिलाधिकारी जे.रीभा ने कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय/उच्चीकृत कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय महुआ का आकस्मिक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बच्चों के क्लासरूम्स,डारमेट्री,कम्प्यूटर लैब, किचन आदि का गहनता से निरीक्षण करते हुए वार्डेन को आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के समय कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की फुल टाईम टीचर दीपिका तिवारी, लेखाकार श्यामकली कुशवाहा एवं हेड कुक सुनीता तिवारी अनुपस्थित पायीं गयी जिनका अनुपस्थित दिवसों का वेतन अवरूद्ध करते हुए कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए।विद्यालय की फुल टाईम टीचर गीता देवी 01 दिसम्बर से लगातार विद्यालय से अनुपस्थित चल रही हैं, जिनके विरूद्ध कार्यवाही किए जाने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए।विद्यालय में कक्षा-6 से लेकर कक्षा 8 तक की छात्राओं की अद्धवार्षिक परीक्षाएं संचालित हैं। निरीक्षण के दौरान कक्षा-8 के क्लासरूम में संबंधित अध्यापिका अंजू वर्मा मौजूद नहीं मिलीं,जिनको कठोर चेतावनी देते हुए सचेत किया गया कक्षा-6 से 8 तक की बालिकाओं के लिए बनाई गयी कम्प्यूटर लैब को व्यवस्थित किए जाने के निर्देश दिए गए।इसी प्रकार उच्चीकृत कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय के निरीक्षण में जिलाधिकारी ने बालिकाओं से विद्यालय में दी जा रही सुविधाओं एवं पठन पाठन कार्य के सम्बन्ध में जानकारी ली तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या को आवश्यक निर्देश दिए।

राजकीय पॉलिटेक्निक बरगढ़ में हुआ क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

बरगढ़ स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक में सोमवार को तीन दिवसीय वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। इस दौरान हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्रा अंजली यादव ने सरस्वती वंदना व जया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा छात्रा अदिति पटेल एवं खुशी पाण्डेय ने नृत्य प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद हुई खेलकूद प्रतियागताओं में विद्यार्थियों ने खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रधानाचार्य एस.के. वैश्य ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए छात्रा वर्ग में दो हाउस कल्पना हाउस और लक्ष्मी हाउस में बांटा गया, जबकि छात्र वर्ग को विश्वासरैया हाउस, विवेकानंद हाउस, कलाम हाउस व भाभा हाउस में विभक्त कर प्रतियोगिताएं कराई गई। प्रतियोगिताओं की शुरुआत के दौरान छात्रों द्वारा मार्च पास्ट किया गया, जिसका नेतृत्व छात्र वर्ग के जनरल कैप्टन आकाश सिंह एवं छात्रा वर्ग की जनरल कैप्टन वर्षा सिंह ने किया। दोनों कप्तान द्वारा प्रज्ज्वलित मसाल लेकर फील्ड का भ्रमण किया। तीन दिन चलने वाली प्रतियोगिताओं में अंतिम दिन भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे से और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम दोपहर 2:00 बजे आयोजित किया जाएगा।

सोमवार को हुई प्रतियोगिताओं में छात्र वर्ग में जैवलिन थ्रो में प्रथम स्थान सचिन आदिवासी, द्वितीय स्थान आदर्श भारती और तृतीय स्थान अभिषेक यादव ने प्राप्त किया। बालिका वर्ग के 200 मी दौड़ में अंजली यादव ने प्रथम, कृष्णा ने द्वितीय एवं ऋचा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में अंजली यादव ने प्रथम, ऋचा ने द्वितीय एवं कृष्णा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में अंजली यादव ने प्रथम व पूजा देवी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चेस में प्रियंका ने प्रथम एवं रश्मि केशरवानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में कल्पना हाउस एवं बालक वर्ग में भाभा हाउस ने प्रथम स्थान पाकर अपना परचम लहराया। खेलकूद के उद्घाटन समारोह मे मंच का संचालन डॉ प्रियंका मौर्या द्वारा किया गया।

इस मौके पर क्रीड़ाधिकारी शुभम श्रीवास्तव, राणा सूर्य देव, सिविल इंजीनियरिंग अध्यक्ष अनंत प्रकाश, स्वाती खटनानी, व्याख्याता संजीव सिंह, प्रियंका भारद्वाज, देवाशीष दीपेंद्र मिश्रा, अनुपम सिंह, सचिन कुमार गुप्ता, अमित कुमार शुक्ला, सुधांशु सिंह, सचिन कुमार मौर्य, आदित्य कुमार सिंह, पवन कुमार, उर्वशी कश्यप, आकांक्षा श्रीवास्तव, उमा शुक्ला, ज्योति, प्रकाश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

जेपी नड्डा और अमित शाह ने की नितिन...

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन की ताजपोशी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में की गई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नितिन नबीन को पटका पहनाकर... पढ़ें पेज 12 पर...

सीएम योगी बोले, प्रदेश में घटे हैं चार करोड़ मतदाता, इन्हें जुड़वाएं

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने संबोधन में बड़ा दावा करते हुए कहा कि एसआईआर में प्रदेश के चार करोड़ मतदाता कम हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि इनके नाम मतदाता सूची में जुड़वाइए। उन्होंने कहा कि यूपी की जनसंख्या 26 करोड़ है। 65% के करीब इनमें पात्र मतदाता होने चाहिए। इस लिहाज से यह संख्या 16 करोड़ होती है। जनवरी 2025 की मतदाता सूची में 15.44 करोड़ नाम थे। एक जनवरी 2026 तक 18 साल का होने वाले युवा भी मतदाता बन सकते हैं। ऐसे में संख्या बढ़नी चाहिए थी, लेकिन घट गई है। सीएम योगी ने कहा, जो ड्राफ्ट सूची की नकल आई है उसमें 12 करोड़ मतदाता हैं। 4 करोड़ मतदाता मिसिंग हैं। सीएम ने कार्यकर्ताओं से कहा, ये मतदाता हमारे विरोधी नहीं हैं। इनमें से 80-90% भाजपा के मतदाता हैं। इनका नाम जुड़वाइए। ड्राफ्ट सूची की नकल निकलवाइए। उससे मिलान करिए। हर बूथ पर 200-250 परिवार हैं। आसानी से मिलान हो सकता है। अभी 12 दिन बचे हैं। जो भी उपयुक्त फॉर्म हों वह फॉर्म भरवाएं। कहा, चुनाव बूथ पर जीता जाता है। हर बूथ से गलत नाम की आपत्ति जानी चाहिए। किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए और अपात्र का नाम जुड़ना नहीं चाहिए।

सीएम का बयान पीडीए की जीत का गणित : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को एक्स के माध्यम से कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री स्वयं कह रहे हैं कि जो 4 करोड़ मतदाता एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट में शामिल नहीं किए गए हैं उनमें से 85-90 प्रतिशत भाजपा के वोटर हैं। सीएम का यह गणित तो पीडीए की जीत का अंकगणित है। अखिलेश ने कहा कि इसका मतलब तो ये हुआ कि पीडीए प्रहरी के चौकन्ने रहने से एसआईआर में भाजपा वालों का मनमाफिक जुगाड़ नहीं हो पाया। दूसरा मतलब ये हुआ कि वोटर लिस्ट में साक्ष्यों के अभाव में हटाए गए 85-90 प्रतिशत वोटर भाजपा के निकले। यानी सारी गड़बड़ी भाजपा के वोटर कर रहे थे। सीएम के अनुसार अगर 4 करोड़ मतदाता में भाजपा के 3.40 करोड़ मतदाता कम हो गए, मतलब आगामी विधानसभा चुनाव में 403 सीटों पर भाजपा के कुल 3.40 करोड़ मतदाता कम हो गए। उन्होंने कहा कि इस तरह से भाजपा को करीब 84 हजार वोटों का नुकसान हो गया है जो जायज वोटर नहीं थे। इस तरह से भाजपा आगामी चुनाव में रेस से ही बाहर हो जाएगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग ने सत्ताधारी दल के नुकसान को देखकर ही 2 हफ्ते का समय बढ़ाया है, लेकिन पीडीए प्रहरी एसआईआर में अब दोगुनी सजगता से काम करेंगे और कोई गड़बड़ी नहीं होने देंगे।

देश में आतंकवाद और अलगाववाद की जड़ में हैं पूर्व पीएम : सीएम योगी

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जम्मू-कश्मीर को इतना विवादित करने का कार्य किया कि आजादी के बाद से वह लगातार भारत को डसता रहा। पंडित नेहरू के कारण उसी कश्मीर से देश को उग्रवाद, अलगाववाद प्राप्त हुआ था। देश पीएम नरेंद्र मोदी का आभारी है, जिन्होंने लौहपुरुष व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करते हुए धारा-370 को समाप्त कर कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए एक देश में एक प्रधान, एक विधान और एक निशान के संकल्प को आगे बढ़ाया। योगी सोमवार को जीपीओ स्थित पार्क में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का यशस्वी नेतृत्व और लंबे समय तक प्राप्त होता, लेकिन देश का दुर्भाग्य रहा कि 15 दिसंबर 1950 को उनका नश्वर शरीर जवाब दे गया। आजादी के बाद सरदार पटेल की सूझबूझ से जूनागढ़ और हैदराबाद की रिसायतें भारत का हिस्सा बनीं। सरदार पटेल ने गृहमंत्री के रूप में सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार, तमाम विवादों के समाधान के लिए तंत्र विकसित करने और भारत की प्रशासनिक सेवा को वर्तमान स्वरूप देने का कार्य भी किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी महेंद्र सिंह, अवनीश सिंह, पवन सिंह चौहान, लालजी प्रसाद निर्मल, उमेश द्विवेदी, विधायक ओपी श्रीवास्तव, आशीष सिंह 'आशु', भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, सरदार पटेल स्मृति समारोह समिति के अध्यक्ष राजेश्वरी देवी पटेल, महासचिव शशांक वर्मा आदि मौजूद रहे।

जानलेवा हमले में युवक बुरी तरह घायल, अस्पताल में चल रहा है इलाज

- युवक की हालत गंभीर होने पर ग्रामीणों में आक्रोश, कड़ी कार्यवाही की मांग

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

लखनऊ कमिश्नरेट उत्तरी जोन बीकेटी थाना कठवारा चौकी क्षेत्र कठवारा गांव निवासी एक व्यक्ति को दबंगों ने बुरी तरह मारा पीटा और आरोप है कि मृत समझ कर उन्हें सड़क किनारे छोड़कर भाग गए। वहीं सूचना मिलने पर बीकेटी पुलिस मौके पर पहुंच गई। परिजन अचेत लहूलुहान अवस्था में युवक को नजदीकी शौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय साढामऊ बीकेटी अस्पताल ले गए,जहां से उन्हें ट्रामा सेंटर रिफर कर दिया गया। वहीं परिजन हालत गंभीर देखते हुए, उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया है,जहां आइसीयू में इलाज चल रहा है। वहीं कठवारा गांव के निवासी के मुताबिक, उनके भाई अजय सिंह उर्फ सोनू का गांव की ही लड़की से दोस्ती थी,जिसको लेकर उसके परिजन सोनू से दुश्मनी जैसी नियत रखते थे और नाराज थे। वहीं शनिवार की रात्रि घर के पास एक कार्यक्रम में सोनू सम्मिलित होकर देर रात्रि करीब घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में घात लगाकर बैठे विपक्षी लालता रावत, सुरेश व मोनू ने अचानक उनके ऊपर जानलेवा हमला कर दिया और मृत समझकर सड़क किनारे फेंक कर चले गए। जितेंद्र सिंह ने बताया कि सोनू की स्थिति काफी गम्भीर बनी हुई है। आईसीयू में इलाज के दौरान अभी तक होश नहीं आया है। विपक्षी का आरोप है कि अत्यधिक शराब के नशे में होने के चलते छत से कूदते समय सड़क किनारे खड़े ई रिक्शा पर जा गिरे, जिससे वह घायल हो गए। वहीं बीकेटी पुलिस के मुताबिक महिला की तहरीर के आधार पर पास्को समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर दी गई है। वहीं घायल के परिजनों ने तहरीर दी है, सोमवार शाम को कठवारा गांव के ग्रामीणों ने बीकेटी एसीपी से मुलाकात की और घायल सोनू के आरोपियों को ऊपर कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

एडीसीपी ने इटौंजा थाना का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

लखनऊ कमिश्नरेट उत्तरी जोन इटौंजा थाने का सोमवार शाम 4 बजे अर्धवार्षिक निरीक्षण एडीसीपी उत्तरी जोन गोपी नाथ सोनी ने किया। वहीं एडीसीपी के निरीक्षण के दौरान मिली खामियो को जल्द पूर्ण कराने के आवश्यक दिशा निर्देश थाना प्रभारी निरीक्षक को दिया गए। वहीं एडीसीपी उत्तरी ने कहा कि मालखाना, मेस, बैरक अन्य को बारीकी से देखा गया हैं और निरीक्षण का उद्देश्य महज यह है कि थाने का रख रखाव कैसा है, जीडी अभिलेख सही हो रहा है कि नहीं और इसी के चलते साफ सफाई भी हो जाती हैं इस के साथ ही एफआईआर रजिस्टर सहित अन्य की देख रख हो जाती है। इस दौरान एडीसीपी ने बीट दरोगा अपने हल्का क्षेत्र में कैसा काम कर रहे हैं और आम जनता की सुनवाई हो रही है कि नहीं हो रही है इस पर भी जोर दिया है। निरीक्षण के दौरान परेड में एक संतरी कम मिला,जिस पर फटकार लगाई और महिला हेल्प डेस्क पर महिला शिकायतों का निस्तारण करने को कहा,चौकी इंचार्ज महोना रविन्द्र पाल से एडीसीपी ने कहा कि चौकी महोना बनवाने का जब बजट है तो क्यों नहीं बनवा रहें,एडीसीपी ने महोना चौकी पूर्ण करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि भवन का बजट स्वीकृत है जल्द ही निर्माण कार्य किया जायें। इसके अलावा एडीसीपी ने एक नंबर हल्का प्रभारी संजय गुप्ता को नसीहत दी कि बीट इंचार्ज नहीं कहा जाता है,हल्का प्रभारी कहा जाता है, एडीसीपी के पूछने पर संजय गुप्ता ने बीट इंचार्ज बताया था, कहा कि इस पर ध्यान दें। इस दौरान एडीसीपी उत्तरी जोन गोपीनाथ सोनी, इटौजा थाना प्रभारी निरीक्षक मार्कंडेय यादव, अन्य सभी दरोगा सिपाही पुलिस बल मौजूद रहा।

कानूनन दत्तक पुत्र को भी मिल सकती है अनुकंपा नियुक्ति, पुत्र के समान अधिकार, हाईकोर्ट का आदेश

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक अहम फैसले में कहा कि कानूनन दत्तक पुत्र भी सभी प्रयोजनों के लिए पुत्र के समान होता है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने लखनऊ नगर निगम को दिवंगत कर्मचारी के दत्तक पुत्र - शानू कुमार की अनुकंपा नियुक्ति के दावे पर दो माह में पुनर्विचार करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने नगर निगम के उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि दत्तक पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति के तहत नौकरी नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने कहा- अगर किसी के पास दत्तक ग्रहण विलेख (प्रमाणपत्र) है तो प्रशासनिक अफसर उस पर सवाल मत उठाएं। न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह की एकल पीठ ने यह फैसला याची शानू कुमार की सेवा मामले में दाखिल याचिका पर दिया। याची ने अपने दत्तक पिता, सेवाकाल में दिवंगत नगर निगम के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रमेश की मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग की थी। नगर निगम ने शानू कुमार का दावा यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि दत्तक ग्रहण के समय उनकी आयु 18 वर्ष थी, जो हिंदू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के अनुरूप नहीं है। कोर्ट ने कहा कि एक बार दत्तक ग्रहण विलेख पंजीकृत हो जाने के बाद, उसकी वैधता पर सुनवाई की शक्ति केवल सक्षम सिविल न्यायालय को है, न कि किसी प्रशासनिक प्राधिकारी को। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अधिनियम, 1956 की धारा 12 और 16 के तहत, दत्तक पुत्र को सभी प्रयोजनों के लिए पुत्र माने जाने का प्रावधान है। अदालत ने नगर निगम के 2 सितंबर 2023 के आदेश को निरस्त करते हुए निर्देश दिया है कि याची के अनुकंपा नियुक्ति के दावे पर दो माह के भीतर पुनर्विचार किया जाए। इस आदेश के साथ कोर्ट ने याचिका मंजूर कर ली।

भाजपा के एजेंडे में नहीं है सरकारी नौकरी, पूरे नहीं हुए छात्र और नौजवानों से किए वादे : अखिलेश यादव

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रयागराज में लोक सेवा आयोग में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्र-नौजवानों के साथ दुर्व्यवहार की निंदा की है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी की पीड़ा से गुजर रहे युवाओं के साथ अमानवीय तरीके से मारपीट व बाल पकड़कर अपमानित करने का जो काम यूपी की भाजपा सरकार कर रही है, वह भाजपा का सत्ता का अहंकार है । अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा यह न भूले कि पढ़ने वाले युवा लड़ना नहीं चाहते हैं, वे तो बस साफ-सुथरे तरीके से नौकरी की प्रक्रिया को ठीक करवाने की मांग कर रहे हैं। हम प्रतियोगी अभ्यर्थियों के साथ खड़े हैं। हम उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की दोषपूर्ण परीक्षा प्रणाली और भ्रष्ट चयन प्रक्रिया पर लग रहे आरोपों के संदर्भ में एक एसआईआर की पुरजोर मांग करते हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के एजेंडे में नौकरी है ही नहीं। भाजपा ने छात्रों और नौजवानों के साथ किए गए वादों को पूरा नहीं किया। भाजपा की सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है।

एस एस पब्लिक स्कूल, हेमी, बीकेटी, लखनऊ में हुआ विज्ञान, कला एवं कंप्यूटर प्रदर्शनी का आयोजन

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

लखनऊ जिले के बीकेटी क्षेत्र में एस एस पब्लिक स्कूल , हेमी, बीकेटी, लखनऊ के प्रांगण में कंप्यूटर एवं वैज्ञानिक उपकरणों एवं चित्र कला की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय के संस्थापक अनिल सिंह चौहान एवं विद्यालय के चेयरमैन प्रवीण सिंह चौहान ने फीता काट कर किया। इस प्रदर्शनी में कंप्यूटर के महत्वपूर्ण उपकरण जैसे एटीएम, रोबोट, सोशल नेटवर्किंग , वेब सर्वर इत्यादि एवं वैज्ञानिक उपकरणों जैसे हार्ट मॉडल, फ़ोटो सिंथेसिस, इलेक्ट्रिक टॉर्च , पाचन तंत्र, सेंसर वाटर पम्प , वाटर अलार्म, रेन डिटेक्टर आदि आकर्षक मॉडलों का प्रदर्शन विद्यार्थियों द्वारा किया गया। वहीं इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सी के शर्मा,संजय जायसवाल एवं समस्त शिक्षक उपस्थित रहें। छात्रों को संबोधित करते हुए विद्यालय के चेयरमैन प्रवीण सिंह चौहान ने कहा की कंप्यूटर टिक्नोलॉजी एवं विज्ञान किसी भी देश के विकास में बहुत अहम योगदान देते हैं ,ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ती है एवं हमारा प्रयास होना चाहिए कि इन क्षेत्रों में हमारे विद्यार्थी अधिक से अधिक रुचि लेकर एवं कुछ नया सीख कर आने वाले दिनों में देश के प्रगति में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें।

औद्योगिक विकास मंत्री से मिले राज्य सूचना आयुक्त

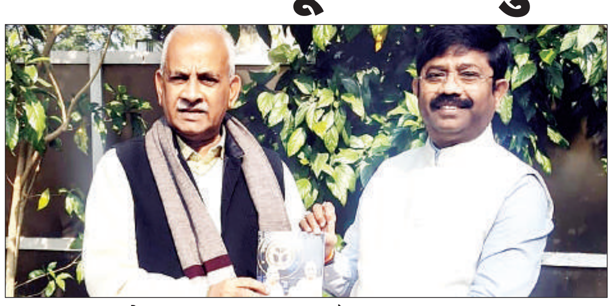

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

औद्योगिक विकास और निर्यात प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल नंदी से उनके सरकारी आवास पर राज्य सूचना आयुक्त डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने औद्योगिक विकास मंत्री को अपनी पुस्तक सुशासन और जनसूचना मुख्यमंत्री को भेंट की। डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने बताया कि इस पुस्तक राज्य सूचना के रूप में उनके डेढ़ वर्ष के कार्यकाल का कार्यवृत्त संकलित है।

भाजपा नेता की कार में मिला मांस का टुकड़ा, बोले-शीशा तोड़कर किसी ने डाला, एफआईआर

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

लखनऊ में सरोजनी नगर दक्षिण प्रथम के भाजपा मंडल उपाध्यक्ष राहुल मिश्रा की कार का शीशा तोड़कर अराजकतत्वों ने उसमें मांस का टुकड़ा रख दिया। इसकी जानकारी होते ही हड़कंप मच गया। पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बेहसा गांव निवासी राहुल मिश्रा के मुताबिक, बीती 13 दिसंबर को विधायक निधि से उनके पड़ोस में सड़क का निर्माण हो रहा था, जिसमें कुछ लोगों ने अवरोध उत्पन्न किया था, तब राहुल ने इसकी सूचना देते हुए लेखपाल और पुलिस को बुलाया, जिसके बाद मामला शांत हो गया था।

कार का शीशा टूटा था

राहुल मिश्रा का कहना है कि 15 दिसंबर सोमवार सुबह वह सोकर उठे और करीब 8 बजे बाहर निकले तो उनकी स्विफ्ट कार का पिछला शीशा टूटा मिला। साथ ही कार के अंदर करीब दो किलो मांस रखा हुआ था। यह देख राहुल के होश उड़ गए। उन्होंने इसकी सूचना सरोजनी नगर पुलिस को दी। उनका कहना है कि वह नॉनवेज से दूर रहते हैं और उन्हें बदनाम करने की नीयत से यह कृत्य किया गया है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है। थाना प्रभारी राजदेव प्रजापति ने बताया कि कुछ अराजकतत्वों की यह करतूत है, जिसकी जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1 करोड़ 30 लाख से अधिक वादों का निस्तारण

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव मनु कालिया ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में 13 दिसम्बर को प्रदेशभर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एवं नालसा के कार्यपालक अध्यक्ष विकम नाथ, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक अरुण भंसाली के मार्गदर्शन तथा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत में 1,30,40,769 वादों का अंतिम रूप से निस्तारण किया गया। इनमें प्री-लिटिगेशन के 1,16,24,886 वाद तथा न्यायालयों में लम्बित 14,15,883 वाद शामिल हैं।

यादव और मुस्लिमों में फंसी सपा

- 2027 में विपक्ष में बैठने लायक नहीं रहेगी समाजवादी पार्टी : राजभर

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

लखनऊ 15 दिसम्बर।प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री और सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने एसआईआर विरोध के मुद्दे पर सपा और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2027 के चुनाव में एनडीए रिकार्ड जीत दर्ज करेगा।प्रदेश में अगला चुनाव सपा के लिए निर्णायक हो सकता है। मुझे तो यह लगता है कि सपा विपक्ष में बैठने लायक नहीं रहेगी।मुरादाबाद में पत्रकारों से बातचीत में राजभर ने कहा, सपा यादव और मुस्लिमों में ही फंस गई है। पीडीए का नारा मजाक से अधिक कुछ नहीं है। बोले, सदन में बसपा के एक और कांग्रेस के दो विधायक हैं। प्रदेश में पंचायत चुनाव समय से होंगे। मतदान पत्र की छपाई हो रही है। मतदाता सूची सुधार पर जोर है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को संगठन की ओर से बधाई दी।दिल्ली में कांग्रेस की वोट चोर गद्दी छोड़ रैली की खिल्ली उड़ाई। बोले, सरदार बल्लभ भाई पटेल से कम मत पाने के बाद भी पं.जवाहर लाल नेहरू देश के प्रधानमंत्री बन गए। राजनारायण से हारने के बाद भी इंदिरा गांधी ने ऐसा ही किया।असल में यही वोट चोरी है। राजीव गांधी ने देश में ईवीएम से चुनाव की पहल की। उसके बाद दो बार देश में कांग्रेस की सरकार बनी। अब राहुल गांधी की ओर से ईवीएम पर दोष मढ़ा जा रहा है। मंत्री ने कहा कि रोहिणी आयोग की रिपोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर अति पिछड़ों को उनका हक मिलने जा रहा है।पिछड़ों के 27 प्रतिशत आरक्षण में पिछड़े, अति पिछड़े और सर्वाधिक पिछड़े अपना हक पाएंगे। राज्य सरकार तैयार है।अमरोहा के कैलसा पहुंचे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सपा व बसपा ने मुस्लिमों का वोट लेकर उनको ठगा है। आज तक किसी भी मुस्लिम को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया है। केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया है। पंचायत चुनाव पार्टी अपने दम पर लड़ेगी और विधानसभा चुनाव 2027 भाजपा के साथ ही लड़ेगी।

सुशासन दिवस पर प्रधानमंत्री करेंगे राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

लखनऊ में 232 करोड़ रूपए खर्च कर 65 एकड़ में बनाए गए राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को करेंगे।लखनऊ की वसंत कुंज योजना में बने कमल के आकार वाले राष्ट्र प्रेरणा स्थल परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर लोकार्पण कार्यक्रम के साक्षी करीब डेढ़ लाख लोग होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के रूप में 25 दिसंबर का दिन सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। 25 दिसंबर को होने वाले लोकार्पण कार्यक्रम में प्रदेश भर से लोगों को लाने के लिए रोडवेज की 2,500 बसों का इंतजाम है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पण कार्यक्रम में लोगों को संबोधित भी करेंगे। पीएम मोदी राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर लगाई गई पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं का लोकार्पण करेंगे। इन प्रतिमाओं के निर्माण पर करीब 21 करोड़ रुपए खर्च हुए है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर होने वाले कार्यक्रम की तैयारियां ज़ोरों से चल रही हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद तैयारियों पर नजर रख रहे है। वीसी एलडीए प्रथमेश कुमार प्रेरणा स्थल पर ही अस्थायी कार्यालय बनाकर बनाए जा रहे विशाल पंडाल का कार्य देख रहे हैं। एक सप्ताह से पंडाल बनाया जा रहा है। इस पर वाटरप्रूफ तिरपाल लगाया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर जिस मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता को संबोधित करेंगे उसे सजाया जा रहा है। म्यूजियम ब्लॉक के समीप एक स्थायी मंच है, जिसके सामने 3000 लोगों की क्षमता का एम्फीथिएटर है जिसमें वीआईपी बैठेंगे।राष्ट्र प्रेरणा स्थल जिन तीन महापुरुषों पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पण करेंगे उन पर प्रोजेक्शन लाइटें लगाई जा रही हैं। हर प्रतिमा की ऊंचाई 65 फीट है।तीनों महापुरुषों के जीवन यात्रा से जुड़े संस्मरणों को संजोने के लिए यहां पर एक म्यूजियम भी बनाया गया है। प्रधानमंत्री 25 दिसंबर को दिल्ली से लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट आएंगे। वहां से वह हेलीकॉप्टर से प्रेरणा स्थल पहुंचेंगे। प्रेरणा स्थल पर तीन हेलीपैड बनाए गए हैं। राष्ट्र प्रेरणा स्थल 65 एकड़ में बनाया बना है। इसका निर्माण दिसंबर 2022 में शुरू हुआ था।इसके निर्माण पर 232 करोड़ रुपए खर्च हुए है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय लखनऊ के मुख्य न्यायमूर्ति कक्ष में एक पूर्ण पीठ शोकसभा आयोजित

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय लखनऊ के मुख्य न्यायमूर्ति कक्ष में 12 दिसम्बर को अपराहन 3:45 बजे एक पूर्ण पीठ शोकसभा आयोजित की गई।यह पूर्ण पीठ शोकसभा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दिवंगत अधिवक्ता द्वारा कानून और न्याय के क्षेत्र में दी गई सेवाओं को याद करने हेतु की गयी। इस अवसर पर वरिष्ठ न्यायमूर्ति राजन रॉय तथा अन्य साथी न्यायमूर्ति निबन्धक व रजिस्ट्री के अधिकारी एवं विद्वान अधिवक्ताओ ने साथ मिलकर उच्च न्यायालय अवध बार एसोसिएशन लखनऊ के सदस्यों के दु:खद निधन पर शोक व्यक्त किया।

जिला स्वच्छता समिति की बैठक संपन्न

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी के अंतर्गत जिला स्वच्छता समिति की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक में जिलाधिकारी ने सबसे पहले स्वच्छ भारत मिशन फेज 2 के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण हेतु प्राप्त आवेदन के सापेक्ष सत्यापन की प्रगति तथा धनराशि हस्तांतरण की समीक्षा किया।डीएम ने ग्रामीण क्षेत्रों में नालों और नालियों के नियमित सफाई पर बल दिया।उन्होंने कहा कि गंदगी और जल जमाव की समस्या लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।सभी ग्राम पंचायतों में समयबद्ध रूप से सफाई सुनिश्चित की जाए। सामुदायिक शौचालय की स्थिति पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में सामुदायिक शौचालयों पर ताला ना हो। शौचालय के नियमित सफाई, रखरखाव और संचालन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन के तहत संचालित अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई।जिसमें बायोगैस प्लांट,एफएस टीपी प्लांट,प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट तथा गोवर्धन योजना के तहत की जा रही गतिविधियों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई।जिलाधिकारी ने योजनाओं के संचालक को और अधिक प्रभावी और जनउपयोगी बनाने का निर्देश दिया।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह,जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज त्यागी,बीएसए संजय तिवारी,सभी खंड विकास अधिकारी, विकास अधिकारी पंचायत सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एमडीके बालिका विद्यालय में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर चर्चा

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के महारानी देवेंद्र कुंवरि बालिका इंटर कॉलेज में सोमवार को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर पर चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्र में मिशन शक्ति अभियान के तहत चलाए जा रहे महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम पर विस्तार से जानकारी दी गई। जानकारी के अनुसार 15 दिसंबर को एमडीके बालिका इंटर कॉलेज में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 100 दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही मिशन शक्ति पंचम चरण के विषय में भी चर्चा- परिचर्चा किया गया। छात्राओं को बाल विवाह एक अभिशाप है, गैर कानूनी भी है, इसके विषय में जानकारी दिया गया। मिशन शक्ति के अंतर्गत नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वालंबन के विषयों पर छात्राओं से बात किया गया। 181 साइबर हेल्पलाइन 1930 आदि हेल्पलाइन नंबरों के विषय में छात्रों को जानकारी दिया गया।

नियंता मंडल की बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर में एमएलके पीजी कॉलेज के नियंता मंडल की आवश्यक बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विधिवत चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार 15 दिसंबर को महाविद्यालय प्राचार्य प्रो0 जे पी पाण्डेय के निर्देशन में आयोजित नियंता मंडल बैठक की अध्यक्षता मुख्य नियंता प्रो0 वीणा सिंह ने की । बैठक में उपस्थित नियंता मंडल के सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रो0 वीणा सिंह ने कहा कि छात्र हितों की रक्षा व उनकी सुरक्षा हम सभी का दायित्व है और हम सभी को इसके लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय परिसर में लगी शिकायत पेटिका का समय समय पर निरीक्षण करने के पश्चात उसमें छात्रों की ओर से आई किसी भी प्रकार की शिकायतों का समय से निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करें। महाविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाओं के मद्देनजर यह भी ध्यान रखें कि परिसर में जहां अनुशासन का वातावरण बना रहे वहीं किसी भी छात्र के आवश्यक कार्य मे बाधा न आवे। इस अवसर पर नियंता मंडल के सदस्य डॉ दिनेश कुमार मौर्य, डॉ वीर प्रताप, डॉ ओमप्रकाश सिंह, डॉ अर्चना शुक्ला, डॉ कमलेश कुमार, डॉ के के सिंह, डॉ दिनेश तिवारी, राहुल कुमार व डॉ विनीय कुमार उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद ने विद्युत उपकेंद्र को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात कर दिया पत्र

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर विकासखंड सदर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घूघुलपुर ने विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए जाने को लेकर पूर्व सांसद डॉ विनय कुमार पांडे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर घूघुलपुर में 33/11 केवी विद्युत उप केन्द्र स्थापना कराने का अनुरोध किया है ।

निवर्तमान सांसद पूर्व मंत्री डॉ विनय कुमार पांडे ने 15 दिसंबर को बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिए पत्र में लिखा है कि बौद्ध एवं जैन तीर्थ स्थली श्रावस्ती जहां देश-विदेश से तमाम पर्यटक व तीर्थ यात्रियों के आने से अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल है । शासन की मंशा अनुरूप विदेशी मुद्रा के रूप में राजस्व में वृद्धि हेतु अन्तर्राष्ट्रीय, हवाई अड्?डे एवं अन्तर्राष्ट्रीय बस अड्डे का निर्माण कार्य के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों की सुविधा हेतु आपके कुशल नेतृत्व में विभिन्न योजनाएं तेजी से अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर हैं। विनियमित क्षेत्र श्रावस्ती अन्तर्गत ग्राम पंचायत घुघुलपुर, गंगापुर बांकी, बगाही, जोगिया कला के साथ ग्राम पंचायत रक्षौड़ा, चौका, टेंगनहिंया जो कि जनपद बलरामपुर अन्तर्गत है तथा आपके कुशल नेतृत्व में ग्राम घुघुलपुर में नवोदय विद्यालय, राजकीय पॉलीटेक्निक राजकीय डिग्री कॉलेज, राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, राजकीय इण्टर कॉलेज (बालक), देवी पाटन विश्वविद्यालय का प्रशासकीय भवन के साथ-साथ गन्ना संस्थान एवं 220 केवीए पावर हाउस जहां से कई जनपदों का विद्युत वितरण का कार्य प्रारम्भ हो चुका है । साथ ही श्रावस्ती रेलवे स्टेशन एवं वृहद स्तर पर राजकीय उद्यान के साथ ही अन्य योजनाओं हेतु भूमि अधिग्रहण का कार्य तेजी से अग्रसर है, परन्तु पूरे श्रावस्ती पर्यटन स्थल एवं विनियमित क्षेत्र में निर्वाद विद्युत आपूर्ति, जैसा कि आपके कुशल नेतृत्व के सरकार की मंशा रही है। 33/11 विद्युत उपकेन्द्र की स्थापना प्रस्तावना के बावजूद लम्बित हो गयी है। उन्होंने पत्र के माध्यम से अनुरोध किया है कि ग्राम घुघुलपुर जनपद बलरामपुर में 33/11 विद्युत उपकेन्द्र के अविलम्ब निर्माण हेतु निर्देश जारी किया जाए, जिससे आपके कुशल नेतृत्व वाली सरकार की मंशा अनुरूप क्षेत्र एवं पर्यटन, तीर्थ यात्रियों के विकास व सुविधा के साथ ही प्रदेश के विदेशी पर्यटन, तीर्थ यात्रियों के विकास व सुविधा के साथ ही प्रदेश के विदेशी राजस्व की प्राप्ति में वृद्धि भी का जा सके । उन्होंने विद्युत विभाग के सक्षम अधिकारियों को निर्देशित करने का अनुरोध मुख्यमंत्री से किया है ।

उपरिगामी सेतु के मरम्मत कार्य शीघ्र होगा शुरू - डीएम

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया कि शासन द्वारा जनपद के जहानाबाद रतापुर मार्ग के रेलवे स्टेशन के निकट गल्ला मंडी स्थित क्षतिग्रस्त रेल उपरिगामी सेतु के मरम्मत कार्य हेतु 135.83 लाख (रूपये एक करोड़ पैंतीस लाख तिरासी हजार) की प्रशासकीय स्वीकृति मिल गयी। जल्द ही उपरिगामी सेतु के मरम्मत का कार्य शुरू होगा।

डीएम की अध्यक्षता में पेंशनर्स दिवस 17 को

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया है कि 17 दिसम्बर 2025 को पूर्वाह्न 12:30 बजे बचत भवन सभागार, कलेक्ट्रेट में पेंशनर्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि पेंशनर्स दिवस पर आयोजित उक्त कार्यक्रम में कोषागार से पेंशन प्राप्त करने वाले सेवानिवृत्त राजकीय कर्मचारी, बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा व विद्युत विभाग के पेंशनर्स संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे, जिनके साथ वरिष्ठ कोषाधिकारी तथा अन्य कार्यालयाध्यक्ष पेंशन स्वीकृति एवं भुगतान की प्रक्रिया में आने वाली कठिनाइयों तथा शासन द्वारा किये गये विभिन्न शासनादेशों के अनुपालन इत्यादि के संदर्भ में चर्चा करेंगे।

17 दिसंबर से शुरू होगा महिलाओं एवं बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु 'प्रोजेक्ट संवर्धन'

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद में महिलाओं एवं बच्चों के पोषण स्तर को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा एक विशेष अभियान ÷प्रोजेक्ट संवर्धन÷ संचालित किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कुपोषण की रोकथाम एवं समुचित पोषण सुनिश्चित करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में गुणात्मक सुधार लाना है। -अभियान के संबंध में डीएम विपिन कुमार जैन द्वारा प्रेस वार्ता की गई । उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत दिनांक 17 दिसंबर 2025 को जनपद के 300 पंचायत भवनों में वीएचएसएनडी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इन सत्रों के दौरान सभी गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का नियमित एवं पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही बच्चों के वजन, लंबाई एवं अन्य शारीरिक मापदंडों की जांच कर उनके पोषण स्तर का आकलन किया जाएगा। वीएचएसएनडी सत्रों में विशेष रूप से सैम श्रेणी के बच्चों की पहचान (चिन्हांकन) की जाएगी, ताकि उन्हें शासन की निर्धारित पोषण एवं उपचार योजनाओं से आच्छादित कर कुपोषण से मुक्ति दिलाई जा सके। चिन्हित बच्चों को आवश्यकतानुसार पोषण परामर्श, चिकित्सकीय देखरेख एवं रेफरल सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं आईसीडीएस विभाग द्वारा आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का संवेदीकरण (सेंसिटाइजेशन) किया गया है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि सभी वीएचएसएनडी सत्रों में वजन मशीन, इन्फेंटोमीटर सहित आवश्यक माप उपकरणों की उपलब्धता रहे। इसके अतिरिक्त, जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में वजन मशीन, इन्फेंटोमीटर आदि आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी द्वारा सभी ग्राम प्रधानों को पत्र प्रेषित करते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान किए जाने की अपील की गई है, ताकि किसी भी स्तर पर संसाधनों की कमी न रहे और अभियान सुचारु रूप से संचालित हो सके। इस अभियान का क्रियान्वयन जिला स्तरीय अधिकारियों के पर्यवेक्षण में किया जाएगा तथा स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा आमजन, विशेषकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी पंचायत भवन में आयोजित वीएचएसएनडी सत्र में उपस्थित होकर इस विशेष अभियान का लाभ उठाएं और जनपद को कुपोषण मुक्त बनाने में सहयोग प्रदान करें। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री हिमांशु गुप्ता द्वारा अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि सभी सत्रों की निगरानी 300 नामित अधिकारियों द्वारा की जाएगी, जो केवल पर्यवेक्षक नहीं बल्कि गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले सुविधाप्रदाता की भूमिका निभाएंगे। सत्र पंचायत भवनों पर आयोजित होंगे, जहां आवश्यक दवाएं, टीकाकरण, कोल्ड चेन एवं समस्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव एवं स्वावलंबन कैम्प का आयोजन

जन एक्सप्रेस । अमेठी

महिला कल्याण विभाग द्वारा मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में सोमवार को÷मिशन शक्ति अभियान 5.0÷ की थीम ÷सशक्त नारी,समृद्ध प्रदेश÷ के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।इस अवसर पर मलिक मोहम्मद जायसी संयुक्त जिला चिकित्सालय गौरीगंज में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें सात नवजात बालिकाओं की माताओं को बेबी किट प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य कन्या जन्म को प्रोत्साहित करना तथा समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना रहा।इसी क्रम में स्वावलंबन कैम्प थीम पर ग्राम पंचायत बीरीपुर जामो में महिला एवं बालिका सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।शिविर के दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,मिशन शक्ति, वन स्टॉप सेंटर,मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना,स्पॉन्सरशिप योजना, पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई।एवं संबंधित पम्पलेट एवं फोल्डर वितरित किए गए।कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति से संबंधित फोल्डर व पम्पलेट देकर कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया गया। साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे महिला हेल्पलाइन 181,एम्बुलेंस सेवा 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098,साइबर हेल्पलाइन 1930, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112 के साथ-साथ बाल श्रम एवं बाल विवाह की रोकथाम के संबंध में भी व्यापक स्तर पर जनजागरूकता की गई।इस कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर,चाइल्ड हेल्पलाइन अमेठी,हब फॉर इम्पावरमेंट योजना एवं बाल संरक्षण योजना की टीमें उपस्थित रहीं।उन्होंने आमजन को आवश्यक जानकारी व परामर्श उपलब्ध कराया।महिलासशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण की दिशा में यह आयोजन जनपद में सकारात्मक प्रभाव डालने वाला रहा।

इंटर हाउस रिले रेस प्रतियोगिता का आयोजन

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में इंटर हाउस रिले रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार 15 दिसंबर को सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मोंटेसरी विंग में इंटर हाउस रिले रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंध समिति के निदेशक सुयश कुमार एवं विद्यालय प्राचार्य आसिम रूमी रहे । प्रतियोगिता की शुरुआत में विद्यालय निदेशक सुयश कुमार एवं प्राचार्य असीम रूमी ने हाउस प्रतिभागी बच्चों के परिचय से की । निदेशक सुयश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया । प्रतियोगिता इंचार्ज पी.टी.आई पंपा बाग के दिशा निर्देशन व समन्वयक रेखा ठाकुर के कुशल मार्गदर्शन में किया गया । प्रतियोगिता में ट्यूलिप हाउस से बालक वर्ग में नामिष, जयश, अनय एवं बालिका वर्ग में असरा अन्ना श्रेष्ठा व श्रेया ने प्रतिभाग किया।

फर्जी लूट का खुलासा,शीशा तोड़ रची गई थी साजिश, अस्सी हजार रुपये बरामद

जन एक्सप्रेस । तिलोई,अमेठी

थाना शिवरतनगंज पुलिस ने लूट की झूठी सूचना देने के एक मामले का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पूरी कलेक्शन राशि बरामद कर ली है। पुलिस जांच में सामने आया कि यह पूरी घटना सुनियोजित साजिश थी, जिसे किराना माल की कलेक्शन रकम हड़पने के लिए अंजाम दिया गया था।रविवार को डायल 112 पर सूचना मिली कि शिवरतनगंज क्षेत्र के कुसुम्ही के पास अज्ञात बाइक सवारों ने पिकअप लोडर से किराना सामान ले जा रहे चालक से मारपीट कर लगभग डेढ़ लाख रुपये लूट लिए हैं।सूचना मिलते ही शिवरतनगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।जांच के दौरान पिकअप चालक अंकित सिंह पुत्र जितेन्द्र सिंह निवासी गणेशपुर तथा उसके साथी विनोद मिश्रा पुत्र कौशल किशोर मिश्रा निवासी रामपुर से पूछताछ की गई।पुलिस अधीक्षक अमेठी के निर्देशन में की गई गहन जांच और साक्ष्य संकलन में यह स्पष्ट हुआ कि लूट की कहानी पूरी तरह मनगढ़ंत थी।पुलिस जांच में सामने आया कि किराना व्यवसायी अंकित कुमार गुप्ता पुत्र सतोष गुप्ता निवासी कुशेशी वार्ड नगर पंचायत हेदरगढ़ किराना दुकान का सामान पिकअप लोडर के माध्यम से इन्होना और सेमरौता क्षेत्र की दुकानों पर सप्लाई कराते हैं।चौदह दिसंबर को माल बिक्री की 80,150 रुपये की कलेक्शन चालक अंकित सिंह के पास थी।पैसे हड़पने की नीयत से चालक ने अपने साथी के साथ मिलकर सेमरौता क्षेत्र में वाहन का साइड शीशा तोड़ दिया।एवं लूट की झूठी सूचना दे दी।पुलिस ने तलाशी के दौरान आरोपी अंकित सिंह से 40,150 रुपये तथा विनोद मिश्र से 40,000 रुपये बरामद किए।दोनों आरोपियों के खिलाफ शिवरतनगंज में मुकदमा अपराध संख्या 144/25 धारा 316(2), 318 (4), 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस का कहना है कि फर्जी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

रायबरेली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का आन्तरिक त्रैमासिक निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली गई। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जन औषधि केंद्र की तर्ज पर खुलेंगे पशु औषधि केंद्र

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

पशु औषधि केंद्र के लिए आवेदक के पास ड्रग लाइसेंस और 120 वर्ग फिट स्थान होना चाहिए।

जिले के प्रत्येक विकास खंड में जन औषधि केंद्र की तर्ज पर प्रधानमंत्री पशु औषधि केंद्र की स्थापना कराई जाएगी। औषधि केंद्रों पर पशुपालकों कों सस्ते दर पर बीमार मवेशियों के लिए विभिन्न दवाएं उपलब्ध रहेंगी। इन दवाओं की कीमत शासन से निर्धारित की जाएगी। पशुपालन विभाग ने पात्रता पूरी करने वालों से किसान समृद्धि केंद्र की स्थापना के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगा है। शासन की ओर से मरीजों को सस्ते दर पर दवाएं मुहैया कराने के लिए प्रत्येक जिले में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की स्थापना कराई गई है। इन केंद्रों पर मरीज और तीमारदारों को बाजार से सस्ते दर पर दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब शासन ने पशुपालकों को भी सस्ते दर पर बीमार मवेशियों के लिए दवाएं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए पहले चरण में प्रत्येक जिले के हर ब्लॉक में एक एक प्रधानमंत्री पशु औषधि केंद्र की स्थापना कराने की योजना है। इसके लिए पशुपालन विभाग की ओर से प्रत्येक ब्लॉक से पात्रता पूरी करने वालों से ऑनलाइन आवेदन मांगा गया है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ कुलदीप कुमार द्विवेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री पशु औषधि केंद्र की स्थापना के लिए पात्रता पूरी करने वालों से आवेदन मांगा गया है। पहले चरण में प्रत्येक ब्लॉक में एक-एक केंद्र की स्थापना करने की योजना है। इससे पशुपालकों को सस्ते दर पर दवाएं मिलेंगी। यह होगी पात्रता पशु औषधि केंद्र की स्थापना के लिए आवेदक को पांच हजार रुपये शुल्क जमा करना होगा।

कांग्रेस जनों ने तिलक भवन में महापुरूषों के चित्र पर माल्यापर्ण किया

रायबरेली। भारत रत्न देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की पुण्यतिथि एवं भूतपूर्व मंत्री भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार, पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जनपद के गौरव बैजनाथ कुरील जी की जयंती के अवसर पर उपस्थित कांग्रेस जनों ने तिलक भवन में दोनो महापुरूषों के चित्र पर माल्यापर्ण कर उन्हे श्रद्धांजति अर्पित की गई। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि 565 रियासतों को नये स्वतंत्र भारत में जोड़ने वाले सरदार बल्लभ भाई पटेल का राष्ट्र के निर्माण में अति महत्वपूर्ण योगदान रहा है। शहर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव ने लौह पुरुष सरदार पटेल जी के देश निर्माण में किये गये योगदान को याद किया। कांग्रेस प्रवक्ता महताब आलम ने बताया कि आज भाजपा और आर.एस.एस. वाले सरदार पटेल जी और पं0 जवाहर लाल नेहरू के बीच मनगढ़ंत बातों के सहारे एक दूसरे का विरोधी बताते है जब कि सच्चाई यह है कि सरदार पटेल जी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की हत्या के बाद आर.एस.एस. पर प्रतिबन्ध लगा दिया था और संघ के खिलाफ कड़े फैसले लिये थे।

आशा कर्मियों की राज्यव्यापी अनिश्चित कालीन हड़ताल शुरू

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन संबंध आल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस (ऐक्टू) द्वारा प्रस्तावित अनिश्चित कालीन हड़ताल से बचने के लिए वार्ता बुलाकर उनके सवालों को सहानुभूति पूर्वक हल करने के बजाय पूरे प्रदेश में भय पैदाकर उन्हें आंदोलन से विरत करने के कुप्रयासों को नाकाम करते हुए आज जनपद में आशा संगीनियों ने अनिश्चित कालीन हड़ताल में भागेदारी करते हुए पहले दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जोरदार प्रदर्शन किया । जिलाध्यक्ष गीता मिश्रा ने बताया कि जिले में अधिकांश आशा और संगीनियों ने हड़ताल में हिस्सा लिया और जगह जगह धरने प्रदर्शन किए। उन्होंने कहा कि एक माह पूर्व ही सरकार को हड़ताल का नोटिस दे दिया गया था ,सरकार अगर वार्ता बुलाकर समस्याओं के समाधान की इच्छा दिखाती तो हड़ताल जैसी अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं होती । हड़ताल से कार्यक्रमों के प्रभावित होने के लिए आशा और संगिनी नहीं बल्कि सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जिम्मेदार है । यह सरकार के मेहनतकश और महिला विरोधी चरित्र को उजागर करता है। सरकार से अपने सवालों के समाधान की गुहार के सभी तरीके अपनाने के बाद सरकार द्वारा उनकी मांगो को अनसुना करने से आशा कर्मियों को हड़ताल का निर्णय लेना पड़ा। सरकार से उम्मीद थी कि वह वार्ता बुलाकर समस्याओं का समाधान करने का रास्ता निकालेगी,किंतु सरकार ने दमन का रास्ता लिया है। हड़ताल पर पाबन्दी लगाकर सरकार हमारे सवालों से मुंह बचाने और हमारे संवैधानिक अधिकारों को खत्म करने की कोशिश कर रही है। किसी उत्पीड़न और दमन से आशा कर्मियों के सवाल हल नहीं हो जायेंगे और नहीं उनकी लड़ाई रूकेगी। इसलिए सरकार को दमन का रास्ता छोड़कर वार्ता करनी चाहिए। जिला सचिव मुनीशा ने कहा कि सरकार और नौकरशाही गुलामी और बेगार के जरिए श्रम और पारिश्रमिक की लूट कर रही हैं। 70 कामों के बदले 70 रु दैनिक भी नहीं देने वाली सरकार दमन के सिवा और कर ही क्या सकती है। पर आशकर्मी सरकार के हर दमन का मुकाबला करने को तैयार हैं,अब बेगार और भूखे पेट काम नहीं करेंगी। 1.5 लाख करोड़ का प्रोत्साहन राशि घोटाले की वर्षों से उठ रही मांग को अनसुना कर भ्रष्ट्राचार मुक्त प्रदेश के नारे वाली सरकार का असली चेहरा बेनकाब हो गया है। वर्षों से लाखों रु का पारिश्रमिक बकाया हैं। सरकार उसे भी देने को तैयार नहीं है। कोविड की केंद्रीय अनुतोश राशि, राज्य वित्त का 28 माह का सम्पूर्ण भुगतान ,आभा ,आयुष्मान कार्ड ,गोल्डन कार्ड में योगदान सहित पोलियों,फाइलेरिया ,कुष्ठ रोग ,संचारी ,दस्तक जैसे योगदानों का पैसा डकार लिया सरकार सुनने के बजाय पीटने की कार्यवाही कर रही है। उन्होंने अंत में कहा कि 2013 में मनमोहन सरकार की अध्यक्षता में हुए भारतीय श्रम सम्मेलन में राज्य कर्मी का दर्जा दिए जाने,न्यूनतम वेतन गारंटी ,स्वास्थ्य,जीवन बीमा , ईपीएफ, ईएसआई,ग्रेच्युटी ,मातृत्व अवकाश दिए जाने की सिफारिश की गई थी। वे सिफारिशें धूल फांक रही हैं। उनके सवालों को हल किए बिना उनके आंदोलनों को किसी सरकार कोड़े का डर दिखाकर नहीं रोका जा सकता। सरकार को वार्ता बुलाकर आशा कर्मियों की मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर उन्हें पूरा किया जाय। जो प्रदेश की इन महिला कामगारों के बेहतर जीवन से लेकर गांव गली तक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी बेहतर होगा। अन्यथा आशा और संगिनी अबकी बार लंबी लड़ाई के लिए तैयार हैं। ऊंचाहार , अमावा , खीरों , महाराजगंज आदि में हड़ताल का व्यापक प्रभाव रहा । यह हड़ताल मांगो के पूरा होने तक जारी रहेगी।

फर्जी जीएसटी फर्म मामले में पुलिस का गुड वर्क, 37.87 करोड़ की टैक्स चोरी का भंडाफोड़

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

जीएसटी के नाम पर फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ कानपुर पुलिस और राज्य कर विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 6 माह के बाद सफलता हासिल की है। थाना कल्याणपुर में दर्ज मुकदमे के तहत जिला स्तरीय एसआईटी ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 37.87 करोड़ रुपये की राजस्व चोरी का खुलासा किया है।

राज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त क्षेत्र-डी संजय कुमार सिंह की ओर से दी गई लिखित तहरीर के आधार पर थाना कल्याणपुर में 14 जून को मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि कुमार एंटरप्राइजेज नाम की फर्म ने कूटरचित दस्तावेजों के जरिए कानपुर के स्वरूप नगर स्थित एक आवासीय पते पर फर्जी तरीके से जीएसटी पंजीकरण कराया था, जबकि वहां किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि नहीं थी।

राज्य कर विभाग की जांच में भवन स्वामी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने न तो किसी फर्म को किराए पर स्थान दिया और न ही संबंधित किरायानामा उनके हस्ताक्षर का है। जीएसटी पोर्टल पर घोषित आंकड़ों के विश्लेषण में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 155.89 करोड़ और 2025-26 में 54.83 करोड़ रुपये की फर्जी बिक्री दर्शाकर कुल 37.87 करोड़ रुपये के टैक्स की चोरी की पुष्टि हुई थी।

जिसमें बाद पुलिस आयुक्त के निर्देश पर गठित जिला स्तरीय एसआईटी (अपराध शाखा) ने कार्रवाई करते हुए 14 दिसंबर को गौतमबुद्ध नगर से बबलू कुमार, दीपांशू शर्मा, प्रिन्स पाण्डेय और बिन्देश्वर पाण्डेय को गिरफ्तार किया।

आरोपियों के कब्जे से लैपटॉप, मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं।

थाना प्रभारी कल्याणपुर राजेंद्रकांत शुक्ला ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

तरणताल से जीआईसी चौराहे तक हटाया अतिक्रमण

जन एक्सप्रेस। सीतापुर

शहर में रविवार का दिन एक बार फिर बुलडोजर कार्रवाई के नाम रहा। तरणताल स्टेडियम से जीआईसी चौराहे तक बुलडोजर से अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान कुछ लोगों से अधिकारियों की नोकझोंक भी हुई, लेकिन बुलडोजर लगातार गरजता रहा। डीएम के निर्देश पर सुंदर व स्वच्छ शहर बनाने के मकसद से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासनिक अमला रविवार को अभियान चलाता है। इसी क्रम में लगातार तीसरे रविवार को शहर में अतिक्रमण हटाया गया। तहसीलदार अतुल सेन व अधिशासी अधिकारी वैभव त्रिपाठी की अगुवाई में रविवार दोपहर टीम बुलडोजर लेकर सिविल लाइन पहुंची।

केआईटी कॉलेज में तीसरे दिन भी छात्र संघ बहाली मोर्चा आंदोलनरत

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

कानपुर रूमा 15 दिसंबर 2025= कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (केआईटी कॉलेज), रूमा में छात्रों का विरोध प्रदर्शन आज तीसरे दिन भी ज़ोरों पर रहा। यह आंदोलन मुख्य रूप से कॉलेज प्रबंधन द्वारा ऑटोनॉमस (ऑटोनॉमस) नियमों के तहत दाखिला देने के बाद अब एकेटीयू संबद्धता के नियमों को लागू करने के खिलाफ है।

छात्रों के आक्रोश का कारण

भ्रामक प्रवेश नीति= बीटेक और एमबीए के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन ने प्रवेश के समय उन्हें ऑटोनॉमस (स्वायत्त) संस्थान बताकर दाखिला दिया था।

परीक्षा प्रणाली में बदलाव= ऑटोनॉमस कॉलेज में परीक्षा कैंपस में ही होती है और कॉपियाँ कॉलेज में जाँची जाती हैं, जिससे परिणाम जल्दी आते हैं। छात्रों का आरोप है कि अब कॉलेज प्रशासन सामान्य कॉलेज की तरह डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के नियमानुसार परीक्षा कराने की बात कह रहा है।

अपूर्ण वादे= छात्रों का कहना है कि ऑटोनॉमस होने के आश्वासन के साथ-साथ छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) और बेहतर प्लेसमेंट का भी वादा किया गया था, जो अब पूरा होता नहीं दिख रहा है।

प्रदर्शन की तीव्रता= आक्रोशित छात्रों ने गुरुवार को सभी कक्षाएँ बंद करा दीं, परिसर में जमकर नारेबाजी की, और कुछ छात्रों ने हाईवे जाम करने का भी प्रयास किया।

प्रशासनिक हस्तक्षेप

एकेटीयू की दखल= स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, कॉलेज जिस विश्वविद्यालय से संबद्ध है, उसके वरिष्ठ अधिकारी यानी डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) का प्रशासन कॉलेज परिसर में पहुंचा। अधिकारियों की उपस्थिति= एकेटीयू की ओर से डीन स्टूडेंट वेलफेयर समेत कुल दो-तीन वरिष्ठ अधिकारी छात्रों से सीधे बात करने के लिए मौके पर मौजूद रहे।

पुलिस बल की तैनाती= गतिरोध के बीच, कॉलेज परिसर में शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल को भी तैनात किया गया। कॉलेज प्रबंधन और प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों को समझाने और उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया है। छात्रों ने स्पष्ट किया है कि जब तक ऑटोनॉमस एडमिशन पॉलिसी पर स्थिति स्पष्ट नहीं की जाती और उनकी मांगों को लिखित में स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

पुलिस प्रशासन को जिलाधिकारी के नाम का ज्ञापन सौंपा गयाएवं एकेटीयू प्रशासन को केआई प्रशासन के खिलाफ भी ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन स्थल पर मौके पर छात्रसंघ बहाली मोर्चा के कोर कमेटी सदस्य अनस साहू, गौरांग पांडे, आर्यन ठाकुर, आयुष तिवारी समेत सैकड़ो छात्र मौजूद रहे।

सीएचसी बिल्हौर में आशा बहुओं का फूटा गुस्सा

- भ्रष्टाचार, दुर्व्यवहार और वर्षों से लंबित भुगतान को लेकर सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिल्हौर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिल्हौर में कार्यरत आशा बहुओं का सब्र शुक्रवार को जवाब दे गया। भ्रष्टाचार, अपमानजनक व्यवहार और कई वर्षों से लंबित भुगतान को लेकर बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ताओं ने अधीक्षक व उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया। आशा बहुओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगी।आशा बहुओं का आरोप है कि सीएचसी में तैनात कुछ कर्मचारी, विशेषकर संविदा कर्मी मृदुल मिश्रा, उनके साथ लगातार दुर्व्यवहार करते हैं। इसके साथ ही पिछले चार-पांच वर्षों से कराई गई प्रसव सेवाओं का प्रोत्साहन भुगतान अब तक नहीं किया गया, जिससे आशा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है।

जननी सुरक्षा योजना का भुगतान वर्षों से लंबित, आशा बहुओं के अनुसार, जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत प्रति प्रसव मिलने वाली ?1400 की धनराशि कई लाभार्थियों को आज तक नहीं दी गई है। बार-बार शिकायत के बावजूद भुगतान न होने से हालात और गंभीर हो गए हैं।

जन्म प्रमाण पत्र में भारी लापरवाही

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि अस्पताल में हुए प्रसवों के बाद बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र समय पर जारी नहीं किए जा रहे। आशा बहुओं ने तीन दिनों के भीतर सभी लंबित प्रमाण पत्र बनवाने और दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

डिलीवरी के नाम पर अवैध वसूली का आरोप, आशा बहुओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सीएचसी बिल्हौर में प्रसव के दौरान परिजनों से 3,000 से 4,000 तक की जबरन वसूली की जाती है। उन्होंने इसे खुलेआम भ्रष्टाचार बताते हुए तत्काल रोक लगाने की मांग की।

आशा बहुओं की प्रमुख मांगें, डिलीवरी पर मिलने वाले 600 प्रति आशा का तत्काल भुगतान ,दिसंबर माह की पल्स पोलियो ड्यूटी का बकाया मानदेय ,मातृत्व वंदना योजना के सभी लाभार्थियों का लंबित भुगतान ,संविदा कर्मी मृदुल मिश्रा को कार्यमुक्त कर निष्पक्ष जांच समिति गठित करना आशा बहुओं ने प्रशासन से स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्वास्थ्य प्रशासन की होगी।

कानपुर विकास प्राधिकरण को मिला नया पैनल अधिवक्ता

- एडवोकेट विक्रम प्रताप सिंह सिविल न्यायालय मामलों में करेंगे केडीए की प्रभावी पैरवी

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

विकास प्राधिकरण (केडीए) ने सिविल न्यायालय, कानपुर नगर में लंबित व योजित वादों एवं अपीलों की सशक्त पैरवी के लिए एडवोकेट विक्रम प्रताप सिंह को प्राधिकरण का पैनल अधिवक्ता नियुक्त किया है।

विशेष कार्याधिकारी (विधि), कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जारी पत्र के अनुसार, एडवोकेट विक्रम प्रताप सिंह के प्रार्थना पत्र एवं संलग्न बायोडाटा पर सम्यक विचारोपरांत उपाध्यक्ष, केडीए ने अपने आदेश दिनांक 06 दिसंबर को उक्त नियुक्ति की स्वीकृति प्रदान की।

नियुक्ति के उपरांत अब एडवोकेट विक्रम प्रताप सिंह, कानपुर विकास प्राधिकरण की ओर से मा0 सिविल न्यायालय, कानपुर नगर में प्राधिकरण के विरुद्ध दायर वादों एवं अपीलों में प्रभावी, सशक्त एवं तथ्यपरक पैरवी करेंगे। साथ ही, प्राधिकरण द्वारा आवंटित समस्त प्रकरणों में केडीए का पक्ष मजबूती से प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी निभाएंगे। प्राधिकरण ने निर्देशित किया है कि सभी संबंधित वादों एवं अपीलों से जुड़े आवश्यक अभिलेख विधि विभाग समय से प्रेषित किए जाएं, ताकि न्यायिक कार्यवाही निर्बाध रूप से संचालित हो सके।कानपुर विकास प्राधिकरण के इस निर्णय को न्यायालयीन मामलों में प्राधिकरण की पैरवी को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विशेष अभियान में बिल्हौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, वांछित आरोपी गिरफ्तार

नानामऊ अंडरपास के पास से 19 वर्षीय अभियुक्त दबोचा गया

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बिल्हौर पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। थाना बिल्हौर में पंजीकृत मुकदमा संख्या 466/25, धारा 87/137(2) बीएनएस में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त पश्चिम के आदेशानुसार, अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर के कुशल नेतृत्व में थाना बिल्हौर पुलिस टीम ने नानामऊ अंडरपास के पास से अभियुक्त रामजी पुत्र राजू, निवासी ग्राम देहवा, थाना बिल्हौर, कानपुर नगर उम्र लगभग 19 वर्ष को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार अभियुक्त लंबे समय से उपरोक्त मामले में वांछित था। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए समय से माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। अपराधिक इतिहास, मु0अ0स0 466/25, धारा 87/137(2) बीएनएस, थाना बिल्हौर गिरफ्तारी करने वाली टीम ,उप निरीक्षक शुभम देशवाल ,उप निरीक्षक कपिल कुमार पूरी कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सरोज, थाना बिल्हौर, पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर के नेतृत्व में संपन्न हुई। बिल्हौर थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

सिधौली में रंजिश में डेयरी के संचालक की गोली मारकर हत्या

जन एक्सप्रेस। सीतापुर

डेयरी संचालक राहुल कुमार की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। लखनऊ में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने रंजिश के चलते हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। सदरापुर गांव निवासी अनुपम यादव के अनुसार उनके भाई राहुल कुमार (26) सिधौली कस्बे में महमूदाबाद चौराहे पर काव्या दूध डेयरी चलाते हैं। रोज वह दुकान बंदकर रात में घर आ जाते थे। शनिवार को जब वह नहीं लौटे तो परिजनों ने मोबाइल मिलाया।

लेकिन रिंग जाने के बाद भी फोन नहीं उठा। परिजन राहुल की तलाश के लिए निकल पड़े। खोजते-खोजते सरवा हरदोइया मार्ग के कोनहापुर मोड़ के निकट राहुल खून से लथपथ पड़े मिले। पास में ही बाइक भी पड़ी हुई थी। परिजन उन्हें लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, जहां से लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ में इलाज के दौरान राहुल की मौत हो गई।

बिल्हौर से मंधना तक मिशन-2027 की गूंज

- शिवपाल सिंह यादव ने संगठन को दी धार, युवाओं को समाज सेवा से जुड़ने का संदेश

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिठूर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव का रविवार का दौरा बिल्हौर विधानसभा में मिशन-2027 की तैयारियों को नई दिशा देता नजर आया।

ब्लॉक शिवराजपुर की ऐतिहासिक धरती पर सपा नेताओं-कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत कर चुनावी अभियान को मजबूती देने का संकल्प लिया।

इसके बाद वह मंधना में सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के आवास पर पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने सपा के छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिओम पांडे के परिवार से मुलाकात की।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शिवपाल सिंह यादव ने स्पष्ट किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव की मजबूत नींव त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों से ही रखी जाएगी। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने,

जनसंपर्क बढ़ाने और स्थानीय समस्याओं को जनता के बीच प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के आयोजक विनय कोरी ने कहा कि शिवपाल सिंह यादव का मार्गदर्शन संगठन में नई ऊर्जा और स्पष्ट रणनीति लेकर आया है, जिससे बिल्हौर विधानसभा में पार्टी को निर्णायक बढ़त मिलने की उम्मीद है।

मंधना में राजनीतिक संवाद के साथ समाज सेवा का संदेश - इससे पूर्व रविवार सुबह शिवपाल सिंह यादव मंधना में समाजवादी पार्टी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिओम पांडेय के आवास पहुंचे।

उन्होंने परिवारजनों से मुलाकात कर समाजसेवी आयुष पांडेय को आशीर्वाद दिया और युवाओं को राजनीति के साथ समाज सेवा को जोड़ने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि सकारात्मक राजनीति वही है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही मजबूत लोकतंत्र की नींव रखी जा सकती है।कार्यकर्ताओं की रही बड़ी मौजूदगी ,स्वागत कार्यक्रम में नीशू यादव (नगर अध्यक्ष,

शिवराजपुर) के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान समाजसेवी आयुष पांडे, ऋषभ यादव (राष्ट्रीय सचिव, समाजवादी लोहिया वाहिनी), आशीष चौबे, रचना सिंह,

विनय यादव, निखिल यादव, दीपक यादव, सोनू दीक्षित, संजय कुशवाहा सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उप-निबंधन कार्यालय स्थानांतरण के विरोध में अधिवक्ताओं का आंदोलन चौथे दिन भी जारी

- कलमबंद हड़ताल से ठप रहा कामकाज, सड़क पर उतरकर किया जोरदार प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

बिल्हौर तहसील से उप-निबंधन कार्यालय के प्रस्तावित स्थानांतरण के विरोध में अधिवक्ताओं का आंदोलन लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। सोमवार को बार एसोसिएशन और लायर्स एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओं ने संयुक्त रूप से रजिस्ट्रार कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया और सड़क पर उतरकर नारेबाजी की। इस दौरान कलमबंद हड़ताल जारी रहने से उप-निबंधन कार्यालय सहित संबंधित विभागों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा।अधिवक्ताओं का कहना है कि तहसील परिसर में पहले से ही ग्राम न्यायालय, उपजिलाधिकारी न्यायालय, तहसीलदार न्यायालय और कोतवाली जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। इसके बावजूद उप-निबंधन कार्यालय को तहसील परिसर से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थानांतरित करने का प्रस्ताव जनहित और न्यायिक सुविधा–दोनों के विपरीत है।

तहसील परिसर में ही बने नया भवन–अधिवक्ताओं की दो टूक मांग

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रजेश कटियार ने बताया कि प्रस्ताव के अनुसार कोतवाली को भी शीघ्र ही तहसील परिसर से बाहर स्थानांतरित करने की योजना है, जबकि ग्राम न्यायालय के लिए खजूरी क्षेत्र में लगभग तीन किलोमीटर दूर भूमि चिन्हित की गई है। उन्होंने कहा कि जब तहसील परिसर में पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध है, तो उप-निबंधन कार्यालय को अन्यत्र ले जाना आम जनता और अधिवक्ताओं–दोनों के लिए भारी असुविधा पैदा करेगा।लायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण कटियार ने कहा कि जिस भूमि पर नए उप-निबंधन कार्यालय के निर्माण का प्रस्ताव है, वह जंगल क्षेत्र में स्थित है। ग्रामीण इलाकों में भूमि क्रय-विक्रय के दौरान नगद लेन-देन आम है, ऐसे में उस क्षेत्र में आवागमन आम लोगों की सुरक्षा के लिए जोखिम भरा हो सकता है।महामंत्री राजीव कटियार ने आशंका जताई कि कार्यालय के स्थानांतरण से आपराधिक घटनाओं की संभावना बढ़ सकती है, जिसका सीधा असर ग्रामीण जनता पर पड़ेगा। बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री अमित श्रीवास्तव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक प्रशासन तहसील परिसर में ही उप-निबंधन कार्यालय के निर्माण का निर्णय नहीं लेता, तब तक अधिवक्ताओं का धरना-प्रदर्शन और कलमबंद हड़ताल जारी रहेगी।

आंदोलन और तेज करने की चेतावनी

जानकारी के अनुसार, नए उप-निबंधन कार्यालय के लिए उत्तरीपुरा, मकान पूर्वा और मुरादनगर की भूमि का निरीक्षण किया गया था,

जिसमें अंततः मुरादनगर की भूमि का चयन किया गया। इसी निर्णय के विरोध में अधिवक्ताओं ने आंदोलन को और तेज कर दिया है। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि स्थानांतरण का निर्णय वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा धरना-प्रदर्शन में महामंत्री राजीव कटियार, सौरभ कटियार, महेंद्र त्रिवेदी, रविनेश यादव, बोधराज भदौरिया, अजीत सिंह, राजकुमार भदौरिया, आलोक मिश्रा उर्फ टुन्नू, शिवाकांत पाल, नरेंद्र यादव, धीरेंद्र सिंह, लक्ष्मीकांत त्रिवेदी, महेंद्र कुशवाह, अभिषेक पांडेय,अमित श्रीवास्तव गौरव तिवारी, अमित तिवारी, जगत यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। वहीं इस संबंध में उपजिलाधिकारी संजीव कुमार दीक्षित ने बताया कि नए उप-निबंधन कार्यालय के लिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है और अधिवक्ताओं द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर भी गंभीरता से विचार किया जाएगा।

ऋषि श्रंगी घाट पर हंगामा, पुजारी से झगड़ा करते युवक को पुलिस ने दबोचा

- शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका पर बिल्हौर पुलिस की त्वरित कार्रवाई, 170 बीएनएस में चालान

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

थाना बिल्हौर क्षेत्र के ऋषि श्रंगी घाट, असनी निवादा में मंदिर के पुजारी से झगड़ा कर शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश कर रहे युवक को पुलिस ने तत्काल हिरासत में ले लिया। पुलिस की समय पर कार्रवाई से मौके पर बड़ा विवाद टल गया।पुलिस के अनुसार 01 दिसंबर 2025 को पीआरवी-4811 से सूचना प्राप्त हुई कि असनी निवादा निवासी रामू पुत्र सुवेदार सिंह मंदिर के पुजारी सरस्वती जी महाराज (प्रतापगंज) के साथ मारपीट व विवाद पर आमादा है।

सूचना पर उपनिरीक्षक बीरेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, जहां आरोपी उग्र अवस्था में पुजारी से झगड़ता मिला। पुलिस द्वारा समझाने के बावजूद आरोपी शांत नहीं हुआ और फसाद पर उतर आया, जिससे क्षेत्र की कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बन गई।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरोपी को कारण बताकर हिरासत में लिया और उसके विरुद्ध धारा 170 बीएनएस के अंतर्गत चालान की कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि आरोपी को माननीय कार्यपालक मजिस्ट्रेट / सहायक पुलिस आयुक्त, बिल्हौर के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण

नाम= रामू पुत्र सुवेदार सिंह, उम्र= लगभग 32 वर्ष ,निवासी= ग्राम असनी निवादा, थाना बिल्हौर, कानपुर नगर

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में

उपनिरीक्षक बीरेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक संदीप सिंह वही थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सरोज ने दो टूक कहा है कि शांति भंग करने या धार्मिक स्थलों पर अशांति फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी, और कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सरकारी क्रय केंद्र बने शोपीस, औने-पौने दामों पर फसल बेचने को मजबूर किसान

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

सरकारी क्रय केंद्रों पर फसल खरीद के सरकारी दावे बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं। समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने सोमवार को क्षेत्र के केंद्र खरगपुर सहित विभिन्न सरकारी क्रय केंद्रों का निरीक्षण कर किसानों की जमीनी हकीकत जानी। निरीक्षण के दौरान सामने आया कि अधिकांश क्रय केंद्र केवल कागजों में संचालित हैं, जबकि किसानों की फसल की कहीं भी खरीद नहीं हो रही।क्रय केंद्रों पर न तो तौल की व्यवस्था दिखी और न ही खरीद से जुड़ा कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद रहा। मजबूरन किसान अपनी उपज निजी आढ़तों पर बेहद कम दामों में बेचने को विवश हैं, जहां बिचौलिये खुलेआम मुनाफाखोरी कर रहे हैं। किसानों ने बताया कि धान की फसल लगभग 1600 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास बेचने की मजबूरी है, जबकि भुगतान के लिए भी उन्हें महीनों तक भटकना पड़ता है। उर्वरक संकट ने बढ़ाई किसानों की परेशानी, निरीक्षण के दौरान रबी फसलों के लिए उर्वरक की भारी किल्लत भी उजागर हुई। किसान सुबह से कड़ाके की ठंड में सहकारी समितियों और सरकारी केंद्रों पर लाइन लगाते हैं, लेकिन खाद उपलब्ध न होने के कारण निराश होकर लौट जाते हैं। वहीं निजी दुकानों पर वही खाद मनमाने और महंगे दामों पर आसानी से उपलब्ध है, जिससे किसानों का आर्थिक शोषण हो रहा है। सरकारी दावों पर उठे सवाल, विनय यादव ने कहा कि भाजपा सरकार खुद को किसान-हितैषी बताती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। दस वर्षों से केंद्र और नौ वर्षों से प्रदेश में सरकार होने के बावजूद किसान आज भी अपनी फसल का उचित मूल्य पाने से वंचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि तहसील स्तर पर खरीद में भारी अनियमितताएं हैं और बाहर से धान मंगाकर खरीदफरोख्त की जा रही है। एक सप्ताह का अल्टीमेटम, विनय यादव ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर सरकारी क्रय केंद्रों पर फसल की खरीद शुरू नहीं हुई और उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की गई।

 पढ़ें पेज 12 पर...

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

कार्य स्थल पर तनाव का बढ़ता संकट

भारत की कार्य-संस्कृति स्वभावतः विविध है- बड़ी कंपनियों से लेकर छोटे स्टार्टअप, औपचारिक क्षेत्रों से लेकर लाखों अनौपचारिक और गिग वर्कर तक-सभी की कार्य-जरूरतें अलग-अलग हैं। एक समान नियम सभी क्षेत्रों पर लागू करना व्यवहारिक चुनौती बन सकता है। विशेषकर लघु व मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) में, जहाँ कर्मचारियों की संख्या कम और कार्य का बोझ अधिक होता है, बिल को लागू करना नियोक्ता के लिए कठिन हो सकता है। सबसे बड़ी जटिलता भारत के आईटी क्षेत्र में उभरती है, जहाँ अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के कारण समय-सीमाएँ वैश्विक होती हैं।

भारत जिस तेज़ी से डिजिटल कार्य-संस्कृति की ओर बढ़ा है, उतनी ही तेज़ी से कर्मचारियों पर कार्य-संबंधी तनाव का बोझ भी बढ़ा है। स्मार्टफोन, ईमेल, टीम कम्युनिकेशन ऐप्स और वर्क-फ्रॉम-होम मॉडल ने कार्य और निजी जीवन की रेखा लगभग मिटा दी है। इसी संदर्भ में प्रस्तावित 'राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025' न केवल कानूनी प्रयास है, बल्कि आधुनिक कार्य-संस्कृति के लिए भावी नैतिक व्यवस्था भी। इस बिल का मूल उद्देश्य सरल है- कर्मचारी को उसके कार्य समय के बाद डिजिटल तरीकों से काम से जोड़ने की बाध्यता को सीमित करना। किन्तु भारत जैसा विशाल, विविध और प्रतिस्पर्धी श्रम-परिदृश्य इस अधिकार के वास्तविक क्रियान्वयन को जटिल बनाता है। दरअसल, आज की कार्यशैली 'ऑलवेज ऑन' मानसिकता पर आधारित है, जहाँ यह मान लिया जाता है कि कर्मचारी हमेशा उपलब्ध रहेंगे। पहले काम कार्यालय के दरवाज़े पर रुक जाता था; अब काम जेब में रखा मोबाइल बन गया है- हर पल साथ, हर पल सक्रिय। इस मनोवैज्ञानिक दबाव ने कर्मचारियों के तनाव स्तर, नींद की गुणवत्ता, पारिवारिक संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। कई अंतरराष्ट्रीय सर्वे बताते हैं कि लगातार डिजिटल उपलब्धता से बर्नआउट की दर तेज़ी से बढ़ती है और भारत जैसे देशों में यह प्रभाव अधिक तीव्र दिखाई देता है क्योंकि यहाँ कार्य-संस्कृति में 'अधिक काम करना' अक्सर 'अच्छा कर्मचारी' होने का पर्याय मान लिया गया है। राइट टू डिसकनेक्ट इसी असंतुलन को सुधारने का नैतिक और कानूनी प्रयास है। यह बिल कर्मचारियों को यह अधिकार देता है कि वे निर्धारित कार्य समय के बाद ईमेल, संदेश या कॉल का उत्तर देने के लिए बाध्य न हों। यह अवधारणा कई यूरोपीय देशों में कानूनी हकीकत बन चुकी है और इससे सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं- उच्च उत्पादकता, संतुलित मानसिक स्वास्थ्य और कम कर्मचारी पलायन। भारत में भी यह कदम कर्मचारी कल्याण के लिए महत्वपूर्ण आधार बना सकता है। इस अधिकार का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा है। लगातार जुड़े रहने से मस्तिष्क को विश्राम नहीं मिल पाता, जिससे तनाव हार्मोन लगातार सक्रिय रहते हैं। अनेक अध्ययनों में पाया गया है कि डिजिटल अधिभार के कारण नींद की गुणवत्ता घटती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और दीर्घकालीन स्वास्थ्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। भारत के आईटी और बीपीओ क्षेत्र में विशेष रूप से यह समस्या गहरी है, जहाँ समय-क्षेत्र (टाइम जोन) आधारित काम की प्रकृति के कारण कर्मचारी अक्सर देर रात तक उपलब्ध रहने को मजबूर होते हैं। यदि इस बिल को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तो यह मानसिक शांति, व्यक्तिगत समय और पारिवारिक जीवन को संरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम होगा। कार्य-जीवन संतुलन इस बिल की दूसरी सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती है। भारत की युवा कार्यशक्ति अत्यधिक महत्वाकांक्षी है, परंतु अनियंत्रित कार्य-समय उसके व्यक्तिगत विकास, सामाजिक संबंधों और शारीरिक स्वास्थ्य को क्षति पहुँचा रहा है। 'राइट टू डिसकनेक्ट' कर्मचारियों को यह सुरक्षा देता है कि उनके पास अपने लिए सुरक्षित समय होगा, जो किसी भी आधुनिक समाज की उत्पादक क्षमता के लिए बुनियादी शर्त है। विश्राम पाकर कर्मचारी केवल खुश नहीं होते बल्कि अधिक रचनात्मक, अधिक सतर्क और अधिक उत्पादक भी बनते हैं। कानूनी दृष्टि से यह बिल एक महत्वपूर्ण शून्य को भरता है। भारत के मौजूदा श्रम कानून अभी तक डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हैं। इस बिल के लागू होने से एक औपचारिक ढाँचा तैयार होगा, जिसमें यह स्पष्ट हो पाएगा कि नियोक्ता की अपेक्षाएँ कार्य-समय के बाहर कितनी वैध हैं।

एक्सप्रेस आलेख

बाबरी मस्जिद के नाम पर करोड़ों का चंदा, चाहे स्थानीय हो या अंतरराष्ट्रीय, इसका प्रतीक है। यह दर्शाता है कि धार्मिक प्रतीकों के माध्यम से राजनीतिक संदेश फैलाने की प्रक्रिया अब भी सक्रिय है। समाज और नीति-निर्माताओं को राजनीतिक इस्लाम, जिहाद के सिद्धांत, इतिहास और आधुनिक प्रक्रियाओं को समझना होगा। शिक्षण संस्थाओं में इतिहास और समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम में इनका समावेश आवश्यक है। वास्तविकता को समझे बिना सुरक्षा और सामाजिक सामंजस्य बनाए रखना मुश्किल होगा। अंततः राजनीतिक इस्लाम और जिहाद को हल्के में लेना भारत के सामाजिक-राजनीतिक ताने-बाने के लिए खतरनाक हो सकता है।

बाबरी मस्जिद के नाम पर मिलते करोड़ों के चंदे का नैरेटिव

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इतिहास भी इस तथ्य की पुष्टि करता है। सिंध पर मुहम्मद बिन कासिम के आक्रमण से लेकर दिल्ली सल्तनत और मुग़ल साम्राज्य तक, भारत में जिहाद लगातार दिखाई देता है। बीसवीं सदी में मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन और विभाजन की राजनीति में भी यही प्रवृत्ति रही। हिंसा, धमकी और दबाव- सभी जिहाद के औजार रहे हैं। आज भारत में राजनीतिक इस्लाम केवल हिंसा या आतंकी गतिविधियों तक सीमित नहीं है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबर के नाम पर बन रही मस्जिद के लिए अब तक 2.4 करोड़ रुपए जुटाए जा चुके हैं। यह रकम केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि देश-विदेश से भी आ रही है। यह तथ्य केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी गंभीर सवाल खड़े करता है। बाबरी मस्जिद का मामला हमेशा संवेदनशील रहा है। अब उसी नाम और प्रतीक के माध्यम से फिर से व्यापक समर्थन जुटाया जा रहा है, यह संकेत देता है कि राजनीतिक इस्लाम अपने उद्देश्य में लगातार सक्रिय है। जिहाद, राजनीतिक इस्लाम की नींव है। यह सिद्धांत दुनिया को दो हिस्सों में बांटता है- मुस्लिम और गैर-मुस्लिम। इसी आधार पर दारुल-इस्लाम और दारुल-हरब की अवधारणाएँ बनीं, जहाँ मुस्लिमों और गैर-मुस्लिमों के लिए अलग शासन और नियम तय होते हैं। यही दोहरी नैतिकता राजनीतिक इस्लाम की पहचान है। कुरान, हदीस और सीरा- तीनों में इस दोहरी नैतिकता की बार-बार पुष्टि होती है। मुहम्मद ने कहा था कि 'सारी दुनिया केवल मुसलमानों के लिए है; तुम सुरक्षित रहोगे, अगर इस्लाम स्वीकार कर लो' (सहीह बुखारी, 4:53:392)। इसका मतलब यह नहीं कि केवल आस्था का प्रश्न है बल्कि यह राजनीतिक और वैचारिक नियंत्रण का संदेश है। गैर-मुस्लिम समुदाय की परंपराओं को शिर्क और बुतपरस्ती के रूप में देखा गया और उसे समाप्त करने के लिए जिहाद को आवश्यक बताया गया। जिहाद केवल हिंसा का नाम नहीं है। यह संघर्ष का व्यापक स्वरूप है। इसका उद्देश्य केवल हथियार उठाना नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी ढांचे पर धीरे-धीरे नियंत्रण स्थापित करना भी है। उदाहरण के तौर पर- सड़क या सार्वजनिक स्थानों में नमाज, मंदिरों और धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति, हलाल भोजन की मांग, शादी और पारिवारिक मामलों में धार्मिक दबाव, शरिया आधारित विवाद निपटान की मांग- ये सभी अहिंसक जिहाद के स्वरूप हैं। हिंसक और अहिंसक, सीधे और छल-कपट के माध्यम से जिहाद चलता रहता है। सहीह बुखारी और कुरान के आंकड़े बताते हैं कि जिहाद का अधिकांश उल्लेख हथियारबंद संघर्ष से जुड़ा है। कुरान का नौवां अध्याय (अल-बारा) और आयतें 9:5, 9:29, 9:41, 9:73, 9:123- सभी स्पष्ट रूप से युद्ध के निर्देश देती हैं। यहां स्पष्ट रूप से दिखता है कि राजनीतिक इस्लाम का लक्ष्य केवल धर्मातरण नहीं बल्कि नियंत्रण और सत्ता स्थापित करना है। इतिहास भी इस तथ्य की पुष्टि करता है। सिंध पर मुहम्मद बिन कासिम के आक्रमण से लेकर दिल्ली सल्तनत और मुग़ल साम्राज्य तक, भारत में जिहाद लगातार दिखाई देता है। बीसवीं सदी में मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन और विभाजन की राजनीति में भी यही प्रवृत्ति रही। हिंसा, धमकी और दबाव- सभी जिहाद के औजार रहे हैं। आज भारत में राजनीतिक इस्लाम केवल हिंसा या आतंकी गतिविधियों तक सीमित नहीं है। यह न्यायालयों पर दबाव, सार्वजनिक प्रदर्शन, धार्मिक मांगें, हलाल और शरीयत आधारित कानूनों की मांग, राष्ट्रीय प्रतीकों की अवमानना, शिक्षा और सामाजिक व्यवहार पर प्रभाव- सभी के माध्यम से भी सक्रिय है। यह एक दीर्घकालिक और सतत प्रक्रिया है जिसे केवल 'धार्मिक आस्था' कहकर हल्के में नहीं लिया जा सकता। इतिहास और ग्रंथ-साक्ष्य से स्पष्ट है कि जिहाद की सफलता तीन स्तंभों पर आधारित रही- दोहरी नैतिकता, समर्पण की मांग और हिंसा या दबाव का निरंतर प्रयोग। मुहम्मद के समय व्यापारी कारवां पर हमले और लूटे गए माल का वितरण, अनुयायियों की संख्या बढ़ाने के लिए रणनीतिक उपाय थे। यह प्रक्रिया समय के साथ विकसित हुई और राजनीतिक इस्लाम की सफलता का आधार बनी। वर्तमान में भारत में इस मुद्दे पर अकादमिक और सार्वजनिक विमर्श की कमी है। पाठ्यक्रमों में इस्लामी आक्रमणों, जनसंख्या परिवर्तन और सांस्कृतिक ध्वंस का कोई विस्तृत उल्लेख नहीं होता। इसका परिणाम यह है कि समाज असावधान रहता है और राजनीतिक इस्लाम की प्रक्रिया को समझने में असमर्थ रहता है। इसके अलावा, जब गैर-मुस्लिम समुदाय जिहाद पर चर्चा करने या उसका विश्लेषण करने से डरता है, तब राजनीतिक इस्लाम और अधिक सशक्त होता है। यह 'गलत व्याख्या' या 'अत्यधिक प्रचार' के बहाने इतिहास और सिद्धांत की वास्तविकताओं से आँखें मोड़ने जैसा है। भारत के संदर्भ में जिहाद केवल धार्मिक गतिविधि नहीं बल्कि व्यापक राजनीतिक और सामाजिक प्रक्रिया का हिस्सा है। बाबरी मस्जिद के नाम पर करोड़ों का चंदा, चाहे स्थानीय हो या अंतरराष्ट्रीय, इसका प्रतीक है। यह दर्शाता है कि धार्मिक प्रतीकों के माध्यम से राजनीतिक संदेश फैलाने की प्रक्रिया अब भी सक्रिय है। समाधान केवल सुरक्षा या कानूनी उपायों में नहीं है। समाज और नीति-निर्माताओं को राजनीतिक इस्लाम, जिहाद के सिद्धांत, इतिहास और आधुनिक प्रक्रियाओं को समझना होगा। शिक्षण संस्थाओं में इतिहास और समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम में इनका समावेश आवश्यक है। वास्तविकता को समझे बिना सुरक्षा और सामाजिक सामंजस्य बनाए रखना मुश्किल होगा। अंततः राजनीतिक इस्लाम और जिहाद को हल्के में लेना भारत के सामाजिक-राजनीतिक ताने-बाने के लिए खतरनाक हो सकता है। यह केवल धार्मिक भावनाओं का प्रश्न नहीं है बल्कि वैचारिक, राजनीतिक और वैश्विक रणनीति का हिस्सा है। इसलिए, अध्ययन, जागरूकता और सार्वजनिक विमर्श ही इस चुनौती का स्थायी समाधान हो सकता है।

यह केवल धार्मिक भावनाओं का प्रश्न नहीं है बल्कि वैचारिक, राजनीतिक और वैश्विक रणनीति का हिस्सा है। इसलिए, अध्ययन, जागरूकता और सार्वजनिक विमर्श ही इस चुनौती का स्थायी समाधान हो सकता है।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे है या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे है, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	द्वादशी 23:57 तक
नक्षत्रः	स्वाति 14:03 तक
पक्षः	कृष्ण
वारः	मंगलवार
योगः	अतिगंदा, 13:20
सूर्योदयः	07:11
सूर्यास्तः	17:22
चंद्रमाः	तुला राशि में
राहुकालः	14:49-16:05
विक्रमी संवत्ः	2082
शक सम्वतः	1947
मासः	पौष
शुभ मुहूर्तः	11:56-12:37

जन एक्सप्रेस

नए चौधरी आए !

गए पुराने चौधरी ।
नए चौधरी आए ।।
कार्यकर्ता उनके ।
फूले नहीं समाए ।।
धीरे धीरे ही सही ।
हो गया बदलाव ।।
पहुंच ही जाना है ।
आगे अहम पड़ाव ।।
सोच समझकर आखिरकार ।
मैदान दिया उतार ।।
और कई चेहरे ।
थे लगे कतार ।।
दे दिया है पद ।
बढ़ी जिम्मेदारी ।।
होगा शुरु हलचल ।
आगे की तैयारी ।।

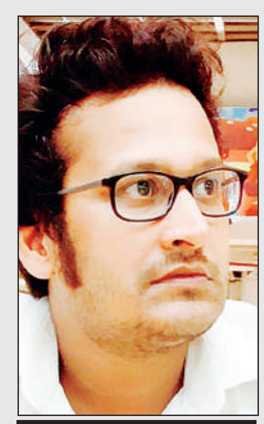

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

सर्दियों में रोज पिएं धनिया का पानी

सर्दियों में जैसे ही ठंड बढ़ती है, वैसे ही हमारी खानपान की आदतें भी बदलने लगती हैं। गर्म चीज की चाह बढ़ जाती है और ठंडी तासीर वाले फूड्स से लोग दूरी बनाने लगते हैं। ऐसे में एक सवाल अक्सर उठता है कि क्या सर्दियों में धनिया पानी पीना सही है? क्योंकि आमतौर पर धनिया पानी को गर्मियों का हेल्दी ड्रिंक माना जाता है, जो शरीर को ठंडक देता है और पाचन को दुरुस्त रखता है लेकिन जब मौसम ठंडा हो और सर्दी-जुकाम का डर बना रहता हो, तब लोग इसके सेवन को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं। आयुर्वेदिक डॉक्टर श्रेय शर्मा बताते हैं कि धनिया का स्वभाव शीत वीर्य यानी ठंडक देने वाला माना जाता है। इसी वजह से लोग सर्दियों में इसके सेवन से डरते हैं। लेकिन आयुर्वेद सिर्फ वीर्य के आधार पर किसी चीज को नहीं आंकता। धनिया भले ही शीतल हो, लेकिन यह अग्निदीपक है, यानी पाचन अग्नि को बढ़ाने का काम करता है। यही कारण है कि सही मात्रा और सही तरीके से लिया जाए तो धनिया पानी सर्दियों में भी सुरक्षित माना जाता है।

त्रिदोषहर है धनिया पानी: आयुर्वेद की दृष्टि से धनिया पानी को त्रिदोषहर माना जाता है, यानी यह वात, पित्त और कफ, तीनों दोषों को संतुलित करने में मदद करता है। सर्दियों में आमतौर पर कफ दोष बढ़ जाता है, जिससे सर्दी-जुकाम, बलगम और सुस्ती की समस्या होती है। सीमित मात्रा में लिया गया धनिया पानी कफ को कंट्रोल करने में सहायक हो सकता है, बशर्ते व्यक्ति को पहले से कोई कफजन्य समस्या न हो।

किन लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए?: आयुर्वेदिक डॉक्टर श्रेय शर्मा स्पष्ट रूप से कहते हैं कि अगर किसी व्यक्ति को नजला-जुकाम, सर्दी, खांसी या बुखार हो, तो उसे धनिया पानी के सेवन से कुछ समय के लिए परहेज करना चाहिए। ऐसे समय में शरीर पहले से ही कफ से प्रभावित होता है और शीतल गुण वाला पदार्थ समस्या को बढ़ा सकता है। इसके अलावा जिन लोगों का शरीर बहुत ठंडा रहता है या जिन्हें बार-बार सर्दी लगती है, उन्हें भी डॉक्टर की सलाह से ही धनिया पानी पीना चाहिए।

निष्कर्षः सर्दियों में रोज धनिया पानी पीना पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन यह हर व्यक्ति के लिए जरूरी या फायदेमंद हो, ऐसा भी नहीं कहा जा सकता। आयुर्वेदिक डॉक्टर श्रेय शर्मा के अनुसार धनिया भले ही शीत वीर्य का हो, लेकिन अग्निदीपक और त्रिदोषहर होने के कारण सही स्थिति में इसका सेवन किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि किसी भी घरेलू उपाय को ट्रेंड के रूप में नहीं, बल्कि अपनी शरीर की जरूरत और विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार अपनाया जाए।

एक्सप्रेस विशेष

लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव

योगेश कुमार गोयल

सरदार पटेल की सादगी, सहज स्वभाव और नम्रता का कायल हो गया और उसने असेम्बली की कार्रवाई के बाद सरदार पटेल से क्षमायाचना की। एकीकृत भारत की निर्माता यह महान् शख्सियत 15 दिसम्बर 1950 को चिरनिद्रा में लीन हो गई।

राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद के किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिश को नाकाम करते हुए बड़ी कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और प्रथम उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा।

अगले दिन जब असेंबली की बैठक हुई तो वह अंग्रेज दम्पत्ति लेजिस्लेटिव असेंबली की कार्रवाई देखने के लिए दर्शक दीर्घा में पहुंचा और सभापति के आसन पर बढ़ी हुई दाढ़ी तथा सादे वस्त्रों वाले उसी शख्स को देखकर दंग रह गया। वह मन ही मन ग्लानि से भर उठा कि जिस शख्स को चपरासी समझकर उन्होंने उसे असेम्बली घुमाने के लिए कहा, वो कोई और नहीं बल्कि खुद इस असेंबली के अध्यक्ष हैं।

सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधीजी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं। एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा-सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की एकाग्रता और तन्मयता देख कर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया। वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विठ्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विठ्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। वल्लभ भाई पटेल ने बड़े भाई के निर्णय का सम्मान करते हुए न केवल बड़े भाई को अपना पासपोर्ट और टिकट दे दिया बल्कि इंग्लैंड में रहने के लिए उन्हें कुछ धनराशि भी भेजी। सरदार पटेल का जीवन कितना सादगीपूर्ण था और उनका स्वभाव कितना सहज तथा नम्र था, यह इस किस्से से आसानी से समझा जा सकता है। सरदार पटेल उन दिनों भारतीय लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष थे। असेंबली के कार्यों से निवृत्त होकर एक दिन जब वे घर के लिए निकल ही रहे थे, तभी एक अंग्रेज दम्पत्ति वहां पहुंचा, जो विदेश से भारत घूमने के लिए आया था। सरदार पटेल सादे वस्त्रों में रहते थे और उन दिनों उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। अंग्रेज दम्पत्ति ने इस वेश में देखकर उन्हें वहां का चपरासी समझ लिया और असेंबली में घुमाने के लिए कहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक- मनोज तिवारी, सह-संपादकः इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)

पीलीभीत की विशेष पहचान और लोक संस्कृति इतनी प्रभावशाली

कि एक बार आने वाला फिर लौटने का विचार नहीं करता- संजय सिंह गंगवार

- पीलीभीत आज कई मायनों में बरेली से आगे, विश्व की प्रथम फैक्ट्री भी पीलीभीत में स्थापित होने जा रही है- राज्य मंत्री
- रोटरी मेला- सुर, हास्य और आत्मगौरव से सजी पीलीभीत की सांस्कृतिक पहचान

जन एक्सप्रेस। मुकेश कुमार

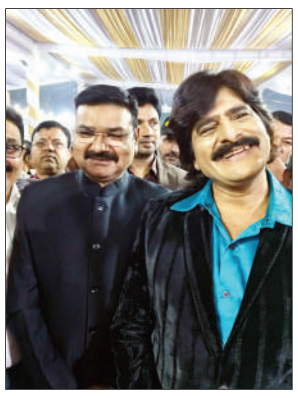

पीलीभीत। रोटरी शरद मेले का चौथा दिन पीलीभीत की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकजुटता और जीवंत मनोरंजन का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया। सिटी सिंगर्स क्लब के सदस्यों की सदाबहार गीतों से सजी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को संगीत के उस दौर में पहुंचा दिया, जहां सुरों में भाव, शब्दों में आत्मा और ताल में स्मृतियां बसती हैं। मंच से गूंजे गीतों ने न सिर्फ समय को बांध दिया, बल्कि दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान और दिलों में उत्साह भर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सिटी सिंगर्स क्लब के कलाकारों की प्रस्तुतियों से हुई। डॉ.प्रदीप ने आंखों में कयामत की लाली है गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। क्लब अध्यक्ष डॉ. मित्रा की मेरी उम्र के नौजवानों ने अनुभव और जोश का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। सचिव अमित शेखर ने सोचेंगे तुम्हें प्यार से माहौल को रोमांटिक बना दिया, जबकि संजीव सक्सेना की आया हूं मैं लेके ने दर्शकों की तालियां बटोरीं। डॉ. कंचन की पैसा ओ पैसा और ज्ञानेंद्र की तारा रा रा ने कार्यक्रम में ऊर्जा भर दी। रणजीत सहमी की दमादम मस्त कलंदर पर पूरा पंडाल झूम उठा। वहीं इंडियन आइडल फेम क्षितिज की दमदार प्रस्तुति ने संगीत संध्या को शिखर पर पहुंचा दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यमंत्री संजय गंगवार ने अपने उद्बोधन में पीलीभीत की खुले दिल से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पीलीभीत आज कई मायनों में बरेली से आगे है। जहां खमीर फैक्ट्री एशिया में प्रथम है, वहीं विश्व की प्रथम फैक्ट्री भी पीलीभीत में स्थापित होने जा रही है। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि जो एक बार पीलीभीत आता है, वह यहां की मिट्टी और लोगों की अपनापन भरी संस्कृति के कारण वापस जाना नहीं चाहता। मंच से हास्य कलाकार अहसान कुरैशी की ओर इशारा करते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब आप भी पीलीभीत में ही बस जाइए। इस पर अहसान कुरैशी ने भी चुटीले अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि बस मेरा राशन कार्ड और वोट बनवा दीजिए, आपकी एक वोट पक्की। इस संवाद ने पूरे पंडाल को ठहाकों से भर दिया। रोटरी मंडलाध्यक्ष राजन विद्यार्थी ने क्लब की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि पीलीभीत को रोटरी शहर के नाम से पहचाना जाना चाहिए।

हास्य कलाकार अहसान कुरैशी ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत दिवंगत राजू श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की।

इसके बाद उन्होंने सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय विषयों पर तीखे, लेकिन हास्य से भरे व्यंग्य प्रस्तुत किए। चीन और कोरोना जैसे विषयों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने जब कहा कि यहां मजहब नहीं, ईमान पढ़े जाते हैं, गीता और कुरान एक साथ पढ़े जाते हैं, तो पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। उनके व्यंग्य में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक चेतना और हास्य का अनोखा संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष डॉ. अनिल सक्सेना, मेला अध्यक्ष देवेश बंसल, अवधेश गुप्ता, रवि अग्रवाल, मीडिया प्रभारी एसपीएस संधू, परविंदर सहमी, कपीश अग्रवाल, ईश बंसल, देवेंद्र सिंह छाबड़ा सहित रोटरी क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। रोटरी मेले की सांस्कृतिक यात्रा यहीं नहीं थमी है। आज पंजाब के सुख रंधावा पार्टी द्वारा आकर्षक भांगड़ा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके संयोजक तारा सिंह, सरदार सिंह चावला और जी.एस. खेड़ा होंगे। रोटरी मेला एक बार फिर यह साबित कर रहा है कि पीलीभीत केवल भौगोलिक पहचान नहीं, बल्कि संगीत, हास्य, संस्कृति और आत्मगौरव की जीवंत मिसाल है।

अवैध खनन पर कार्रवाई करने पहुंचे खनन निरीक्षक पर हमला, सरकारी दस्तावेज फाड़े

- मुख्य आरोपी अरविंद गंगवार समेत एक अन्य अज्ञात पर मुकदमा, खनन माफिया से संबंध उजागर

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जनपद के थाना सुनगढ़ी क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंचे खनन निरीक्षक पर हमले का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए इस मामले में मुख्य आरोपी अरविंद गंगवार सहित एक अन्य अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, अभद्रता, मारपीट के प्रयास, सरकारी दस्तावेज फाड़ने, धमकी और अवैध खनन जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार खनन निरीक्षक सुभाष सिंह सोमवार को ग्राम भिलईया खेड़ा में अवैध खनन की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर उन्होंने अपनी टीम के साथ मौके पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान टीम ने एक स्वराज ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक जेसीबी मशीन को मौके से जब्त कर लिया। हालांकि कार्रवाई की भनक लगते ही खनन माफिया के 8 से 10 ट्रैक्टर और एक अन्य जेसीबी मशीन मौके से फरार हो गए।

सरकारी टीम का रास्ता रोककर की अभद्रता

जब खनन निरीक्षक और उनकी टीम जब्त वाहन को लेकर वापस लौट रही थी, तभी रास्ते में एक सिल्वर रंग की होंडा अमेज कार ने सरकारी वाहन का रास्ता रोक लिया। कार में सवार अरविंद गंगवार निवासी बिहारीपुर कुमरिया, थाना बीसलपुर ने खनन निरीक्षक सुभाष सिंह और उनकी टीम के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और मारपीट का प्रयास किया। आरोप है कि अरविंद गंगवार ने खनन निरीक्षक के हाथ से सुपुर्दगीनामा छीन लिया और उसे फाड़ दिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने टीम को जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, तलाश जारी

घटना की सूचना मिलते ही थाना सुनगढ़ी प्रभारी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी अरविंद गंगवार और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, सरकारी दस्तावेज नष्ट करने, मारपीट व धमकी देने और अवैध खनन से संबंधित गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी अरविंद गंगवार के खनन माफियाओं से संबंध हैं और उसके खिलाफ थाना गजरौला सहित अन्य थानों में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के साथ-साथ मौके से फरार ट्रैक्टरों और जेसीबी मशीनों की तलाश में दबिश दे रही है।

प्रशासन सख्त, अवैध खनन पर जारी रहेगा अभियान

इस घटना के बाद प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीमों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

दो छात्राओं को गन्ने खेत में घसीट कर युवकों ने किया गैंगरेप

जन एक्सप्रेस। सुनहरा

लखीमपुर खीरी। सोमवार सुबह कोचिंग के निकली दो छात्राओं संग सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताते चलें लखीमपुर बेहजम के बीच कैमासुर गांव के पास फरधान थाना क्षेत्र की घटना है। सूचना मिलने पर क्राइम ब्रांच के अलावा पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू आस पास लगे सीसी कैमरे भी खंगाले हैं। छात्राओं की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा कर लिया जाएगा। फरधान इलाके में सोमवार सुबह कोचिंग जा रही दो स्कूली छात्राओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म होने की सूचना से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने मौके पर जाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया है। दोनों छात्राएं एक ही गांव की हैं और कोचिंग जाने के लिए रोजाना की तरह एक साथ सोमवार सुबह घर से निकली थी। इस दौरान कैमासुर गांव के पास कुछ युवक उन्हें गन्ने के खेत में घसीट ले गए और सामूहिक दुष्कर्म कर फरार हो गए।

पीड़ित छात्राओं की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया।दोनो छात्राओं से पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है, जल्दी ही मुकदमा दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण प्रारंभ

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी। सोमवार को जिला ग्राम विकास संस्थान भंसारिया लखीमपुर में नव-नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 15 दिसम्बर 2025 से 08 फरवरी 2026 तक किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कुल 08 सत्रों में प्रस्तावित है, जिसके अंतर्गत 400 नव-नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों (देविका परियोजना) को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक सत्र की अवधि 07 दिवस निर्धारित है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पं0 दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम विकास संस्थान लखनऊ से नामित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रतिभागियों को पोषण, स्वच्छता, स्तनपान, बाल विकास एवं अन्य संबंधित विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र का उद्घाटन डॉ0 मनीष चन्द्रा जिला प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा किया गया तत्पश्चात श्याम किशोर वरिष्ठ प्रशिक्षक द्वारा कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन प्रमोद रस्तोगी जिला समन्वयक के सहयोग से किया जा रहा है, जनार्दन मिश्रा मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण कार्य में तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

निर्माणाधीन सड़ा पुलिया में गिरी डीसीएम, सरियों में फंसकर हेल्पर गंभीर घायल

सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के पीलीभीत माधोटांडा मार्ग पर हादसा, चालक मौके से फरार

कार्यदायी संस्था को दिए गए निर्देश

पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच के बाद संबंधित कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों को निर्माण स्थल पर तत्काल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसे दोबारा न हों। घटना ने एक बार फिर निर्माणाधीन सड़कों और पुलों पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को उजागर कर दिया है।

चालक मौके से फरार, तहरीर का इंतजार

हादसे के बाद डीसीएम चालक किसी तरह वाहन से बाहर निकलकर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। इंस्पेक्टर नरेश त्यागी ने बताया कि फिलहाल मामले में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में रोष देखा गया। सड़ा गांव के लोगों का कहना है कि पुलिया निर्माण कार्य करीब आठ माह पहले शुरू कराया गया था। बरसात के कारण कार्य बंद रहा और बाद में भी निर्माण की गति बेहद धीमी रही। आरोप है कि ठेकेदार की ओर से केवल एक तरफ मार्ग पर कैंप लगाकर रास्ता रोका गया है, जबकि पीलीभीत की ओर से आने वाले वाहनों के लिए कोई बैरियर, चेतावनी बोर्ड या संकेतक नहीं लगाए गए। ग्रामीणों का मानना है कि यदि सुरक्षा के इंतजाम होते तो यह हादसा टल सकता था।

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

पीलीभीत-माधोटांडा मार्ग पर सुनगढ़ी थाना क्षेत्र में रविवार रात एक बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन सड़ा नाला पुलिया के पास सुरक्षा इंतजाम न होने के कारण एक डीसीएम वाहन पुलिया के गहरे गड्ढे में जा गिरा और निर्माण कार्य में लगी लोहे की सरियों में फंसकर अटक गया। हादसे में डीसीएम का हेल्पर सरियों के बीच फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि चालक मौके से भाग निकला। हादसा रविवार रात करीब 10-30 बजे उस समय हुआ, जब डीसीएम पीलीभीत से माधोटांडा की ओर जा रही थी। निर्माणाधीन पुलिया के पास न तो कोई चेतावनी संकेतक लगे थे और न ही बैरियर या रिफ्लेक्टर। अंधेरे में चालक को आगे गहरा गड्ढा दिखाई नहीं दिया और वाहन सीधे पुल निर्माण स्थल में घुस गया। डीसीएम के गिरते ही आसपास के गांवों में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। हादसे के दौरान डीसीएम का हेल्पर लोहे की सरियों के बीच फंस गया। पैर में सरिया फंसने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और वाहन के अंदर ही तड़पता रहा। घटना की सूचना मिलते ही सुनगढ़ी थाना पुलिस, दमकल विभाग की टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। हालात की गंभीरता को देखते हुए दमकल कर्मियों ने वेल्डिंग मशीन की मदद से डीसीएम को काटा और काफी मशक्कत के बाद हेल्पर को बाहर निकाला। घायल को एंबुलेंस से तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार घायल की पहचान ओमकार (40) पुत्र निवासी ग्राम रतरनपुर, थाना न्यूरिया के रूप में हुई है। बताया गया कि वह चालक के साथ कलीनगर स्थित अपनी ससुराल जा रहा था।

बाल श्रम उन्मूलन अभियान में बड़ी कार्रवाई, चार बाल श्रमिक कराए गए मुक्त

- जिला प्रशासन के निर्देश पर शहर में चला संयुक्त रेस्क्यू अभियान

संयुक्त टीम रही मौजूद

इस संयुक्त अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकला, मीनाक्षी पाठक, संरक्षण अधिकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह, थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रभारी निरीक्षक गोविंद सिंह, कांस्टेबल अमित कुमार एवं महिला कांस्टेबल रीना सक्रिय रूप से शामिल रहीं।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में बाल श्रम के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जनपद में बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को बड़ी कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी के आदेश एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी के निर्देश पर 15 दिसंबर 2025 को शहर पीलीभीत में बाल श्रम उन्मूलन के लिए संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर चार बाल श्रमिकों को चिन्हित करते हुए बाल श्रम से मुक्त कराया गया। अभियान के अंतर्गत मैकेनिक शॉप, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, कपड़े की दुकानें, किराना स्टोर, स्टील वर्क्स सहित अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान चार बच्चे बाल श्रम में लिप्त पाए गए, जिन्हें तत्काल कार्य से मुक्त कराकर बाल कल्याण समिति, पीलीभीत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति द्वारा सभी बच्चों के परिजनों को भविष्य में बच्चों से बाल श्रम न कराने की सख्त हिदायत दी गई। समिति ने स्पष्ट किया कि बच्चों की पढ़ाई और संरक्षण उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके उपरांत सभी बाल श्रमिकों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के तहत खतरनाक प्रक्रियाओं में बाल श्रमिकों को नियोजित करने पर दोषी सेवायोजक को एक वर्ष तक की सजा, 50 हजार रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक बाल श्रमिक के लिए 20 हजार रुपये की वसूली चाइल्ड लेबर वेलफेयर फंड में अलग से की जाएगी। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई कि यदि किसी बाल श्रमिक के माता-पिता प्रथम बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद पुनः अपने बच्चों को व्यवसायिक कार्य में संलग्न कराते पाए गए, तो उनके विरुद्ध भी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

लखीमपुर खेल महोत्सव सीजन-2 का भव्य उद्घाटन

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

नगर पालिका परिषद एवं क्रीड़ा भारती के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे नौ दिवसीय ÷लखीमपुर खेल महोत्सव सीजन-2 का भव्य उद्घाटन दीप प्रज्वलन, तिरंगें गुब्बारों संग खेल महोत्सव के प्रतीक को उड़ाकर तथा कुश्ती के मैदान अर्थात रिंग का फीता काटकर किया गया।कचेहरी रोड स्थित नसीरुद्दीन मौजी स्मारक सभागार समीप स्थित गांधी मैदान (विलोबी मैदान) में मुख्य अतिथि सदर विधायक योगेश वर्मा, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ इरा श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी पवन कुमार गौतम, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार एवं आयोजकों द्वारा दीप प्रज्वलन, तिरंगें गुब्बारों संग खेल महोत्सव प्रतीक को उड़ाकर किया गया। इस अवसर पर मूक बधिर विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गीत, प्रयास संस्था द्वारा देश भक्ति गीत और स्वच्छता अभियान समर्पित लघु नाटिका तथा कुश्ती के रिंग अर्थात मैदान में मूक बधिर बच्चों की कुश्ती और क्रिकेट मैदान पर बालिकाओं की क्रिकेट प्रतियोगिता भी संपन्न हुई।लखीमपुर खेल महोत्सव सीजन-2 के उद्घाटन सत्र का सुव्यवस्थित संचालन समाजसेवी साहित्यकार राम मोहन गुप्त द्वारा किया गया। दर्शकों और खेल प्रेमियों से भरा पूरा मैदान मिनी स्टेडियम के रूप में नजर आ रहा था, जिसको सजाने संवारने में नगर पालिका अधिकारियों, कर्मचारियों सहित आयोजन में संयोजन की मुख्य भूमिका निभा रहे विधायक योगेश वर्मा, क्रीड़ा भारती के कपिल श्रीवास्तव, आशीष सिंह चौहान, कनिष्क बरनवाल, इंजीनियर दुर्गेश वर्मा आदि की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विभिन्न सभासद, समाज सेवी, अतिथि एवं भारी संख्या में दर्शक व खेल प्रेमी उपस्थित रहे। तत्पश्चात बालिका वर्ग के प्रथम मैच बालिका विद्या मंदिर और सी.वी. सिंह गौड के मध्य खेला गया। मैच बालिका विद्या मंदिर 10 विकेट से विजयी हुई। इस मैच में वूमेन ऑफ द मैच महक कौर, बेस्ट फील्डर रुची, बेस्ट बॉलर रागिनी को प्राप्त हुआ और वूमेन ऑफ द मैच का खिताब कोमल शर्मा को प्राप्त हुआ। दूसरा मैच बालिका वर्ग में डॉन वास?को और तो महीना विद्यालय के मध्य बिला गया जिस मैच को डॉन बहको ने 9 विकेट से जीत लिया जिसमे सर्वलेष्ठ गेवारत गौरी सिंह चौहान, सर्वश्रेष्ठ बल्लेगज खुशी, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक पीटू को दिया गया और वूमेन ऑफ द मैच का खिताब अस्मत को दिया गया।इलेवन बालक वर्ग में पहला मैच यश इलेवन और महेवा क्रिकेट टीम के मध्य विता गया जिस मैच को यश क्रिकेट क्लब ने 5 विकेट से जीत लिया जिसे सर्वश्रेष्ठ जेब गैरंवाल आयुध मिह तोमर, सर्वश्रेष्ठ उल्लेबाज राजुवेन्द्र, सर्वश्रेष्ठ दभेत्मक शमन को प्राप्त हुआ। मैन ऑफ द मैच का किताव हिमाशु को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी संजय कुमार, क्रीड़ा भारती के जिला अध्यक्ष कपिल श्रीवास्तव जो खेल महोत्सव के संयोजक आशीष सिंह चौहान, इंजी. दुर्गेश वर्मा एवं समस्त सभासद एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

भाकियू (टिकैत गुट) ने विरोध प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञाप

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर

सोमवार को तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी अजीत प्रताप सिंह को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा, जिसमें समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई।दिए गए ज्ञापन में वताया गया है कि किसानों ने धान खरीद केंद्रों पर अनियमितताओं का आरोप लगाया। उनका कहना था कि मंडी समिति और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित खरीद केंद्रों पर किसानों से सीधे धान नहीं खरीदा जा रहा है। इसके बजाय राइस मिलों को अनुचित लाभ पहुंचाया जा रहा है। किसानों ने बताया कि केवल अंगूठा लगवाकर सरकारी खरीद का लक्ष्य पूरा दिखाया जा रहा है, जबकि वास्तव में किसानों का धान नहीं खरीदा जा रहा। इस स्थिति के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और उन्हें अपना धान औने-पौने दामों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।इसके अतिरिक्त, ज्ञापन में सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं की गंभीर समस्या पर भी प्रकाश डाला गया। किसानों ने बताया कि इन पशुओं के कारण आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, जिनमें कई बार पशु और लोग घायल हो जाते हैं,आवारा पशु खेतों में घुसकर किसानों की फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे उनकी कड़ी मेहनत बर्बाद हो रही है।किसानों ने जंगली जानवरों की बढ़ती समस्या का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जंगल से निकलकर जंगली जानवर खेतों और गांवों की ओर आ रहे हैं, जिससे किसानों और ग्रामीणों की जान को खतरा बना हुआ है। इस डर के कारण कई किसान अपने खेतों में जाने से भी घबरा रहे हैं।भाकियू टिकैत गुट ने उपजिलाधिकारी से इन सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

गन्ने भरे ट्रक ने वाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। हजारा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में सम्पूर्णानगर चीनी मिल के एक कर्मचारी की मौत हो गई। शनिवार को ड्यूटी जाते समय गन्ने से भरे एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान गांव रामनगर निवासी रतेंद्र मौर्या पुत्र शिवमूरत मौर्या के रूप में हुई है।यह हादसा शांतिनगर स्थित चीनी मिल के पास हुआ। रतेंद्र मौर्या अपने गांव के गुड्डू गुप्ता के साथ बाइक पर सवार होकर चीनी मिल जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पीछे से आ रहे गन्ने से लदे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि रतेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। परिजन घायल रतेंद्र को तुरंत इलाज के लिए पलिया ले जा रहे थे, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।सूचना मिलने पर हजारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हजारा थाना अध्यक्ष ने मामले की पुष्टि की है और पुलिस ने ट्रक व उसके चालक के संबंध में जांच शुरू कर दी है।

मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत, छः घायल

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी। सोमवार शाम करीब चार बजे मितौली थाना क्षेत्रन्तर्गत कस्ता-भीखमपुर मार्ग पर लालपुर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। स्कूल से घर जा रही साइकिल सवार छात्रा को बचाने के प्रयास में दो बाइक अनियंत्रित हो गई, जिससे यह मार्ग दुर्घटना हुई। हादसे में बाइक पर सवार 25 वर्षीय मनदीप कुमार पुत्र मुल्ले की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर बैठे अनूप (25) एवं सालिक (45) गंभीर रूप से घायल हो गए।तथा कस्ता की तरफ जा रही दूसरी बाइक पर बैठे सरोज व उनकी पत्नी पूनम तथा जूली एवम 5 साल का बच्चा भी चोटिल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली भिजवाया, जहां उनका उपचार जारी है।

अजमानी इंटरनेशनल स्कूल में सजी 'नायाब ए यूनीक जर्नी विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने रचा इतिहास

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

अजमानी इंटरनेशनल स्कूल लखीमपुर खीरी में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक समारोह नायाब ए यूनीक जर्नी ने शिक्षा, संवेदना, संस्कृति और आधुनिक सोच का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। 13 एवं 14 दिसंबर को आयोजित इस भव्य आयोजन में परविंदर सिंह (यू.पी.स्टेट माइनोरिटी कमीशन) एवं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री पूनम ढिल्लो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष पहचान दिलाई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन सरदार जसमीत सिंह अजमानी, मैनेजिंग डायरेक्टर हरविंदर कौर, डायरेक्टर ब्रह्मजीत अजमानी, प्रधानाचार्य प्रिंस सलूजा एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।13 दिसंबर को कक्षा 1 से 5 एवं अजमानी किडजी के नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी रंग-बिरंगी एवं मनमोहक प्रस्तुतियों से समारोह की शानदार शुरुआत की। इस अवसर पर अजमानी किडजी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत 'मोबाइल वाला बंदर'कार्यक्रम ने मोबाइल की बढ़ती लत पर प्रभावशाली संदेश दिया। वही 'हौसलों की उड़ान' ने आत्मविश्वास और सपनों की उड़ान को दर्शाया। देशभक्ति से ओतप्रोत अवर प्राइड जवान और किसान' प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके साथ ही आसरा तथा आकर्षक टॉलीवुड डांस ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। इसके पश्चात विद्यालय के डायरेक्टर ब्रह्मदीप अजमानी द्वारा विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई,जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियों सह शैक्षणिक गतिविधियों, खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की विस्तृत जानकारी दी गई।14 दिसंबर को कक्षा 6 से 12 के वरिष्ठ विद्यार्थियों ने सामाजिक सरोकारों और सशक्त विषयों को मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। फीड द नीड़ ने सेवा और मानवता का संदेश दिया,'आसरा-एक मुस्कान ने करुणा और संवेदनशीलता को उजागर किया, जबकि 'नारी-एक रूप अनेक'ने नारी शक्ति के विविध स्वरूपों को सशक्त अभिव्यक्ति प्रदान की। इसके अतिरिक्त देश भक्ति एवं सांस्कृतिक नृत्य,जोशीला भांगड़ा, आधुनिक रोबोट डांस, पारंपरिक घूमर, भावनात्मक नाट्य प्रस्तुतियां एवं रंगीन बॉलीवुड नाइट समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे।प्रत्येक प्रस्तुति में कार्यक्रम की थीम ए यूनीक जर्नी स्पष्ट रूप से झलकती रही।मुख्य अतिथि पूनम ढिल्लों ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, मंच अनुशासन एवं प्रस्तुति कौशल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।विद्यालय के चेयरमैन सरदार जसमीत सिंह अजमानी ने विद्यालय की निरंतर प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। वही मैनेजिंग डायरेक्टर हरविंदर कौर, डायरेक्टर ब्रह्मदीप अजमानी एवं प्रधानाचार्य प्रिंस सलूजा ने कार्यक्रम की सफलता का श्रेय शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के सहयोग को दिया।

डीएम ने विकास भवन का किया निरीक्षण, अनुपस्थिति व लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई

जन एक्सप्रेस । उरई

डीएम राजेश कुमार पाण्डेय ने सोमवार सुबह विकास भवन के विभिन्न विभागीय कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई कार्यालयों में गंभीर अनियमितताएं, अधिकारियों/कर्मचारियों की अनुपस्थिति तथा कार्यप्रणाली में शिथिलता पाई गई। जिस पर डीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय में डा. राजेन्द्र बाबू, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अनुपस्थित पाए गए।कार्यालय में अभिलेखों का रख-रखाव अव्यवस्थित मिला तथा पटल सहायकों की पहचान पट्टिकाएं भी नहीं लगी थीं। जानकारी करने पर पाया गया कि एक कर्मचारी उमाशंकर विगत 5-6 माह से अनुपस्थित चल रहे हैं। डीएम ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को तत्काल कार्यालय व्यवस्था सुधारने तथा कार्यसंस्कृति में सुधार लाने के निर्देश दिए। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता कार्यालय में आमोद कुमार (सहायक पर्यवेक्षक), शुभम तिवारी (कम्प्यूटर ऑपरेटर) एवं चारों एडीसीओ अनुपस्थित पाए गए। सभी का एक दिन का वेतन रोकने तथा कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय में फूल सिंह कुशवाहा, नीलम जायसवाल एवं जितेन्द्र कुमार पाल अनुपस्थित मिले। सभी के विरुद्ध एक दिन का वेतन रोके जाने एवं कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। जिला युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय में राजीव कुमार उपाध्याय (जिला युवा कल्याण अधिकारी), मेहराज अहमद (वरिष्ठ लिपिक), पंकज शिवहरे (बीओ) एवं अर्चना (बीओ) अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने सभी का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। एनआरएलएम कार्यालय के निरीक्षण में अखिलेश तिवारी (उपायुक्त, एनआरएलएम) अनुपस्थित पाए गए। दुर्गा प्रसाद (डीएमएम) एवं अनिल कुमार (डीईओ) की उपस्थिति के संबंध में कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा सका। जिला विकास अधिकारी को स्पष्टीकरण प्राप्त कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में पुष्कर दीक्षित (अपर कृषि अधिकारी) अनुपस्थित पाए गए, जिनका एक दिन का वेतन रोकते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के कार्यालय में अभिनव गुप्ता, पवन सिंह (वरिष्ठ सहायक), अभिनव नामदेव (कनिष्ठ सहायक) एवं शशिकांत (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी) अनुपस्थित पाए गए। अधिशासी अभियंता को सभी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। लघु सिंचाई विभाग के निरीक्षण में इं0 अश्विनी सिन्हा (अधिशासी अभियंता), इं0 सुरेन्द्र सिंह जादौन, इं0 बृजेश राठौर (सहायक अभियंता) एवं महेन्द्र (जेई) अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने इसे अत्यंत खेदजनक बताते हुए कहा कि दोनों खण्डों का प्रभार होने के बावजूद अधिशासी अभियंता का कार्यालय में नियमित उपस्थित न होना गंभीर लापरवाही है। पूर्व निर्देशों के बावजूद उरई खण्ड में सप्ताह में तीन दिन भी उपस्थित न रहने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए पृथक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी राजीव शुक्ला अनुपस्थित पाए गए। निरीक्षण के समय उपस्थित आवेदक जगरूप सिंह निवासी रामनगर, उरई ने बताया कि विगत 6 माह से उनकी पुत्री का नाम राशन कार्ड में जोड़े जाने का कार्य लंबित है। जांच में प्रथम दृष्टया पूर्ति लिपिक अशोक कुमार एवं पूर्ति निरीक्षक/आशुलिपिक अभिषेक शर्मा की गंभीर लापरवाही पाई गई। जिलाधिकारी ने अशोक कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही प्रारंभ करने तथा अभिषेक शर्मा को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। साथ ही हाकिम सिंह, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी (मुख्यालय) को भी कार्यालय पर नियंत्रण न होने के कारण प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए गए। जिला पूर्ति अधिकारी को अपनी अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा गया। जिला रेशम अधिकारी कार्यालय में मनोज कुमार (सहायक रेशम अधिकारी) अनुपस्थित पाए गए, जिनका एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप प्रतिदिन प्रातः 10ः00 बजे से 12ः00 बजे तक जनसुनवाई अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए, आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा कार्यालयों में अनुशासन, समयपालन एवं जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता हो। लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

'सुशासन सप्ताह 2025' के तहत 'प्रशासन गाँव की ओर' अभियान का होगा आयोजन

जन एक्सप्रेस । उरई

÷सुशासन सप्ताह 2025÷ के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित 'प्रशासन गाँव की ओर' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान को जनपद में प्रभावी रूप से क्रियान्वित किए जाने के उद्देश्य से डीएम राजेश कुमार पाण्डेय व एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। डीएम ने निर्देश दिए कि 19 से 25 दिसंबर 2025 तक चलने वाले इस एक सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान तहसील मुख्यालय एवं पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जाए, ताकि आमजन की लोक शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की केंद्रीय लोक शिकायत निवारण प्रणाली (ष्क्लक्रूस्) तथा राज्य सरकार के आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। साथ ही ऑनलाइन सर्विस डिलीवरी की सेवाओं में वृद्धि करते हुए प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि सुशासन के क्षेत्र में जनपद द्वारा किए गए नवाचारों को फोटोग्राफ सहित पोर्टल पर अपलोड किया जाए तथा लोक शिकायतों के प्रभावी समाधान से संबंधित प्रत्येक अधिकारी द्वारा कम से कम एक सफलता की कहानी प्रस्तुत की जाए, जिससे सुशासन की सकारात्मक छवि को सुदृढ़ किया जा सके।इस अवसर पर सीडीओ केके सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव, पीडी अखिलेश तिवारी, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, सीएमओ डॉ. देवेंद्र भिटौरिया, डीपीआरओ राम अयोध्या प्रसाद सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

युवक ने फोन से बात करते हुए कुएं में लगाई छलांग, डूबकर मौत

जन एक्सप्रेस । उरई

कोटरा थाना क्षेत्र के ग्राम सैद नगर में एक युवक ने फोन पर किसी से बात करते हुए कुएं में छलांग लगा दी। जिससे उसकी मौत हो गई।जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। कस्बा कोटरा के ग्राम सैदनगर (सईद नगर) निवासी अनुज कुमार 28 पुत्र स्व. लक्ष्मण सिंह रविवार की देर शाम मोबाइल फोन पर किसी से बात करते हुए कुएं के पास पहुंच गया। बताया गया कि संभवत उसने वीडियो कॉलिंग करते हुए पहले साफी से फंदा लगाने का प्रयास करते हुए खुद को दिखाया और उसके बाद वह कुएं में गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा कि इस घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और कुंए के पास तमाम ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई और किसी ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विमलेश कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मौजूद लोगों की मदद से रेकशियू कर युवक को कुएं से बाहर निकलवाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। थाना प्रभारी निरीक्षक विमलेश कुमार ने बताया कि युवक मोबाइल पर किसी से बात करते हुए कुएं तक पहुंचा था। उसके बाद में कुएं में गिर पड़ा जिससे उसकी मौत हुई है। फिलहाल शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मोबाइल फोन को कब्जे में लेकर आत्महत्या के कारण की जानकारी की जाएगी।

एक ही फोटो से लाखों का खेल : विकास खंड रामपुरा में मनरेगा की एनएमएमएस प्रणाली बनी भ्रष्टाचार का हथियार

- रेवड़ी की तरफ बांटी गई फोटो को दर्शाया गया दो अलग अलग ग्राम पंचायतों में
- ग्राम पंचायत बाहराई एवं नावर में एक ही दिन एक ही फोटो से दो ग्राम पंचायतों में फर्जी एनएमएमएस

जन एक्सप्रेस । उरई/रामपुरा

विकास खंड रामपुरा में मनरेगा योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों में फर्जीवाड़े का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत नावर में एक ही फोटो के सहारे रोजाना फर्जी एनएमएमएस (नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम) अपलोड कर लाखों रुपये के गबन का खेल खुलेआम खेला जा रहा है। इस पूरे मामले में मेट अंजू की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है जो लगभग 50 मजदूरों के हक की मजदूरी खुद और संबंधित अधिकारियों की जेब में डालने का काम कर रही है। जानकारी के अनुसार 13/12/2025 को एक ही फोटो का इस्तेमाल कर दो अलग-अलग ग्राम पंचायतों बाहराई और नावर में एनएमएमएस अपलोड की गई। हैरानी की बात यह है कि फोटो में दिखाई देने वाले मजदूर समय,तारीख और स्थान सब कुछ एक जैसा है लेकिन पोर्टल पर उसे अलग-अलग ग्राम पंचायतों के नाम से चढ़ा दिया गया। यानी एक ही समय पर वही मजदूर ग्राम बाहराई में भी काम करते दिखाए गए और उसी फोटो से ग्राम नावर में भी उपस्थिति दर्ज कर दी गई। ग्राम पंचायत नावर में वर्तमान में चकबंदी का कार्य इंटरलॉकिंग से

प्रताप नरौन के खेत तक कराया जाना दर्शाया गया है। कागजों में लगभग 50 मजदूरों को कार्यरत दिखाया गया है लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। मौके पर न तो कोई मजदूर दिखाई दिया और न ही कार्य की वह रफ्तार नजर आई जैसा कि अभिलेखों में दर्शाया गया है। इससे साफ जाहिर होता है कि मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाकर उनके जॉब कार्ड एवं सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि यह खेल केवल ग्राम नावर तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे विकास खंड रामपुरा में एक ही फोटो को ÷रेवड़ी÷ की तरह अलग-अलग पंचायतों में बांटकर एनएमएमएस की जा रही है। इस संगठित भ्रष्टाचार में मेट,ग्राम प्रधान, सचिव और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की मिलीभगत की चर्चा जोरों पर है। बताया जा रहा है कि हर स्तर पर *÷कमिशन÷* तय है जिसके चलते शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही। यह मामला मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजना की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। यदि समय रहते उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो गरीब मजदूरों के हक का पैसा इसी तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता रहेगा। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और शासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक इस ÷एक ही फोटो के खेल÷ पर लगाम लगती है। हमारे द्वारा लगातार ऐसी खबरें और भ्रष्टाचार की परते खोलते रहेंगे।

मारपीट व फायरिंग के मामले में 6 लोगों पर मुकदमा दर्ज,दो गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । हरदोई

सांडी थाना क्षेत्र के चौधरियापुर गांव में जमीनी विवाद के चलते मारपीट व फायरिंग के मामले में 6 लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने दो लोगो को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार हरपालपुर थाना क्षेत्र के जनकपुरवा गांव निवासी शिशुपाल पुत्र धन्धारी द्वारा सांडी थाने पर दी गयी तहरीर में कहा गया है कि हंसराम पुत्र वेद प्रकाश निवासी ऊंचा टीला कस्बा व थाना सांडी व ताज मोहम्मद उर्फ तज्जू पुत्र हाफिज निवासी मोहल्ला सैयद बाड़ा थाना व कस्बा सांडी सहित 6 लोगो ने वादी व उसके साथियों के साथ मारपीट की गई। तथा फायर भी किया गया।वादी शिशुपाल की तहरीर पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज किया गया था।विवेचनात्मक कार्यवाई के दौरान शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25 की बृद्धि करते हुए पुलिस ने नामजद आरोपी ताज मोहम्मद उर्फ तज्जू पुत्र हाफिज निवासी सैयद बाड़ा तथा हंसराम पुत्र वेदप्रकाश निवासी ऊंचा टीला कस्बा व थाना सांडी को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 315 बोर दो तमंचे व दो अदद जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किए है।यह घटना उस समय हुई जब शिशुपाल अपनी बैनामे की जमीन पर मकान का निर्माण कर रहे थे।इसी बीच संतोष व शैलेंद्र आकर निर्माण कार्य को रोकने लगे।जमीनी विवाद में दोनो पक्षो में विवाद होने लगा। पुलिस के पहुंचने पर मामले को शांत कर दिया गया था। उसके कुछ ही देर बाद संतोष, शैलेंद्र,हंसराम,मुल्क राज, ताज मोहम्मद आदि ने आकर गाली गलौज शुरू कर दिया। इसी बात से नाराज दोनों पक्षों में मारपीट व फायरिंग में धर्मेंद्र, अंकित, नीरज घायल हो गए थे।थाना प्रभारी ने राकेश यादव ने बताया पीड़ित की तहरीर पर 6 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर दो नामजद आरोपियो को गिरफ्तार किया गया है।अन्य बैधानिक कार्यवाई जारी है।

न्यायालय के आदेश पर घर मे घुसकर मारपीट व फायरिंग के मामले में रिपोर्ट दर्ज

जनएक्सप्रेस/हरपालपुर। अरवल थाना क्षेत्र में लगभग चार माह पूर्व घर मे घुसकर मारपीट व हत्या के इरादे से फायरिंग के मामले में न्यायालय के आदेश पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार अरवल थाना क्षेत्र के करनपुर गांव निवासी सत्येंद्र सिंह ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गांव के मदनपाल, निलेश तथा थाना क्षेत्र के बेहटा मुड़िया गांव निवासी अनूप कुमार, सुमित कुमार, धर्मेंद्र कुमार ने लगभग चार माह पूर्व बीती 14 अगस्त को उसके घर में घुसकर मारपीट की थी। जिस मामले की शिकायत स्थानीय थाना पुलिस से की थी। उसी रंजिश को लेकर सभी आरोपितों ने 27 अगस्त की शाम 6 बजे उसके घर पर पुनः धाबा बोलकर उसे लाठी डंडों से काफी मारा-पीटा तथा अनूप ने हत्या के इरादे से तमंचे से फायर कर दिया था। जिससे वह बाल बाल बच गया था।तथा आरोपित सुमित ने चाकू मारकर घायल कर दिया था।आरोपितों ने उसकी भाभी के साथ बदसलूकी करते हुए उसके सोने के कुंडल छीन लिए थे। पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई लेकिन मामले की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई थी।

सांसद खेल स्पर्धा में विजेता बनकर पहुंचे जीनियस स्कूल के बच्चों का किया गया स्वागत एवं सम्मान

जन एक्सप्रेस । हरपालपुर

सांसद खेल स्पर्धा में बिजेता बनकर वापस स्कूल पहुंचे जीनियस पब्लिक स्कूल हरपालपुर के बच्चों को प्रधानाचार्य ने अपने जीवन से खेल को जोड़ते हुए स्वस्थ तन और मन के लिए आवश्यक बताया।

खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्वावधान में जिला प्रशासन एवं जिला खेल कार्यालय हरदोई द्वारा आयोजित सांसद खेल स्पर्धा में जीनियस पब्लिक स्कूल हरपालपुर के बच्चों ने सवायजपुर की ओर से खेलते हुए स्पोर्ट्स स्टेडियम हरदोई में अपना दमखम दिखाते हुए बालिका वर्ग अंडर 17 में 11 के मुकाबले 26 अंक अर्जित कर विजेता का खिताब प्राप्त किया। दूसरी ओर अंडर 14 बालिका कबड्डी टीम ने 16 के बदले 22 अंक अर्जित करते हुए जीत दर्ज की। बालक वर्ग अंडर 14 मे उप विजेता रहते हुए

खेल प्रेमियों एवं प्रशंसकों को अपने खेल के द्वारा रोमांचित किया। जूडो में पहली बार उतरे बच्चों ने 25

किलो भार वर्ग में वरुण ने प्रथम 30 किलो मे प्रभात, 40 किलो में प्रिंस, 45 किलो में यस ने प्रथम स्थान हासिल किया। कुश्ती में आयुष सिंह, अध्ययन सिंह, बालक वर्ग में प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी कैप्टन राधा सिंह, अंडर 17,अंशिका सिंह यादव अंडर 14 के नेतृत्व में उत्तरी बालिकाओं ने रोमांचक मैच खेलते हुए दोनों ट्रॉफी अपने नाम की। इस अवसर पर वॉलीबॉल टीम मैनेजर ऋतुराज सिंह, कबड्डी टीम मैनेजर जगरूप तिवारी, खेल कोऑर्डिनेटर शिवेंद्र वीर विक्रम सिंह तथा विद्यालय के कोच अनुपम पाल उपस्थित रहे।

समय अवधि निकलने के बाद 12 ग्राम पंचायत सचिवों ने डोंगल जमा किये

जनएक्सप्रेस/शाहाबाद। शाहाबाद पिछले 15 दिनों से सत्याग्रह आंदोलन कर रहे ग्राम पंचायत सचिवों ने समय अवधि पूरी होने पर सोमवार को खंड विकास अधिकारी को अपने डोंगल सौंप दिए। डोंगल जमा करने वालों में 12 ग्राम पंचायत सचिव शामिल है। ऑनलाइन उपस्थिति एवं अन्य विभागीय कार्यों के विरोध में उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत सचिव संगठन के आह्वान पर शाहाबाद ब्लॉक के ग्राम पंचायत सचिव सांकेतिक सत्याग्रह कर रहे थे। इस संबंध में उन्होंने विभिन्न तरीकों से अपना आंदोलन जारी रखा। संगठन की ओर से 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक तिथि निर्धारित की गई थी। निर्धारित अवधि के अंदर ग्राम पंचायत सचिवों की कोई भी मांग पूरी नहीं हुई जिससे आज संगठन के निर्देश पर 12 ग्राम पंचायत सचिवों ने डीएससी/डोंगल खंड विकास अधिकारी को सौंप दिए। इस मौके पर नितांत रस्तोगी, सुनील पाल, विकास त्रिपाठी, हर्षित सिंह, मोहम्मद साजिद, एकलाख सिद्दीकी, अंकित कुमार, मनोहर लाल, विजय सिंह यादव, अमर सिंह एवं अफ्फान फारूक आदि शामिल है।

जिलाधिकारी ने जन सुनवाई मे सुनी 62 जन शिकायतें

जन एक्सप्रेस । हरदोई

सोमवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई मे कुल 62 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। आज जन सुनवाई मे जिलाधिकारी ने एक व्यक्ति का अन्त्योदय राशन कार्ड बनाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो। राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अरूणिमा श्रीवास्तव व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

विवादित जमीनों को खरीद कर कब्जेदारी का खेल जारी

जन एक्सप्रेस । शाहाबाद

शाहाबाद नगर क्षेत्र में पिछले दो वर्षों से भूमाफियाओं का एक ऐसा गिरोह सक्रिय हुआ है जो विवादित जमीनों को खरीद कर सत्ता संरक्षण और पुलिस से सांठ-गांठ करके कब्जा कर रहा है। असली हकदारों को पुलिस से परेशान करवा भारी रकम कमा रहा है। ऐसा ही एक वाकया मोहल्ला बुध बाजार का सामने आया है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष की जमीन पर ही भूमाफियाओं द्वारा कब्जा किया गया। जबकि मामला न्यायालय में बिचाराधीन है। मौके पर पुलिस से विवाद हुआ जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल देखा जा सकता है। शाहाबाद नगर क्षेत्र के मोहल्ला बुध बाजार निवासी भाजपा बूथ अध्यक्ष रामकरण कुशवाहा के अनुसार पिछले 50 वर्षों से जिस जमीन पर वह पुश्तैनी काबिज है। मकान बना है उस जमीन को सर्वेश नाम के एक व्यक्ति ने विवादित जमीन खरीदने वाले भूमाफियाओं को बिक्री कर दिया। भूमाफियाओं ने सत्ता संरक्षण का हौआ दिखाकर उस पर कब्जा कर लिया। भूमाफियाओं ने कब्जे के दौरान बूथ अध्यक्ष का सरकारी शौचालय भी तोड़ दिया। उल्टा कोतवाली पुलिस बूथ अध्यक्ष और उसके परिजनों को पकड़ कर कोतवाली ले गई। दोनों पक्षों का शांति भंग में चालान कर दिया गया। बूथ अध्यक्ष रामकरण कुशवाहा का आरोप है पुलिस द्वारा उसकी पिटाई की गई। 13 दिसंबर को बूथ अध्यक्ष पर कब्जेदारी के लिए बनाई गई बाउंड्री वॉल गिराने का आरोप लगा, पुलिस मौके पर पहुंची तो बूथ अध्यक्ष की ओर से भाजपा के ही एक वरिष्ठ कार्यकर्ता अमित मिश्रा भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने पुलिस कर्मियों को काफी कुछ सुनाया। पुलिस से नोंक झोंक का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में भूमाफिया स्पष्ट रूप से खड़े हुए दिखाई दे रहे थे। सोमवार को रामकरण कुशवाहा ने परिजनों सहित एसपी से मिलकर फरियाद की।एसपी ने क्षेत्राधिकारी शाहाबाद आलोक राज नारायण को प्रकरण की जांच सौंपी है।

प्रभारी निरीक्षक बोले

प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह का कहना है जमीन के विवाद में दोनों पक्षों का शांति भंग में चालान किया गया। किसी भी पक्ष को पुलिस ने पीटा नहीं है। पिटाई का आरोप वेबुनियाद है।

गंगा नदी में डूबने से युवक की मौत,परिजनों में मचा कोहराम

जन एक्सप्रेस । हरदोई

अरवल थाना क्षेत्र में एक युवक की गंगा स्नान करते समय गंगा नदी में डूबने से मौत हो गयी।घटना के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार अरवल थाना क्षेत्र के जिगनी जसमई गांव निवासी नीलू पुत्र कढिले रविवार की सुबह करीब 10 बजे गांव के पास से निकली गंगा नदी में स्नान करने के लिए गया था।जहां वह गंगा स्नान करते समय गहरे पानी मे चला गया और वह नदी में डूबने लगा।युवक को डूबता देखकर गंगानदी के किनारे खेतों में काम कर रहे लोगों की जब उस पर नजर पड़ी तो आसपास खेतों में काम कर रहे पातीराम पुत्र हरिराम निवासी ग्राम डुंडेपुरवा द्वारा उसे बचाने के लिए प्रयास किया गया।काफी दूर जाकर जब तक पातीराम ने नीलू को जब तक गंगा नदी से निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस व परिवारीजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस व परिवारीजन मौके पर पहुंच गए।पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट का किया औचक निरीक्षण, अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी

अभिलेखों के रख-रखाव और प्रशासनिक अनुशासन में लापरवाही पर अधिकारियों-कर्मचारियों को दी सख्त हिदायत

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कलेक्ट्रेट परिसर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कलेक्ट्रेट स्थित विभिन्न कार्यालयों में पहुंचकर कार्मिकों की उपस्थिति, अभिलेखों के रख-रखाव, साफ-सफाई एवं कार्यालयीन अनुशासन की स्थिति का गहन अवलोकन किया।

जिलाधिकारी ने सीआरके कार्यालय, नजारत, संयुक्त कार्यालय, अभियोजन कार्यालय सहित अन्य संबंधित कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर एवं कुछ कार्यालयों में अपेक्षित साफ-सफाई न मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कार्मिकों को फटकार लगाई। नाजिर को निर्देशित किया गया कि संपूर्ण परिसर की तत्काल समुचित साफ-सफाई कराई जाए तथा निष्प्रयोज्य एवं अनुपयोगी वस्तुओं का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

सीआरके कार्यालय के निरीक्षण के दौरान गार्ड फाइल में शासनादेशों को अद्यतन न किए जाने पर जिलाधिकारी ने रोष जताया और नवीनतम शासनादेश शीघ्र संलग्न कर अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभिलेखों के रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। अभिलेखागार के निरीक्षण के समय अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण न होने पर भी जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया और अभिलेखों को क्रमबद्ध एवं सुरक्षित ढंग से रखने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्ट्रेट परिसर में फायर फाइटिंग व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने पर बल दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यालयों में साफ-सफाई, अभिलेखों का उचित रख-रखाव और प्रशासनिक अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्ट्रेट परिसर के निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री विजय यादव, एसडीएम श्री प्रेम शंकर पांडेय, नाजिर श्री वेद प्रकाश मिश्रा, एओ श्री तानसेन प्रसाद सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आत्महत्या के लिये उकसाने का आरोपी गिरफ्तार, जेल

जन एक्सप्रेस/प्रतापगढ़। जिले की बाघराय थाने की पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना इलाके के एक गांव की युवती ने घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उक्त मामले में पुलिस ने भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही थी। पुलिस के अनुसार मोबाइल से प्राप्त वीडियो व साक्ष्यों से आरोपी द्वारा विवाह का झांसा देकर धन लेना, बाद में विवाह से इंकार करना, धमकी देना व मानसिक उत्पीड़न करना प्रकाश में आया था। तहरीर में आरोप है कि युवक द्वारा तीन साल से शादी का झांसा दिया जा रहा था। पीड़िता द्वारा जब शादी के लिए कहा गया तो युवक ने फ़ोटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने के साथ ही शादी के लिए इंकार कर दिया। जिससे क्षुब्ध होकर मृतका ने आत्महत्या कर लिया था। घटना के बाद आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दे ही रही थी एसआई प्रमोद कुमार यादव व उनकी पुलिस टीम ने आरोपी प्रतीक शुक्ल उर्फ अनुज को थाना इलाके के छेउंगा नहर की पुलिया के समीप सोमवार को गिरफ्तार कर लिया।

ऑपरेशन प्रहार : डेढ़ किलो गांजे व नकदी के साथ युवक धराया, जेल

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की सांगीपुर थाने की पुलिस ने सोमवार को थाना इलाके के लक्ष्मणपुर गांव के समीप एक युवक को लगभग डेढ़ किलो गांजा व नकदी के साथ धर दबोचा। पुलिस ने उसके कब्जे से गांजे के साथ ही गांजा बिक्री के लगभग सैंतालीस हजार रुपये भी बरामद किया। पकड़ा गया युवक अनिल मिश्रा थाना इलाके के सरपतहा मिश्रपुर गांव का निवासी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किये गये अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि इस पुड़िया व पन्नी के अन्दर गांजा है तथा यह इसी में गाँजा की दो-तीन दिन की बिक्री के रूपये है। बरामद रूपयों को मौके पर उसी के समक्ष गिना गया कुल 47280 रुपये बरामद हुए। बैग को खोलकर देखा गया तो बैग के अन्दर वजन करने वाली डिजिटल मशीन व एक स्टील की कटोरी बरामद हुई। जिसके बारे में पूछा गया तो बताया कि मैं इसी मशीन व कटोरी से गांजा तौलकर बेचता हूं। बगल में खड़ी हुई मोटरसाइकिल के बारे में पूछताछ करने पर बताया कि यह मोटरसाइकिल हमारी ही है और इसी से मैं जगह-जगह पर जाकर गांजे की बिक्री करता हूं। एसपी दीपक भूकर के द्वारा नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एएसपी पश्चिमी व सीओ लालगंज के पर्यवेक्षण व एसओ राजेन्द्र त्रिपाठी के नेतृत्व में एसआई विनय प्रताप सिंह व उनकी पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक किलो चार सौ पैंसठ ग्राम अवैध गांजा व नकदी के साथ ही मोटर साइकिल की बरामदगी के संबंध में थाना सांगीपुर में मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस ने मोटरसाइकिल को एमवी एक्ट में सीज कर दिया। एसओ राजेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि अवैध गांजे के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के खिलाफ इसके पहले भी एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज है। आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर सोमवार को जेल भेज दिया गया।

जनरल स्टोर पर फायरिंग के दो आरोपी गिरफ्तार, जेल

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की नगर कोतवाली पुलिस ने बीते दिनों जनरल स्टोर पर फायरिंग करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को थाना इलाके के पूरे ईश्वरनाथ पुल के पास से गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक मोटरसाइकिल बरामद करते हुए एमवी एक्ट में सीज कर दिया। बता दें कि बीते शुक्रवार को थाना इलाके के सगरा सिटी रोड निवासी मो. हुसैन की क्लासिक जनरल स्टोर की दुकान है। बीते शुक्रवार को दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से दुकान पर आए और परफ्यूम लेने के दौरान हुए विवाद के बाद गाली-गलौज करते हुए धमकी देकर चले गए। आरोप है कि कुछ समय बाद लगभग दो बजे दिन में चार मोटरसाइकिलों से आए आठ नौ अज्ञात व्यक्ति अवैध असलह से लैस होकर दुकान पर पहुंचे और वादी को जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। इस संबंध में नौ अज्ञात के विरुद्ध थाना कोतवाली नगर पर गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। घटना के बाद वीडियो व सीसीटीवी फुटेज के जरिये पुलिस आरोपियों को चिन्हित करते हुए आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही थी। एसपी दीपक भूकर द्वारा आपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में नगर कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर मुकदमे से सम्बंधित अभियुक्त राजकुमार यादव और दिलशाद उल्ला को थाना कोतवाली नगर क्षेत्र अंतर्गत पूरे ईश्वरनाथ पुल के समीप एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया। नगर कोतवाल सुभाष कुमार यादव ने बताया कि जनरल स्टोर पर फायरिंग के मामले में वीडियो व सीसीटीवी फुटेज के जरिये चिन्हित कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डॉ. रामविलास वेदांती के निधन पर शोक सभा का आयोजन

जन एक्सप्रेस प्रतापगढ़। जिले में सोमवार को भाजपा कार्यालय में राम मंदिर आंदोलन के सूत्रधार व पूर्व भाजपा सांसद राम विलास वेदांती के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव की अगुवाई में आयोजित शोक सभा को सम्बंधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी ने कहा की रामविलास वेदांती एक प्रखर वक्ता के साथ ही अपने निर्णय पर अडिग रहने वाले व्यक्ति थे। डॉ. रामविलास वेदांती एक ऐसे राजनेता थे जिन्होंने हमेशा धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए आवाज उठाई। उनका जीवन राम मंदिर आंदोलन और समाज सेवा के लिए समर्पित रहा। इस पर उन्होंने कई संस्मरण की चर्चा की। जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि राम मंदिर आंदोलन में 25 बार गिरफ्तारी देने वाले रामविलास वेदांती का आकस्मिक निधन मध्य प्रदेश की धरती पर हुआ यह भारतीय जनता पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक सभा का संचालन जिला महामंत्री राजेश सिंह ने किया।

पोस्टमार्टम ड्यूटी से इनकार पड़ा महंगा, तीन डॉक्टरों को नोटिस

सीएमओ सख्त : संतोषजनक जवाब न मिलने पर शासन को भेजा जाएगा पूरा प्रकरण

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम ड्यूटी से इनकार के मामले को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. श्रीकांत शुक्ला ने गंभीरता से लिया है। सीएमओ ने तीन चिकित्सकों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है और दो-दो दिन का मानदेय रोक दिया है। साथ ही, समय से संतोषजनक स्पष्टीकरण न मिलने पर कड़ी विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी है। नोटिस पाने वाले चिकित्सकों में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण आनंद, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शारिक नवाज और संविदा फिजिशियन डॉ. दुर्गेश शुक्ला शामिल हैं। सीएमओ कार्यालय द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए पूर्व से चिकित्सकों की ड्यूटी निर्धारित थी, इसके बावजूद संबंधित चिकित्सकों ने ड्यूटी करने से इनकार किया। पत्र के अनुसार, 12 दिसंबर को फार्मासिस्ट के.के. पटेल ने आधुनिक चीरघर से संबंधित कार्य के लिए सबसे पहले डॉ. शारिक नवाज से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने ड्यूटी करने से मना कर दिया। इसके बाद डॉ. प्रवीण आनंद और डॉ. दुर्गेश शुक्ला से संपर्क किया गया, जिन्होंने भी पोस्टमार्टम ड्यूटी करने से इनकार कर दिया। सीएमओ कार्यालय ने इसे उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना बताया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि पोस्टमार्टम ड्यूटी आपातकालीन सेवाओं की श्रेणी में आती है, जिसे किसी भी परिस्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जन एक्सप्रेस को सीएमओ डॉ. श्रीकांत शुक्ला ने बताया कि जिला अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य इकाई में आपात सेवाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। संबंधित चिकित्सकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और दो दिन का मानदेय रोका गया है। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब न मिलने पर पूरा प्रकरण शासन को भेजते हुए कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

दर्जिनिया ताल बनेगा मगरमच्छ प्रजनन केंद्र, इको-टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

डीएम ने किया संरक्षण केंद्र व वृक्षारोपण स्थल का निरीक्षण, पर्यटन सुविधाओं और विकास के निर्देश

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने तहसील निचलौल स्थित दर्जिनिया ताल के मगरमच्छ संरक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने डीएफओ महराजगंज से दर्जिनिया ताल की वर्तमान स्थिति एवं संरक्षण कार्यों की जानकारी प्राप्त की। डीएफओ ने अवगत कराया कि दर्जिनिया ताल लगभग 3 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है, जहां एक वॉच टावर एवं मड ट्रैक की व्यवस्था है। मगरमच्छों के विहार एवं बास्किंग हेतु ताल की नियमित सफाई कराई जाती है। ताल में लिटिल एग्रीट, कॉरमोरंट, वॉटरहेन सहित विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों का प्रवासन भी देखा जाता है। निरीक्षण के दौरान ताल में पर्याप्त संख्या में मगरमच्छ विहार एवं धूप सेंकते हुए पाए गए। जिलाधिकारी ने दर्जिनिया ताल को इको-टूरिज्म के दृष्टिकोण से विकसित करने के निर्देश देते हुए ट्री-हाउस, रेस्ट हट सहित अन्य पर्यटक सुविधाओं हेतु कार्ययोजना तैयार करने को कहा, ताकि पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकें। उन्होंने दर्जिनिया ताल को मगरमच्छ प्रजनन केंद्र के रूप में स्थापित कर इसे इको-पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही सोहागीबरवा वन्यजीव अभयारण्य के समेकित विकास हेतु पर्यटन एवं वन विभाग को योजनाओं के निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने निचलौल रेंज के बैठवलिया बीट अंतर्गत ग्राम सभा भेड़िहारी स्थित वृक्षारोपण स्थल का निरीक्षण किया। यह स्थल 3 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है, जहां महोगनी, जामुन, गुटेल, अर्जुन एवं कटहल के कुल 4800 पौधे रोपित पाए गए। जिलाधिकारी ने जनपद के वनाच्छादित क्षेत्रफल में वृद्धि हेतु अधिकाधिक वृक्षारोपण करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान डीएफओ श्री निरंजन सुर्वे राजेंद्र, एसडीएम निचलौल श्री सिद्धार्थ गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरिया काटते समय बिजली की चपेट में आने से मौत

देवरिया। थाना क्षेत्र के सुरहां गांव में रविवार दोपहर ग्राइंडर मशीन से सरिया काटते समय बिजली की चपेट में आने से एक 30 युवक की मौत हो गई। घटना के बाद जिंदा होने की आशंका पर परिजन मेडिकल कॉलेज देवरिया ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मची है। पुलिस पोस्टमार्टम कराकर देर शाम को शव परिजनों को सौंप दी। खुखुंदू क्षेत्र के सुरहां गांव निवासी राजा प्रसाद के दो बेटों में रुदल प्रसाद बड़ा बेटा था। जानकारी के अनुसार मृतक का गांव के मुख्य मार्ग किनारे नव निर्मित मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। रुदल रविवार दोपहर में ग्राइंडर मशीन से सरिया काट रहा था। इसी बीच तार में कट होने से वह बिजली की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि शरीर गर्म होने से ग्रामीणों ने उसे मेडिकल कॉलेज देवरिया ले जाने की सलाह दी। जिसपर परिजन और ग्राम प्रधान दिनदयाल यादव रुदल को आनन-फानन में लेकर मेडिकल कॉलेज देवरिया पहुंचे। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

मानसिक अस्वस्थ युवती के लिए फरिश्ता बनी पुलिस, परिवार से मिलवाया

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की महेशगंज थाने की मिशन शक्ति टीम ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मानसिक रूप अस्वस्थ एक युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द किया। बता दें कि एसपी दीपक भूकर जनसौहार्द एवं महिला सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए जाने के क्रम में सोमवार को थाना महेशगंज की महिला सशक्तिकरण टीम द्वारा एंटी रोमियो चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान थाना इलाके के हीरागंज चौराहे पर एक युवती गुमसुम अवस्था में घूमती हुई पाई गई। महिला कांस्टेबल द्वारा तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए युवती से बातचीत कर उसके हालचाल की जानकारी की गई। युवती द्वारा अपना नाम, पता बताया गया तथा अपने पिता का मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया। टीम ने युवती से मिली जानकारी के आधार पर युवती के पिता को फोन से तत्काल सूचना दी। इसके उपरांत युवती को सुरक्षार्थ एवं सुविधा हेतु थाना महेशगंज लाकर मिशन शक्ति महिला सहायता केंद्र में बैठाया गया। कुछ समय पश्चात युवती के पिता एवं भाई थाने पर आये। परिजनों ने बताया कि युवती पिछले तीन वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रही है तथा एक दिन पूर्व दोपहर में घर से निकल गई थी जिसकी काफी तलाश की गई, परंतु कोई पता नहीं चल सका था। महेशगंज पुलिस ने सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए एवं सुपुर्दगीनामा की कार्यवाही उपरांत युवती को सकुशल उसके पिता एवं भाई के सुपुर्द किया गया।

जंगल में गुलर के पेड़ से लटकता मिला रसोइया का शव, मचा हड़कंप

जन एक्सप्रेस । पनियरा (महराजगंज)

पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बभनौली अंतर्गत दौलतपुर वन ग्राम में सोमवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत 50 वर्षीय महिला रसोइया का शव जंगल में गुलर के पेड़ से लटकता मिला। मृतका की पहचान रीना देवी के रूप में हुई है।

बताया गया कि रीना देवी शनिवार की शाम से ही घर से लापता थीं। परिजनों ने आसपास के गांवों और रिश्तेदारों के यहां उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सोमवार दोपहर कुछ ग्रामीण जब जंगल की ओर गए, तो उन्होंने घर से करीब 300 मीटर दूर गुलर के पेड़ से दुपट्टे के सहारे लटकता शव देखा। ग्रामीणों द्वारा सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस प्रशासन ने शव कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई।

परिजनों के अनुसार, रीना देवी की शादी स्वर्गीय गुंजन से हुई थी। वह गुंजन की दूसरी पत्नी थीं और उनकी कोई संतान नहीं थी। गुंजन की पहली पत्नी गायत्री की पूर्व में मृत्यु हो चुकी थी, जिनसे एक पुत्र और दो पुत्रियां थीं। बताया गया कि रीना देवी ने ही तीनों बच्चों का पालन-पोषण कर उन्हें बड़ा किया। पुत्र जयसराज तथा दोनों पुत्रियों नंदनी और पूनम की शादी हो चुकी है। गुंजन की करीब दस वर्ष पूर्व बीमारी के चलते मौत हो गई थी। वर्तमान में रीना देवी अपने सौतेले पुत्र जयसराज की पत्नी सत्या देवी के साथ रहती थीं। जयसराज बाहर रहकर पेंट-पॉलिश का कार्य करता है। रीना देवी के अचानक लापता होने और फिर शव मिलने से परिजन गहरे सदमे में हैं।

इस संबंध में थानाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

तमकुहीरोड स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग

कुशीनगर। क्षेत्र के तमकुहीरोड कस्बा स्थित रेलवे स्टेशन पर ठहराव लंबी दूरी के विभिन्न ट्रेनों के ठहराव की मांग स्थानीय लोगों की ओर से पत्रक सौंपा गया। सांसद ने मांग के बाबत सकारात्मक आश्वासन दिया है। तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के कोइन्दी बरियारपुर निवासी व पर्यावरण मित्र ओजस्वी मिश्र ने रविवार को देवरिया सांसद शशांक मणि त्रिपाठी को पत्रक सौंपकर लंबी दूरी के ट्रेनों के तमकुहीरोड कस्बा स्थित रेलवे स्टेशन पर ठहराव की मांग की। पत्रक के मुताबिक तेजस्वी मिश्र द्वारा निकाले गए पूर्वांचल यात्रा के दौरान जानकारी मिली कि तमकुहीराज क्षेत्र सहित सीमावर्ती बिहार प्रांत के सौ से अधिक गांवों के लोग रोजगार के सिलसिले में झारखंड के जमशेदपुर (टाटानगर), पश्चिम बंगाल के शालीमार व खड़गपुर में रहते हैं। प्रवासी लोगों सहित यहां के व्यापारिक गतिविधियों में संचालित व्यापारियों को काफी सहूलियत होगी।

पुलिस ने गांजे के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की बाघराय थाने की पुलिस ने एक किलो गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना इलाके के जमलामऊ गांव से रामनारायण को पुलिस ने गिरफ्तार किया। एसपी दीपक भूकर के निर्देशन में ऑपरेशन प्रहार के तहत बाघराय पुलिस ने ये कार्रवाई की है। गिरफ्तार अभियुक्त का लंबा आपराधिक इतिहास भी है उसके विरुद्ध थाना बाघराय में हत्या, लूट, हत्या का प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, गुण्डा एक्ट, धोखाधड़ी, एससी एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में कुल बीस मुकदमे दर्ज हैं। अभियुक्त के कब्जे से एक किलो एक सौ बीस ग्राम अवैध गांजा व एक रिवाल्वर, एक दोनाली बंदूक व दो दर्जन जिन्दा कारतूस की बरामदगी के संबंध में आरोपी के विरुद्ध थाना बाघराय में एनडीपीएस एक्ट व आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए अभियुक्त ने बताया कि रिवाल्वर व दोनाली बन्दूक लाइसेन्सी हैं, दोनो असलहा के लाइसेन्स उसके रिश्तेदार अभिषेक तिवारी के नाम पर है। जो लखनऊ के हसनगंज थाना इलाके के रहने वाले हैं। गांजा बरामदगी के संबंध में टाल मटोल करते हुए अभियुक्त ने बताया कि प्रयागराज से लाया है। अभियुक्त रामनारायण को एसआई अमित द्विवेदी व उनकी पुलिस टीम द्वारा किया गया। जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री एवं प्रसार की रोकथाम हेतु पुलिस द्वारा निरंतर विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनपद को नशामुक्त वातावरण प्रदान करना तथा समाज, विशेषकर युवाओं, को इस गंभीर बुराई से सुरक्षित रखना है। पुलिस ने आमजन से अपील है कि यदि कहीं भी अवैध रूप से मादक पदार्थों का निर्माण, क्रय-विक्रय या तस्करी होती दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। थाना प्रभारी बाघराय श्रवण कुमार ने बताया कि आरोपी को अवैध गांजे के साथ सोमवार को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्रवाई के उपरांत उसे जेल भेज दिया गया।

संवर्धन' प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकार मित्रों को मिला न्याय सेवा का मंत्र

222 पराविधिक स्वयंसेवक हुए प्रशिक्षित

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर के तत्वावधान में पराविधिक स्वयंसेवकों (अधिकार मित्रों) के लिए एक दिवसीय क्लस्टर आधारित ''संवर्धन'' प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम हॉल) में किया गया। कार्यक्रम में जौनपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, भदोही एवं सुल्तानपुर जनपदों से आए कुल 222 पराविधिक स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर सुशील कुमार शशि ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अपने अध्यक्षीय संबोधन में जनपद न्यायाधीश ने कहा कि पराविधिक स्वयंसेवक समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और विधिक सहायता पहुँचाने की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि इनका प्रशिक्षित, संवेदनशील और जागरूक होना न्याय तक सबकी पहुँच सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर सौरभ श्रीवास्तव ने उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ सचिव, डीएलएसए सुल्तानपुर विजय कुमार गुप्ता, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ सचिव, डीएलएसए प्रयागराज दिनेश कुमार गौतम, सचिव डीएलएसए भदोही तरुणिमा पाण्डेय सहित कई वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए अधिकार मित्रों को जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्य करने के लिए मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण सत्रों में प्रतिभागियों को नालसा व यूपीएसएलएसए की योजनाएं, निःशुल्क विधिक सहायता, सुलह एवं मध्यस्थता, महिला व बाल संरक्षण कानून, घरेलू हिंसा, लैंगिक अपराध, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, जनजागरूकता अभियानों सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। सत्रों के दौरान संवादात्मक चर्चा एवं समस्याओं के समाधान पर विशेष जोर दिया गया। पाक्सो एक्ट से संबंधित जानकारी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट द्वितीय जौनपुर रूपाली सक्सेना ने दी, जबकि नालसा योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दिनेश कुमार गौतम द्वारा दी गई। सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता ने मिशन शक्ति, सहायक परिवीक्षा अधिकारी मुरलीधर गिरि ने जेजे एक्ट तथा स्थायी लोक अदालत की सदस्य रजनी सिंह ने स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी अरविन्द प्रभाकर, जिला प्रोबेशन अधिकारी विजय कुमार पाण्डेय, सहायक श्रम आयुक्त देवव्रत यादव ने भी अपनी-अपनी विभागीय जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, जौनपुर डॉ. दिलीप कुमार सिंह द्वारा किया गया। समापन अवसर पर प्रभारी सचिव सौरभ श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए अधिकार मित्रों से विधिक जागरूकता और अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उनके ज्ञान, कार्यकुशलता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मिशन शक्ति के तहत महिला थाना पुलिस ने चलाया जागरूकता व चेकिंग अभियान

जन एक्सप्रेस। बस्ती

महिला थाना प्रभारी निरीक्षक डॉ. शालिनी सिंह के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला थाना जनपद बस्ती की टीम द्वारा जनजागरूकता एवं सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला कांस्टेबल नीलम यादव एवं महिला हेड कांस्टेबल आराधना ने भ्रमणशील रहते हुए श्री कृष्णा पांडेय इंटर कॉलेज बस्ती सहित भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद कर उन्हें महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 के बारे में जानकारी दी गई तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित काउंसलिंग की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए उनसे बचाव एवं सतर्कता के उपाय बताते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के संबंध में भी जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों–1090 (वीमेन पावर लाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 102 (स्वास्थ्य सेवा), 108 (एम्बुलेंस सेवा), साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा महिला थाना का सीयूजी नंबर 9454403115–की जानकारी देकर महिलाओं से किसी भी समस्या की स्थिति में निर्भीक होकर सहायता लेने की अपील की। एंटी रोमियो अभियान के तहत कुल 78 लोगों की चेकिंग की गई, जिसमें 02 व्यक्तियों से माफीनामा भरवाकर सख्त चेतावनी देते हुए मौके पर छोड़ा गया।

शेष स्थिति पूर्णतः शांतिपूर्ण एवं कुशल रही। पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित अपराधों के विरुद्ध आवाज उठाने और सहयोग करने की अपील भी की गई।

पुरानी रंजिश में जानलेवा हमले का आरोप, दंपति ने एसपी से गुहार

जन एक्सप्रेस। बस्ती

कोतवाली थाना क्षेत्र के रामेश्वरपुरी निवासी रत्नाकर श्रीवास्तव पुत्र स्वर्गीय प्रेम चंद्र श्रीवास्तव ने पुलिस अधीक्षक सहित अन्य उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि पुरानी रंजिश के चलते उन पर और उनकी पत्नी पर जानलेवा हमला किया गया। पीड़ित के अनुसार सोमवार 15 दिसंबर की सुबह करीब 9ः10 से 9ः15 बजे के बीच वह अपनी पत्नी के साथ अमहट घाट स्थित शिव मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान एसपी कैंप कार्यालय गेट के पास अमहट घाट के निकट दिव्याशू खरे पुत्र आशीष खरे द्वारा चार पहिया वाहन फॉर्च्यूनर (यूपी 05 बीएच 2525) से उन्हें और उनकी पत्नी को कुचलने का प्रयास किया गया। आरोप है कि वाहन जानबूझकर उनकी ओर मोड़ा गया, जिससे दोनों की जान खतरे में पड़ गई। रत्नाकर श्रीवास्तव ने बताया कि किसी तरह सतर्कता बरतते हुए उन्होंने अपनी और पत्नी की जान बचाई तथा तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। पीड़ित का कहना है कि आरोपी से पूर्व से विवाद चल रहा है और उन्हें आशंका है कि आरोपी या उसके सहयोगी किसी भी समय उनके परिवार को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से आरोपी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी कानूनी कार्रवाई किए जाने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।

वहीं इस मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं द सीएमएस के संचालक अनूप खरे ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि मामला लेन-देन से जुड़ा है और धन वापसी के दबाव से बचने के लिए मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने प्रकरण को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।

15वें वित्त आयोग व अवस्थापना विकास निधि की कार्ययोजनाओं पर बैठक

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 15वें वित्त आयोग एवं अवस्थापना विकास निधि के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष प्रस्तावित कार्ययोजनाओं की स्वीकृति हेतु बैठक आयोजित की गई।

बैठक में स्थानीय निकायों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विकासात्मक प्रस्तावों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने सभी प्रस्तावों की उपयोगिता,

जनहित, गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन के बिंदुओं पर संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की और निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्य योजनाएं जनता को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने वाली हों।

जिलाधिकारी ने कहा कि 15वें वित्त आयोग एवं अवस्थापना विकास निधि का उपयोग पारदर्शिता, गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए और कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए।

बैठक में अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर मनोरमा मौर्य, अध्यक्ष नगर पालिका मुंगराबादशाहपुर कपिलमुनि वैश्य,

अध्यक्ष नगर पंचायत खेतासराय वसीम अहमद, अध्यक्ष नगर पंचायत मडियाहूं रुखसाना कमाल, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, सहित समस्त अधिशासी अधिकारी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गये सरदार वल्लभभाई पटेल

जन एक्सप्रेस। बस्ती

सोमवार को पटेल एसएम.एच. हासिपटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा के सभागार में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल को उनके पुण्यतिथि पर याद किया गया। हास्पिटल के प्रबंधक और कुर्मी महासभा के जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने की जरूरत है।

कुर्मी महासभा के प्रदेश संगठन सचिव आर.के. सिंह पटेल, बद्री प्रसाद चौधरी, ई. के.सी. पटेल, अरविन्द चौधरी आदि ने सरदार पटेल के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि रियासतों का विलय कराकर उन्होने भारत को एक नई दिशा दिया।

कार्यक्रम में घनश्याम चौधरी, अशोक वर्मा, विद्यासागर चौधरी, डा. श्याम नरायन, अशोक चौधरी, डा. चन्दा सिंह, डा.मनोज मिश्र, डा.इरफाना बानो, लालजी यादव, रीतेश चौधरी, शिव प्रसाद चौधरी, डा. कुशवाहा के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

ब्लड प्रेशर जांच कराने जा रही वृद्धा की सड़क हादसे में मौत

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर। बिक्सी–ओइनवा मार्ग पर हमीदपुर गांव के पास रविवार की सुबह घने कोहरे के कारण बाइकों की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक बाइक पर सवार सुंदरावती देवी की मौत हो गई। वृद्धा की मौत की जानकारी होने पर परिजनों का रो–रोकर हाल बेहाल रहा। चैनपुरा निवासी सुंदररावती देवी (65) रविवार की सुबह गांव के ही शेरू की बाइक पर पीछे बैठकर जफरपुरा गांव में एक क्लीनिक में बीपी जांच कराने के लिए जा रहीं थीं। हमीदपुर गांव के भवानी माता मंदिर के पास सामने से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दिया। इससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। हादसे में सिर में गंभीर चोट लगने से सुंदरावती देवी की मौत हो गई। बाइक चला रहा शेरू घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पति रामप्यारे मौर्य और दो पुत्रों राधेश्याम व महेंद्र का रो–रोकर हाल बेहाल रहा। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना वृद्धा का अंतिम संस्कार कर दिया।

जौनपुर में नवनिर्मित सीडी का उद्घाटन क0अ0स0

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

प्रथम तल पुस्तकालय तक आने व जाने हेतु सभी सम्मानित अधिवक्तागण, वरिष्ठ अधिवक्तागण स्व0 शोभनाथ सिंह एडवोकेट के सुपुत्र शशिकान्त सिंह व डा0 तेजप्रताप सिंह के कर कमलो द्वारा किया गया तथा सम्बोधन की अध्यक्षता अध्यक्ष घनश्याम सिंह एडवोकेट महामंत्री मनोज कुमार मिश्र एडवोकेट द्वारा किया गया।

सम्मानित अधिवक्ता स्व0 शोभनाथ सिंह एडवोकेट के सुपुत्र शशिकान्त सिंह व डॉ तेज प्रताप सिंह इस सहयोग प्रति सम्मान में अपना अपना विचार व्यक्त किये।

संचालन महामंत्री मनोज कुमार मिश्र एडवोकेट द्वारा किया गया बैठक में क0अ0स0 जौनपुर के पदाधिकारीगण राजकुमार निषाद, राजबहादुर गौतम, शशांक शेखर तिवारी, रमापत्ति उपाध्याय, रामकृष्ण पाठक, राधेश्याम दूबे, अजीत प्रताप सिंह, प्रदीप यादव उदय प्रताप सिंह आनन्द मिश्र एडवोकेट, वीरेन्द्र प्रताप सिंह, विजय प्रताप सिंह एडवोकेट, हरिश्चन्द्र पाण्डेय एडवोकेट, रामआसरे यादव, महेन्द्र चौहान एडवोकेट, सजल विश्वकर्मा, विशाल विश्वकर्मा एडवोकेट आदि अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

सुजानगंज का लाल बना लेफ्टिनेंट कर्नल, गांव पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

सुजानगंज क्षेत्र के ऊंचगांव निवासी सुधांशु सिंह के भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर चयनित होने से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि से न सिर्फ परिवार बल्कि गांव और क्षेत्र का नाम भी रोशन हुआ है। बताया जाता है कि सुधांशु सिंह ने वर्ष 2022 में यूपीएससी की एनडीए परीक्षा उत्तीर्ण की थी। वे स्वर्गीय चंद्रेश सिंह के पुत्र हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा इंदौर में हुई। चार भाई-बहनों में वे चौथे स्थान पर हैं।लेफ्टिनेंट कर्नल बनने के बाद जब सुधांशु सिंह पहली बार अपने गांव पहुंचे तो ग्रामीणों ने उनका गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया। स्वागत जुलूस के साथ उन्हें गौरी शंकर धाम, सुजानगंज ले जाया गया, जहां दर्शन-पूजन के उपरांत माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता

में लेफ्टिनेंट कर्नल सुधांशु सिंह ने कहा कि लगन, अनुशासन और एकाग्रता से कार्य करने पर सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने नवयुवकों से अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहकर कठिन परिश्रम करने और देशसेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया।

स्वागत कार्यक्रम में मनोज सिंह, गायत्री सिंह, निशा सिंह, सत्येंद्र सिंह, विकास सिंह, प्रवीण, संतोष सिंह (पूर्व प्रधान), दीपक सिंह, अंकित सिंह लखनवी, कमलेश सिंह (सेवानिवृत्त जेलर), पंकज दुबे (पूर्व महामंत्री, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

लेफ्टिनेंट कर्नल सुधांशु सिंह की इस उपलब्धि को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया जा रहा है।

3 वोट ज्यादा पाकर धर्मेंद्र बने सफाईकर्मी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर। राजगढ़ और कोन ब्लॉक मुख्यालय पर रविवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के चुनाव में राजगढ़ के धर्मेंद्र लाल श्रीवास्तव को सफाई कर्मचारी संघ का ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया है। अध्यक्ष पद के लिए धर्मेंद्र लाल श्रीवास्तव और अहमद अली दावेदार थे। धर्मेंद्र लाल श्रीवास्तव 67 वोट, अहमद अली 64 वोट मिले। तीन वोट से धर्मेंद्र लाल श्रीवास्तव अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

रात से छाया रहा घना कोहरा, दोपहर में सूर्यदेव ने दिए दर्शन

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर। दिसंबर के दूसरे सप्ताह में धीरे–धीरे ठंड अब रफ्तार पकड़ने लगी है। रविवार को दिन की शुरूआत कोहरे से हुई। सुबह 10 बजे तक आसमान में कोहरा छाया रहा। दोपहर 12 बजे सूर्यदेव के दर्शन हुए। हालांकि एक घंटे के बाद फिर से हवा चलने के कारण आसमान में बादल छा गए। इसके बाद सूर्यदेव बादलों में छिप गए। शाम होते ही फिर से गलन बढ़ गई। दृश्यता 15 मीटर रही। इस कारण वाहन धीमी गति चल रहे थे। सड़क पर संकेतक, रिफ्लेक्टर, डिवाइडर नहीं होने से वाहन कोहरे में रेंग रहे थे। रविवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले शनिवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। सक्तेशगढ़ में ग्राम प्रधान नदिहार रवि शंकर सिंह ने अलाव जलवाया। इसी तरह लालपुर, सक्तेशगढ़, जौगढ़, बलुआ बजाहुर, रामपुर, गोल्हनपुर, कुंबा खुर्द में ग्राम प्रधानों ने चट्टी और चौराहों पर अलाव जलवाकर राहगीरों को और ग्रामीणों को राहत पहुंचाई।

एक्सप्रेस खबरें...

थार वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की गई जान

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। खुटहन वाया पट्टी नरेन्द्रपुर मार्ग के रसूलपुर गांव में रविवार की देर रात चार पहिया वाहन थार की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। दुर्घटना के बाद चालक वाहन छोड़ फरार हो गया। जिसे पुलिस थाने ले आई। पिलकिछा गांव के कोकना मजरा निवासी 20 वर्षीय कमलेश गौतम पुत्र स्व विनोद शाम को उसरौली गांव में अपने एक रिश्तेदार के घर तिलक समारोह में शामिल होने गया था। रात लगभग साढ़े नौ बजे वह बाइक से वापस घर लौट रहा था। रसूलपुर इंटर कालेज के पास घुमावदार सड़क पर सामने से आ रहे थार वाहन से उसकी भिड़ंत हो गई। हेलमेट न पहने होने से कमलेश के सिर में गंभीर चोटें आईं। मौके पर पहुंची पुलिस उसे सीएससी ले आई। चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। वहां ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

नितिन नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। शाहगंज नगर में नितिन नवीन को भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर कायस्थ समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव बच्चू लाला के नई आबादी मोहल्ला स्थित आवास पर संरक्षक प्रवीण श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित हुआ। बैठक में समाज के लोगों ने नितिन नवीन को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि नितिन नवीन के इस पद पर पहुंचने से समाज का मान–सम्मान बढ़ा है। यह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। बैठक में वक्ताओं ने नितिन नवीन के राजनीतिक व सामाजिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे लगातार पांच बार विधायक रह चुके हैं तथा बिहार सरकार में मंत्री पद सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर उपस्थित लोगों ने एक–दूसरे को बधाई दी। बैठक में विवेक अस्थाना, संजय श्रीवास्तव, मोहित, प्रभात, ज्ञानेश, अनूप, मनोज, संदीप, आर बी श्रीवास्तव, पिंटू अस्थाना, सुधांशु, नीरज, स्वतंत्र, मनीष श्रीवास्तव, संदीप, अमित, एवं राम जी अस्थाना आदि मौजूद रहे।

विद्युत विभाग ने ओटीएस शिविर में 5.3 लाख वसूले

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। शाहगंज क्षेत्र के निजमापुर गांव में सोमवार को विद्युत विभाग ने एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के तहत एक शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 52 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया। जिसमें विभाग ने 5 लाख 3 हजार 512 रुपये का राजस्व एकत्र किया। अवर अभियंता राजकुमार सिंह ने बताया कि यह योजना शासन और उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के निर्देशों पर शुरू की गई है। इसके तहत 1 दिसंबर से विभिन्न गांवों और मोहल्लों में लगातार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। ताकि बकायेदार उपभोक्ता छूट का लाभ उठा सकें। निजमापुर गांव में आयोजित इस ओटीएस शिविर में उपभोक्ताओं को बकाया बिलों पर छूट का अवसर मिला। कुल 52 उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ उठाते हुए अपना पंजीकरण कराया। शिविर के दौरान अवर अभियंता राजकुमार सिंह, टीजीटू इंद्रजीत, विजय यादव, लाइनमैन सुभाष राजभर और सर्वेश सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

रगड़गंज हाफिया मस्जिद रोड के अतिक्रमण को लेकर ज्ञापन

जन एक्सप्रेस। बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहल्ला रगड़गंज स्थित हाफिया मस्जिद रोड पर किए गए कथित अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि संबंधित सड़क पर अवैध रूप से वाहन खड़े किए जाने और दुकानों के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। इससे स्थानीय निवासियों, विशेषकर महिलाओं और छात्राओं को रोजमर्रा की आवाजाही में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। संगठन का कहना है कि मना करने पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे क्षेत्र में तनाव की आशंका बनी रहती है। महासंघ ने यह भी उल्लेख किया कि अतिक्रमण के कारण आपातकालीन सेवाएं जैसे एम्बुलेंस आदि समय पर नहीं निकल पातीं, जिससे जनहानि की संभावना बनी रहती है। संगठन ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई करते हुए सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।

एनबीडब्ल्यू के तहत जफराबाद पुलिस की कार्रवाई

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

थाना जफराबाद पुलिस टीम ने माननीय न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के अनुपालन में एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक जफराबाद के नेतृत्व में उपनिरीक्षक मुख्तार राम द्वारा पुलिस टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर की गई। पुलिस के अनुसार, मुकदमा संख्या 959/25, धारा 85/115(2) बीएनएस, थाना जफराबाद, जनपद जौनपुर से संबंधित मामले में माननीय.ष्ट.छ्व.रू-1, कोर्ट संख्या-12, जौनपुर द्वारा निर्गत एनबीडब्ल्यू के क्रम में अभियुक्त शिवम सोनी पुत्र बसन्त लाल, निवासी राजेपुर कजगांव, थाना जफराबाद, जनपद जौनपुर को कारण गिरफ्तारी बताते हुए पुलिस हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए उसे माननीय न्यायालय में पेशी हेतु भेजा जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण

नाम शिवम सोनी, पिता का नाम बसन्त लाल,निवासी राजेपुर कजगांव, थाना जफराबाद, जनपद जौनपुर

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला, थाना जफराबाद, जौनपुर, उ0नि0 मुख्तार राम, थाना जफराबाद, जौनपुर, हे0का0 पंकज पुरी, थाना जफराबाद, जौनपुर, का0 प्रवीण राय, थाना जफराबाद, जौनपुर

जफराबाद पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और मजबूती मिली है।

मारपीट व हत्या के प्रयास के मामले में शाहगंज पुलिस की सख्त कार्रवाई

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

थाना शाहगंज पुलिस टीम ने मारपीट एवं हत्या के प्रयास से जुड़े गंभीर मामले में वांछित महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। पुलिस के अनुसार, दिनांक 26 नवंबर 2025 को सूबेदार पुत्र राम सूरत, निवासी जहीरूद्दीनपुर, थाना सरपतहा, जनपद जौनपुर द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना शाहगंज पर मु0अ0सं0-401/2025 अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 115(2), 118(1), 117(2), 352, 351(3), 109(1), 309(6), 61(2) तथा धारा 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। उक्त मामले में वांछित चल रही अभियुक्ता रूबी बिन्द पत्नी राम मूरत बिन्द, निवासी कलाफतपुर, थाना पवई, जनपद आजमगढ़ को उपनिरीक्षक मुन्ना लाल शर्मा द्वारा पुलिस टीम के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्ता के विरुद्ध आवश्यक अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। नाम रूबी बिन्द, पति का नाम राम मूरत बिन्द, निवासी कलाफतपुर, थाना पवई, जनपद आजमगढ़ प्र0नि0 के0 के0 सिंह, थाना शाहगंज, जनपद जौनपुर, उ0नि0 मुन्ना लाल शर्मा, थाना शाहगंज, जौनपुर, म0का0 रीता चौहान, थाना शाहगंज, जनपद जौनपुर शाहगंज पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था

गरीब किसान न्याय पदयात्रा को लेकर बनी रणनीति

भारतीय किसान यूनियन (बैसवारा) की राष्ट्रीय बैठक सम्पन्न

जन एक्सप्रेस। उन्नाव

पुरवा। भारतीय किसान यूनियन (बैसवारा) की राष्ट्रीय बैठक लंगरपुर चौराहा, पुरवा में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी एक जनवरी को प्रस्तावित गरीब किसान न्याय पदयात्रा को सफल बनाने को लेकर रणनीति तय करना रहा।

बैठक में राष्ट्रीय महासचिव अजय शुक्ला, प्रदेश प्रभारी आशीष शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष पवन शुक्ला, प्रदेश महासचिव अंजुल प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष विनय तिवारी, मंडल महासचिव डॉ. प्रभात शंकर मिश्रा, जिला संरक्षक सर्वेश पांडे, जिला अध्यक्ष अनुराग सोनी, जिला महामंत्री जीत बहादुर रावत, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा अखिलेंद्र तिवारी तथा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष उमेश द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक के दौरान संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से कई नई नियुक्तियां की गईं। इसमें संजीव कुमार को विधानसभा अध्यक्ष (पुरवा), अनिल कुमार को तहसील उपाध्यक्ष (पुरवा), राजेश कुमार को तहसील मंत्री (पुरवा), सुशील कुमार को ब्लॉक प्रभारी (पुरवा), बूटा सिंह को तहसील अध्यक्ष (पुरवा) नियुक्त किया गया। इसी क्रम में युवा मोर्चा के अंतर्गत हेमेन्द्र तिवारी को तहसील अध्यक्ष, मयंक शर्मा को तहसील सचिव (युवा मोर्चा, पुरवा) बनाया गया। वहीं कुलदीप कुशवाहा को ब्लॉक मंत्री (असोहा) और संजय कुमार को ब्लॉक अध्यक्ष (असोहा) की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पवन शुक्ला ने किसानों को समय पर खाद न मिलने की समस्या को गंभीर बताते हुए प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने गोवंश की समस्या को लेकर भी किसानों की परेशानियों का जिक्र किया। साथ ही वक्ताओं ने कहा कि पुरवा कोतवाल अमरनाथ यादव के कार्यों से किसान संतुष्ट नहीं हैं, जिससे क्षेत्र में रोष व्याप्त है। इस अवसर पर उमेश द्विवेदी (उपाध्यक्ष, युवा मोर्चा) द्वारा प्रदेश अध्यक्ष पवन शुक्ला का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। अंत में सभी पदाधिकारियों ने गरीब किसान न्याय पदयात्रा को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया और गांव-गांव जाकर किसानों को जोड़ने की अपील की।

एसएसपी कार्यालय के बाहर से ई-रिक्शा हुआ चोरी

जन एक्सप्रेस। बरेली। एसएसपी कार्यालय के बाहर से सोमवार दोपहर करीब एक बजे एक ई-रिक्शा चोरी हो गया। चालक ने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन जब ई-रिक्शा नहीं मिला तो वह फूट-फूटकर रो पड़ा। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। सीबीगंज के बादशाह नगर निवासी अलाउद्दीन ने बताया कि वह एक मामले की तारीख के सिलसिले में कलक्ट्रेट आया था। उसने कलक्ट्रेट जाते वक्त एसएसपी ऑफिस के बाहर पेड़ के नीचे अपना ई-रिक्शा खड़ा किया और तारीख पर चला गया। जब कुछ देर बाद वह घर लौटा तो ई-रिक्शा वहां से चोरी हो चुका था। अलाउद्दीन ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसी कैमरों की भी जांच की गई, लेकिन ई-रिक्शा का कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई, पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। ई-रिक्शा चोरी होने के बाद अलाउद्दीन रो पड़ा। उसने बताया कि वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई भी इसी से चलती है। ई-रिक्शा चोरी होने से परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है।

राष्ट्रवादी विचारधारा से संगठन को सशक्त बनाएंगी प्रियंका और राजरानी : राकेश कर्रा

वरिष्ठ भाजपा नेता ने राष्ट्रीय परिषद सदस्य मनोनयन पर दी बधाई

जन एक्सप्रेस। बाराबंकी

प्रियंका सिंह रावत

राजरानी रावत

भाजपा में इन दिनों संगठन पर्व चल रहा है। मंडल से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पार्टी के संविधान के अनुसार चुनाव प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। एक ओर जहां भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने जिलाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश संगठन को नया प्रदेश अध्यक्ष दिया, वहीं दूसरी ओर केन्द्रीय कार्यसमिति के लिए नए 120 राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का मनोनयन करके नया संगठनात्मक ढांचा तैयार किया है। सोमवार को देर रात भाजपा ने अधिकारिक रूप से नए राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों की सूची जारी हुई है। जिसमें बाराबंकी जनपद की नारी शक्ति को प्रमुखता से शामिल किया गया। फिलहाल पूर्व सांसद एवं भाजपा की प्रदेश महामंत्री प्रियंका सिंह रावत और पूर्व विधायक व जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत को भाजपा के राष्ट्रीय परिषद में जगह मिलने से समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश वर्मा कर्रा ने इस नियुक्ति को अनुभव और सामंजस्य के लिए सकारात्मक दृष्टि से भाजपा द्वारा लिया गया निर्णय बताया है। उन्होंने कहा कि जमीन से जुड़े रहते हुए प्रियंका सिंह रावत और राजरानी रावत ने संगठन में पार्टी द्वारा दी गई हर जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है और सकारात्मक परिणाम पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा प्रियंका सिंह रावत व राजरानी रावत को राष्ट्रीय परिषद का सदस्य बनाए जाने पर नारी शक्ति का सम्मान किया है। उन्होंने केन्द्र नेतृत्व को धनवाद देते हुए उम्मीद जताई है कि दोनों भाजपा नेत्री पार्टी के प्रेरणादायी नेतृत्व और राष्ट्रवादी विचारधारा के मार्गदर्शन में पूर्ण निष्ठा, समर्पण और कर्मठता के साथ कार्य करते हुए संगठन को सशक्त बनाने तथा जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगी।

किसानों ने चंदनापुर केन्द्र प्रभारी विभा गुप्ता के कार्यों को सराहा

जन एक्सप्रेस। बाराबंकी

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत होते ही क्रय केंद्रों में रौनक बढ़ गई है। धान विक्रय के लिए किसान सुबह से ही उत्साहपूर्वक उपार्जन केंद्रों में पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव खरीदी कार्यों में दिखाई दे रहा है। बता दें कि तहसील रामनगर के चंदनापुर स्थित बुढ़वल धान क्रय केन्द्र पर डिजिटल तौल मशीनें, पर्याप्त बारदाना, टोकन प्रणाली, पेयजल, की व्यवस्था उपलब्ध होने से किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। जिलाधिकारी के निर्देश पर सीडीओ अन्ना सुदन ने बीते 6 दिसंबर को क्रय केन्द्र का स्थलीय निरीक्षण कर खरीदी प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने किसानों से वार्ता भी की किसानों ने केंद्र प्रभारी के कार्य व्यवहार की तारीफ भी की। केंद्र में लगभग दो सौ से अधिक किसानों से धान क्रय किया। किसानों ने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हमारे लिए बड़ी राहत है। केंद्र में अच्छी व्यवस्थाएँ की गई हैं, जिससे विक्रय में आसानी हो रही है।

किसानों ने यह भी बताया कि समय पर टोकन, त्वरित तौल और उपलब्ध सुविधाओं के कारण प्रक्रिया तेज एवं पारदर्शी ढंग से संचालित हो रही है। किसानों ने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया। जिले में धान खरीदी सुचारू रूप से जारी है और किसानों में उत्साह बना हुआ है। वहीं केन्द्र प्रभारी विभा गुप्ता ने बताया कि केन्द्र पर छोटे व सीमान्त किसानों को वरीयता दी जा रही है। किसानों की भारी भीड़ को देखते हुए दिन वार टोकन देकर किसानों को बुलाया जा रहा है, ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो। नियमित तौल के साथ ही प्रेषण का कार्य भी लगातार जारी है। अब तक लगभग 10 हजार कुंतल धान का क्रय किया जा चुका है।

सी एम ओ कार्यालय पर आशा बहुओं का फूटा गुस्सा किया जोरदार धरना प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस। उन्नाव

उन्नाव में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी आशा कार्यकत्रियों का आक्रोश खुलकर सामने आया जिले के सीएमओ कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में आशा बहू ने धरना प्रदर्शन करते हुए दफ्तर का घेराव किया मानदेय बढ़ाने सहित लंबित मांगों को लेकर आशा कार्यकत्रियां लंबे समय से नाराज चल रही है प्रदर्शन कर रही आशा बहू का कहना है कि वह सरकार की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं को जमीन पर लागू करने में दिन रात मेहनत करती है लेकिन इसके बावजूद उन्हें बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है बढ़ती महंगाई के दौर में वर्तमान मानदेय से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है धरना प्रदर्शन के दौरान आशा कार्य कतरियों ने नारेबाजी करते हुए मानदेय में बढ़ोतरी नियमित भुगतान और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियों की मांग की आशा बहू ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन और तेज हो जाएगावहीं प्रदर्शन की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आशा कार्यकत्रियों को समझने का प्रयास किया अधिकारियों द्वारा उनकी मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाने का श्वसन दिया गया है या प्रदर्शन एक बार फिर स्वास्थ्य व्यवस्था की रेट मानी जाने वाली आशा कार्यकत्रियों की समस्याओं को उजागर करता है और प्रशासन के सामने बड़ा सवाल खड़ा करता है कि आखिर कब तक यह महिलाएं अपने हक के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर रहेगी।

बरेली समेत आसपास के जिलों में छाया घना कोहरा...

जन एक्सप्रेस। बरेली। बरेली समेत आसपास के जिलों में सोमवार को सुबह घने कोहरे की चादर छा जाने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। तड़के से ही कोहरा इतना घना रहा कि सड़कों पर दृश्यता लगभग शून्य हो गई। हालात यह रहे कि वाहन चालकों को लाइट जलाकर चलना पड़ा। हाईवे से लेकर शहर की मुख्य और अंदरूनी सड़कों तक कोहरे का असर साफ दिखाई दिया। सुबह 10 बजे के बाद ही कोहरा छाया रहा। सर्दी के प्रकोप से बच्चे ठिठुरते हुए स्कूल पहुंचे। सुबह-सुबह जरूरी काम व ऑफिस जाने वाले लोगों को भी परेशानी हुई। शहर में जगह-जगह लोग अलाव तापते दिखे।

अधिकारियों ने बच्चों के साथ संवाद किया एवं उन्हें स्वच्छता

स्वास्थ्य तथा शिक्षा के प्रति जागरूक किया

जन एक्सप्रेस। उन्नाव

नवाबगंज। नवाबगंज में यूपीएस स्कूल, गौरा कठेरवा में अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत आरओ वाटर कूलर, स्कूल बैग के साथ पानी की बोतल, डस्टबिन एवं फर्स्ट एड बॉक्स का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में अल्ट्राटेक सीमेंट, गौरा कठेरवा के यूनिट हेड श्री पी.के. धाकड़, एचआर मैनेजर श्री संजीव श्रीवास्तव के साथ सुश्री दीक्षा बर्गे एवं श्री भावेश सिंह उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से श्रीमती प्रधानाध्यापिका मन्नी रानी जी सहित शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अल्ट्राटेक के अधिकारियों ने बच्चों के साथ संवाद किया एवं उन्हें स्वच्छता, स्वास्थ्य तथा शिक्षा के प्रति जागरूक किया। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा भविष्य में भी स्थानीय क्षेत्र के समग्र विकास हेतु इस प्रकार के सामाजिक दायित्व कार्यक्रम निरंतर जारी रखे जाएंगे।

एक्सप्रेस खबरें...

अंतर-महाविद्यालयीय एथलेटिक्स मीट 19 दिसंबर से

जन एक्सप्रेस। बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय अपनी 50वीं स्वर्णिम अंतर-महाविद्यालयीय पुरुष व महिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 दिसंबर तक विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में करने जा रहा है। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों की सहभागिता अनिवार्य की गई है। प्रतियोगिता को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबंधित महाविद्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विश्वविद्यालय के क्रीड़ा सचिव प्रो. एसएस बेदी ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक महाविद्यालयों को पात्रता प्रपत्र सोमवार (15 दिसंबर) तक अनिवार्य रूप से विश्वविद्यालय में जमा करने होंगे। क्रीड़ा सचिव ने बताया कि पुरुष और महिला टीमों के लिए अलग-अलग दो-दो हजार रुपये पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक महाविद्यालय को दो हजार रुपये सुरक्षा निधि (धरोहर राशि) के रूप में जमा करनी होगी, जो प्रतियोगिता के सफल समापन के बाद वापस की जाएगी। प्रतियोगिता में उद्घाटन समारोह में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी अपने-अपने महाविद्यालय के ध्वज के साथ मार्च पास्ट में शामिल होंगे। इसमें शामिल सभी खिलाड़ियों के लिए पंजीकरण के उपरांत चेस्ट नंबर लेना अनिवार्य होगा। बिना चेस्ट नंबर के किसी भी खिलाड़ी को प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रो. बेदी ने बताया कि सत्र 2024-25 के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पदकवीर खिलाड़ियों को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये खिलाड़ी विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न स्तरों पर पदक जीतकर संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ा चुके हैं।

रफ्तार कम और किराया ज्यादा....

जन एक्सप्रेस। बरेली। सेमी हाई स्पीड ट्रेन का तमगा लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें खाली दौड़ रही हैं। इनका किराया सामान्य ट्रेनों के मुकाबले करीब दोगुना है, जबकि गति समान है। सहारनपुर-गोमतीनगर वंदे भारत की औसत गति महज 56 किमी प्रति घंटे है। राजधानी एक्सप्रेस समेत कई अन्य गाड़ियों की औसत रफ्तार इससे ज्यादा है।

नतीजा, इस ट्रेन में 598 सीटों के मुकाबले रोजाना औसतन 150-200 टिकट ही बुक हो रहे हैं। मेरठ-वाराणसी और देहरादून-लखनऊ वंदे भारत में भी चेयरकार श्रेणी की सीटें खाली हैं। इन दिनों बरेली होकर गुजरने वाली 38 गाड़ियां तीन माह के लिए निरस्त हैं। ऐसे में इस रूट की नियमित ट्रेनों में नो रूम और लंबी वेटिंग है। इसके बावजूद वंदे भारत एक्सप्रेस पूरी तरह भरकर नहीं चल पा रहीं। मेरठ-वाराणसी और देहरादून-लखनऊ वंदे भारत ट्रेनें बरेली से लखनऊ की यात्रा 3:38 घंटे में पूरी करती हैं। सहारनपुर-गोमतीनगर वंदे भारत इसमें 4:23 घंटे लगाती है। दूसरी ओर, सामान्य ट्रेनों में शुमार पद्मावत एक्सप्रेस यह यात्रा 3:42 घंटे में पूरी करती है। इस रूट की सबसे तेज ट्रेन दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस है। यह 3:13 घंटे में बरेली से लखनऊ की यात्रा पूरी करती है। इसमें एसी प्रथम का किराया 1565, एसी द्वितीय का 1255 और एसी तृतीय का 940 रुपये है। राजधानी से ज्यादा समय लगाने वाली देहरादून-लखनऊ वंदे भारत में बरेली से लखनऊ का चेयरकार का किराया 915 रुपये और एग्जीक्यूटिव श्रेणी का 1590 रुपये है। सहारनपुर-गोमतीनगर वंदे भारत में यह किराया 1045 और 1775 व मेरठ-वाराणसी वंदे भारत में 900 और 1575 रुपये है। नियमित ट्रेनों में शुमार पद्मावत एक्सप्रेस में एसी प्रथम श्रेणी का किराया 1,185, एसी द्वितीय का 720 और एसी तृतीय का 515 रुपये है।

बरेली में स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक की मौत, एसआईआर के काम का था दबाव

जन एक्सप्रेस। बरेली

बरेली के बिशारतगंज कस्बा स्थित कंपोजिट विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक विनोद कुमार शर्मा 60 वर्ष की रविवार रात मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, बीएलओ ड्यूटी कर रहे विनोद की मौत एसआईआर के काम के दबाव की वजह से हुई है। जिला प्रशासन ने कहा कि शिक्षक की प्राकृतिक मौत हुई है।

बिशारतगंज निवासी विनोद कुमार शर्मा बिथरी चैनपुर विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 261 के बीएलओ थे। उनके पुत्र विश्व हिंदू परिषद के मझगवां ब्लॉक प्रखंड अध्यक्ष शिवांश शर्मा ने बताया कि पिता वर्ष 2027 में सेवानिवृत्त होने वाले थे। एसआईआर के काम के दबाव की वजह से वह बेहद परेशान चल रहे थे। रविवार रात खाना खाने के बाद वह कमरे में सोने चले गए। रात 12 बजे अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। कुछ ही देर में उनकी सांसें थम गईं।शिवांश ने कहा कि आशंका है कि हार्ट अटैक से पिता की जान गई है। सोमवार दोपहर बाद रामगंगा किनारे उनकी अंत्येष्टि की गई। अंत्येष्टि के समय विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, बीईओ सुनील कुमार शर्मा, प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष बनवारी लाल राठौर, क्यारा ब्लाक के एडीओ पंचायत संजीव पराशरी सहित शिक्षक व कस्बे के लोग मौजूद रहे।

उम्र का हवाला देकर ड्यूटी से हटाने की लगाई थी गुहार

शिवांश ने बताया कि उनके पिता ने अपनी उम्र और आंखों की समस्या का हवाला देकर एसआईआर ड्यूटी कटवाने के लिए नौ नवंबर को खंड शिक्षा अधिकारी मझगवां सुनील कुमार शर्मा को प्रार्थना पत्र दिया था। यह भी कहा था कि उन्हें मोबाइल फोन पर ऑनलाइन काम नहीं आता है, लेकिन उनकी ड्यूटी नहीं हटाई गई। उल्टे एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी गई थी। इस वजह से वह परेशान थे। रविवार तक उन्होंने एसआईआर का काम किया था। पोस्टमॉर्टम नहीं कराने के सवाल पर शिवांश ने कहा कि इस संबंध में न उनसे किसी ने कुछ कहा और न मार्गदर्शन किया। उन्हें समझ में भी नहीं आया कि पोस्टमॉर्टम कराना चाहिए। एडीएम वित्त एवं राजस्व संतोष कुमार सिंह ने बताया कि शिक्षक ने आठ दिसंबर को एसआईआर का काम पूरा कर लिया था। परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम नहीं कराया है। एसआईआर के काम के दबाव से नहीं, बल्कि उनकी प्राकृतिक मौत हुई है।

तीन सौ बेड अस्पताल में छह दिन बाद सीटी स्कैन शुरू, 60 मरीजों की हुई जांच

जन एक्सप्रेस। बरेली

बरेली के तीन सौ बेड अस्पताल में एसी की आउटर यूनिट के कॉपर वायर चोरी होने के बाद ठप पड़ी सीटी स्कैन जांच छह दिन बाद सोमवार को शुरू हुई। 60 मरीजों की जांच हुई। इसमें 23 मरीज ऐसे थे, जिन्हें पूर्व में लौटाया गया था। वह यूनिट का संचालन शुरू होने का इंतजार कर रहे थे।

माहभर में ही तीन सौ बेड अस्पताल की सीटी स्कैन यूनिट के छह एसी की आउटर यूनिट के कॉपर वायर चोरी हो गए। अफसरों ने बजट का अभाव बताकर कोई व्यवस्था नहीं की। जांच के अभाव में गंभीर मरीज लौटाए जाने लगे। अमर उजाला ने मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया तो अफसर चेते। फर्म को पत्र भेजकर वायरिंग सही कराने, उनकी सुरक्षा और निगरानी की व्यवस्था करने की हिदायत दी। इसके बाद फर्म ने एसी टेक्नीशियन को भेजकर व्यवस्थाएं कीं।

सोमवार को यूनिट के बाहर सीसी कैमरे लगाने का काम चला और अंदर मरीजों की जांच हुई। यूनिट प्रभारी डॉ. नसीम खान के मुताबिक, वायर चोरी के आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी है। हालांकि, निगरानी और सुरक्षा के इंतजाम होने से भविष्य में वायर या अन्य कोई उपकरण चोरी की आशंका नहीं है। सीएमओ को यूनिट संचालन और व्यवस्था की जानकारी दे दी गई है।

बरेली में आठ हजार करोड़ के निवेश का दावा, नए उद्योग होंगे स्थापित

जन एक्सप्रेस। बरेली

बरेली में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए शासन की ओर से दिसंबर में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी अब जनवरी में होने का अनुमान है। अफसरों का दावा है कि जिले को आवंटित 15 हजार करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष आठ हजार करोड़ के निवेश हो गए हैं। शेष लक्ष्य भी जल्द पूरा हो जाएगा। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के उपायुक्त उद्योग विकास यादव के मुताबिक, अब तक के निवेश करार में टेक्सटाइल्स, औषधि निर्माण, पैकेजिंग, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स, होटल, स्वास्थ्य सेवा, प्लाईवुड समेत निर्माण, सेवा इकाइयां शामिल हुई हैं। बरेली विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही टाउनशिप को भी इसी में शामिल किया गया है। जिन उद्यमियों की इकाइयां संचालित हैं, वह मंच पर सम्मानित होंगे। इसलिए शासन ने इस बार पिछले दो वर्ष में एमओयू के बाद जो इकाई संचालित हुई है, उन्हें भी शामिल करने को कहा है। उन्होंने बताया कि कुछ निवेशक इकाई निर्माण शुरू करने की तैयारी में हैं तो कुछ भूमि खरीद, भवन निर्माण में जुटे हैं। बहेड़ी के मेगा फूड पार्क में हाल में भूमि खरीदने वाले और परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में इकाई विस्तार कर रहे उद्यमियों से भी निवेश करार कराया जाएगा। उपायुक्त के मुताबिक, बरेली, देश और प्रदेश की राजधानी के बीच और कुमाऊं के गेटवे के तौर पर पहचाना जाता है। बेंत-बांस के फर्नीचर, जरदोजी, मांझा उद्योग में बरेली की पहचान देश-दुनिया में है। रेल, ट्रक, फ्लाइट, निजी वाहन आदि से परिवहन की सुविधा है।

बैंक का रिकवरी एजेंट बनकर ग्राहक से ठगे 78500 रुपये, पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

- बैंक में जानकारी करने पर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। उसने थाने जाकर पूरा मामला पुलिस को बताया।

जन एक्सप्रेस। बरेली

बरेली के सिरौली क्षेत्र में बैंक का रिकवरी एजेंट बताकर पांच लोगों ने लोन खाता बंद कराने के नाम पर एक व्यक्ति 78500 रुपये ठग लिए। बैंक में जानकारी करने पर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। उसने थाने जाकर पूरा मामला पुलिस को बताया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिरौली के काजी टोला निवासी एनुल अल्वी ने पुलिस को बताया कि उसपर सिरौली की एसबीआई शाखा का लोन था। कुछ दिन पहले रामपुर के थाना मिलक क्षेत्र के बरा गांव निवासी कुलदीप पांडे, कितौना गांव निवासी ओमप्रकाश, शानू, विवेक और राकेश गुप्ता उसके घर आए। उक्त लोगों ने खुद को बैंक का रिकवरी एजेंट बताया। कहा कि तुम पर बैंक का लोन है और तुम्हारा बड़ा फायदा कर देंगे। अगर इस समय 78500 जमा कर दोगे तो लोन खाता बंद हो जाएगा।

आरोपियों ने सिर्फ 18 हजार रुपये वापस किए

आरोपियों की बातों में फंसकर एनुल अल्वी ने रकम दे दी और बैंक की रसीद ले ली। वह बेफिक्र होकर घर बैठ गए। बाद में पता चला कि बैंक का लोन उसपर बरकरार है। उसके पैर नीचे की जमीन खिसक गई। उसने जैसे तैसे आरोपियों को खोजा तो उन्होंने 18 हजार रुपये वापस कर दिए। धमकी दी कि यही रकम मिलेगी। खामोश होकर घर बैठ जाओ। ज्यादा बोलोगे तब अंजाम बुरा होगा। इसके बाद पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी। इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच के बाद कार्रवाई अमल में लगाई जाएगी।

बिजली संकट से ऊर्जा सुरक्षा तक: भारत बना डेटा सेंटर का नया वैश्विक केंद्र

देश में बिजली की कोई कमी नहीं

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, 500 गीगावाट राष्ट्रीय ग्रिड भारत की सबसे बड़ी ताकत

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि देश में बिजली की कोई कमी नहीं है और भविष्य में बढ़ने वाली मांग को पूरा करने की पूरी क्षमता भारत के पास मौजूद है। उन्होंने कहा कि 500 गीगावाट क्षमता वाली राष्ट्रीय ग्रिड और पर्याप्त बिजली उपलब्धता के कारण भारत तेजी से डेटा सेंटर और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (त्रष्टष्ट) के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनकर उभर रहा है। भारत के ऊर्जा क्षेत्र को लेकर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में मंत्री गोयल ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश ने ऊर्जा के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है। मजबूत नीतियों, स्पष्ट दृष्टि और निरंतर प्रयासों के चलते भारत बिजली की कमी वाले देश से निकलकर ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है।

11 वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धियां

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों की यात्रा यह साबित करती है कि मजबूत सोच, ईमानदार इरादे और लगातार मेहनत से किसी भी देश की तस्वीर बदली जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की भावना साकार हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने रिकॉर्ड 1,048 मिलियन टन कोयला उत्पादन दर्ज किया है, जबकि कोयले के आयात में करीब 8 प्रतिशत की कमी आई है। इसके साथ ही भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनिंग हब बनकर उभरा है और रिफाइनिंग क्षमता को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने पर काम किया जा रहा है।

500 गीगावाट की राष्ट्रीय ग्रिड, भारत की बड़ी ताकत

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत की 500 गीगावाट क्षमता वाली राष्ट्रीय ग्रिड दुनिया की सबसे बड़ी और मजबूत ग्रिडों में शामिल है। यह ग्रिड देश को एक भरोसेमंद और सशक्त बिजली ढांचा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यूरोप और अमेरिका जैसे विकसित क्षेत्रों के पास एकीकृत राष्ट्रीय ग्रिड नहीं है, जबकि भारत के पास मजबूत राष्ट्रीय ग्रिड मौजूद है। यही कारण है कि भारत वैश्विक निवेशकों के लिए डेटा सेंटर और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर का आकर्षक केंद्र बन रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले वर्षों में डेटा सेंटर और जीसीसी के विस्तार के साथ-साथ आम नागरिकों, किसानों, उद्योगों और व्यावसायिक संस्थानों की बिजली जरूरतों को भी पूरी तरह सुनिश्चित किया जाएगा।

सौर और पवन ऊर्जा में भारत की बड़ी छलांग

पीयूष गोयल ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारत की सौर ऊर्जा क्षमता में 46 गुना वृद्धि हुई है, जिससे भारत सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। वहीं पवन ऊर्जा क्षमता 2014 में 21 गीगावाट से बढ़कर 2025 में 53 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसके अलावा देश में 34,238 किलोमीटर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन को मंजूरी दी जा चुकी है, जिनमें से 25,923 किलोमीटर पाइपलाइन पहले ही चालू हो चुकी हैं। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी को अनुमति देने के लिए शांति विधेयक के माध्यम से प्रस्ताव लाया गया है।

पांच स्तंभों पर टिका भारत का ऊर्जा परिवर्तन

मंत्री गोयल ने बताया कि भारत का ऊर्जा परिवर्तन पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। पहला स्तंभ सार्वभौमिक पहुंच है। सौभाग्य योजना के तहत देश के हर घर तक बिजली पहुंचाई गई है। उजाला कार्यक्रम के तहत 47.4 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए गए, जिससे बिजली बिल में कमी आई और कार्बन उत्सर्जन घटा। दूसरा स्तंभ किफायती ऊर्जा है। सौर और पवन ऊर्जा उपकरणों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है। साथ ही 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य तय समय से पहले ही हासिल कर लिया गया है।

बिजली उपलब्धता और वित्तीय स्थिरता में सुधार

तीसरा स्तंभ उपलब्धता से जुड़ा है। मंत्री ने बताया कि 2013 में बिजली की कमी 4.2 प्रतिशत थी, जो 2025 में घटकर मात्र 0.1 प्रतिशत रह गई है। एकीकृत राष्ट्रीय ग्रिड के निर्माण से देश 250 गीगावाट की रिकॉर्ड पीक बिजली मांग को पूरा करने में सक्षम हुआ है। चौथा स्तंभ वित्तीय स्थिरता है। पीएम-उदय योजना के तहत किए गए सुधारों से बिजली वितरण कंपनियों की स्थिति में सुधार हुआ है। डिस्कॉम का बकाया 2022 में 1.4 लाख करोड़ रुपये से घटकर 2025 में 6,500 करोड़ रुपये रह गया है।

सतत विकास और 2047 का विजन

पांचवां स्तंभ सतत विकास और वैश्विक जिम्मेदारी से जुड़ा है। भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को हासिल करने वाला जी-20 का पहला देश बन चुका है। वर्तमान में देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आता है। मंत्री गोयल ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का जिक्र करते हुए बताया कि 2030 तक हर साल 5 एमएमटी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे जीवाश्म ईंधन आयात में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत होगी। पीएम सूर्य घर योजना के तहत लगभग 20 लाख घरों में रूफटॉप सोलर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि विकसित भारत 2047 की दिशा में बढ़ते हुए भारत का ऊर्जा क्षेत्र वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बनेगा।

जेपी नड्डा और अमित शाह ने की नितिन नबीन की ताजपोशी, शीर्ष नेता रहे मौजूद

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन की ताजपोशी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में की गई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नितिन नबीन को पटका पहनाकर और गुलदस्ता देकर उनकी ताजपोशी की।

बधाई देने वालों का लगा तांता

वहीं इसके बाद पार्टी कार्यालय में तमाम भाजपा नेताओं ने नितिन नबीन को पार्टी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी है। बता दें कि नितिन नवीन का जन्म 23 मई 1980 हो हुआ था। नितिन को जब कार्यकारी अध्यक्ष बने तो उनकी उम्र 45 साल है और भाजपा की उम्र भी इतनी ही है।

दिल्ली पहुंचने पर भव्य स्वागत

इससे पहले दिल्ली में बिहार के मंत्री नितिन नबीन का पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद पहली बार पार्टी मुख्यालय पहुंचने पर शानदार स्वागत किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली पहुंचने पर एयरपोर्ट पर नितिन नबीन का स्वागत किया था। बिहार में नितिन नबीन की छवि साफ-सुथरे और संगठन में बेहतर पकड़ वाले नेता की है।

नियुक्ति पर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रिया

नितिन नबीन के भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा, 'उन्हें संगठनों और सरकार दोनों में अनुभव है, और वे बहुत ही सरल व्यक्ति हैं, लेकिन साथ ही अविश्वसनीय रूप से मेहनती भी हैं।' वहीं भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'नितिन नबीन को बधाई। वे एक विनम्र और समर्पित कार्यकर्ता हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं... उन्होंने अपने परिश्रम से जो मुकाम हासिल किया है, उसी वजह से पार्टी ने इस समर्पित कार्यकर्ता को सम्मानित किया है, और ऐसा सिर्फ भाजपा में ही संभव है।' पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने इस पर कहा, 'हम सभी खुश हैं। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी का अनुभव है, तो दूसरी तरफ युवा अध्यक्ष की ऊर्जा। इन दोनों के बल पर हम एक नए भारत को देखेंगे। भारत हर दिशा में प्रगति कर रहा है... इस अध्यक्ष के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार सत्ता से बेदखल हो जाएगी।'

महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव की तारीखों का एलान, 15 जनवरी को वोटिंग

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव को लेकर राज्य चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा कर दी है। आयोग के अनुसार, मतदान 15 जनवरी 2026 को होगा, जबकि मतों की गिनती 16 जनवरी 2026 को की जाएगी। राज्य चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए सभी जरूरी तैयारियां की जा रही हैं। मतदान के दिन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे और मतदाताओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इन 29 नगर निगमों में कुल 2,869 सीटों के लिए चुनाव होंगे। इन चुनावों में करीब 3.48 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे।

चुनाव प्रक्रिया के तहत

- **नामांकन दाखिल करने की शुरुआत:** 23 दिसंबर
- **नामांकन की आखिरी तारीख:** 30 दिसंबर
- **नामांकन पत्रों की जांच:** 31 दिसंबर
- **नाम वापस लेने की अंतिम तिथि:** 2 जनवरी
- **चुनाव चिन्ह आवंटन और उम्मीदवारों की अंतिम सूची:** 3 जनवरी
- **मतदान की तारीख:** 15 जनवरी
- **मतगणना:** 16 जनवरी

तारीखों के एलान के साथ बढ़ेगी राजनीति

बीएमसी चुनाव को राज्य की राजनीति के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है। चुनावी तारीखों के एलान के साथ ही राजनीतिक दलों की गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है। 2017 में महानगर में हुए पिछले निकाय चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन खराब रहा था और उसे केवल 30 सीटें ही मिली थीं। बीते दिनों महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने एलान किया था कि पार्टी बीएमसी चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगी और सभी 227 वार्डों में अपने उम्मीदवार उतारेगी।

महायुति मुंबई में चुनाव लड़ेगी: फडणवीस

वहीं बीएमसी चुनावों पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'महायुति मुंबई में चुनाव लड़ेगी और हमारी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को देखते हुए, जनता एक बार फिर मुंबई को नगर निगम के रूप में हमें सौंप देगी, यह मेरा विश्वास है।' उन्होंने आगे कहा, 'अजित पवार और हम पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में एक साथ चुनाव नहीं लड़ सकते। हम दोनों राजनीति को अच्छी तरह समझते हैं और जानते हैं कि अगर हम एक साथ चुनाव लड़ते हैं, तो इससे किसी तीसरे दल को फायदा होगा, और हम ऐसा होने नहीं देना चाहते। हम एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, लेकिन यह एक सौहार्दपूर्ण मुकाबला होगा।'

दिल्ली-एनसीआर में सांसों पर संकट

सिंगापुर के उच्चायोग ने जारी की एडवाइजरी, अपने नागरिकों से कहा, घर के अंदर रहें

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में सांसों पर संकट बना हुआ है। यहां सोमवार को भी वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी रही। इसके चलते सिंगापुर के उच्चायोग ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रह रहे अपने नागरिकों को एडवाइजरी जारी की। उच्चायोग ने उन्हें घरों के अंदर रहने और बाहर निकलते समय मास्क पहनने की सलाह दी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 'समीर' एप के मुताबिक, दोपहर दो बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 437 दर्ज किया गया। राजधानी के सभी वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों पर एक्यूआई 400 या उससे अधिक दर्ज किया गया।

एडवाइजरी में क्या कहा?

सिंगापुर के उच्चायोग ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर जारी एडवाइजरी में कहा कि 13 दिसंबर 2025 को भारतीय केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का सबसे ऊंचा स्तर यानी स्तर-4 लागू किया। ग्रैप स्तर-4 के तहत निर्माण और औद्योगिक गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाते हैं और स्कूलों व दफ्तरों को हाइब्रिड मोड में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उच्चायोग ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार ने लोगों, खासकर बच्चों और सांस या हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को घर के अंदर रहने और बाहर निकलने पर मास्क पहनने की सलाह दी है। इसी को ध्यान में रखते हुए सिंगापुर उच्चायोग ने दिल्ली-एनसीआर में रह रहे सिंगापुर नागरिकों से इस सलाह का पालन करने का आग्रह किया है। एडवाइजरी में यह भी कहा गया कि कम दृश्यता के कारण दिल्ली-एनसीआर से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं।

खराब वायु गुणवत्ता के कारण उड़ानों पर पड़ा असर

लगातार तीसरे दिन 'गंभीर' वायु गुणवत्ता और घने कोहरे के कारण राष्ट्रीय राजधानी में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की उड़ानों पर असर पड़ा। अब तक दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 400 से अधिक उड़ानों में देरी हुई है। 61 उड़ानें रद्द की गई हैं और पांच उड़ानों का मार्ग बदला गया है। सीपीसीबी के मुताबिक, एक्यूआई 101 से 200 के बीच होने पर हवा 'मध्यम', 201 से 300 के बीच खराब और 201 से 400 के बीच बहुत खराब मानी जाती है। 400 से ऊपर का एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में आता है। 450 या उससे अधिक एक्यूआई को 'अत्यंत गंभीर' श्रेणी माना जाता है। जबकि 500 का स्तर 'बेहद खतरनाक' माना जाता है।

दिल्ली हवाई अड्डे ने जारी किया अपडेट

दिल्ली हवाई अड्डे ने दोपहर दो बजे उड़ान संचालन को लेकर अपडेट जारी करते हुए कहा कि रनवे पर दृश्यता में सुधार हुआ है और उड़ानें धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं। हालांकि, हवाई अड्डे ने यह भी कहा कि कुछ उड़ानों के प्रस्थान और आगमन पर अब भी असर पड़ सकता है। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे ताजा जानकारी के लिए अपनी एयरलाइनों के संपर्क में रहें। साथ ही कहा गया कि यात्रियों की असुविधा कम करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है।

सीरिया में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई बढ़ी, बफर जोन बनाने से गहराया तनाव

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। बेरूत

दक्षिण-पश्चिमी सीरिया के बेइत जिन गांव में रहने वाले कासिम हमादेह की जिंदगी एक ही दिन में उजड़ गई। पिछले महीने सुबह-सुबह गोलियों और धमाकों की आवाज के साथ इस्राइली सेना ने उनके गांव में छापा मारा। कुछ ही घंटों में हमादेह ने अपने दो बेटे, बहू और दो पोतों को खो दिया। उस दिन इस्राइली कार्रवाई में कुल 13 ग्रामीण मारे गए। वहीं इस कार्रवाई को लेकर इस्राइल का कहना है कि उसके सैनिक एक आतंकी समूह के सदस्यों को पकड़ने गए थे, जो इस्राइल पर हमले की योजना बना रहे थे। इस्राइली सेना के मुताबिक, पहले उन पर गोलीबारी की गई, जिसमें छह सैनिक घायल हुए, जिसके बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई की और हवाई समर्थन लिया। लेकिन गांव के लोगों ने इन दावों को खारिज किया है।

भाजपा ने बिहार में भी बदली कमान, दरभंगा से विधायक संजय सरावगी बनाए गए प्रदेश अध्यक्ष

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को बिहार भाजपा के नए अध्यक्ष के नाम का एलान कर दिया। दरभंगा से विधायक संजय सरावगी को पार्टी ने बिहार की कमान सौंपी है। वह दिलीप जयसवाल की जगह लेंगे। इससे पहले रविवार को भाजपा ने अपने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के नाम का एलान किया था। पार्टी ने बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके बाद सोमवार को बिहार भाजपा संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए संजय सरावगी को राज्य की कमान सौंप दी है। बता दें कि संजय सरावगी दरभंगा शहरी क्षेत्र से लगातार पांच बार से चुनाव जीतते आ रहे हैं। इससे पहले वह बिहार सरकार में मंत्री रह चुके हैं। संजय सरावगी ने 2025 में पहला विधानसभा चुनाव लड़ा था। इसके बाद से वह लगातार इस सीट से चुनते आ रहे हैं।

कौन हैं संजय सरावगी?

संजय सरावगी जन्म 1969 में हुआ था। उन्होंने ललित नारायण मिथिला विश्विद्यालय से एमए तक की पढ़ाई की है। संजय की राजनीतिक शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से हुई थी। इसके बाद उन्होंने 2003 में नगर निगम में वार्ड नम्बर 6 से वार्ड पार्षद का चुनाव जीतकर पहली बार वार्ड पार्षद बने थे। संजय सरावगी ने फरवरी 2005 में और फिर अक्तूबर 2005 में, फिर 2010 में दरभंगा से निकटतम राजद उम्मीदवार को 26,000 मतों के अंतर से हराकर दरभंगा के नगर विधायक बने थे। उसके बाद से लगातार विधायक बने हुए है।

गोवा नाइट क्लब हादसे पर बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त, कहा, किसी न किसी को जवाबदेह ठहराना होगा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। पणजी

गोवा के चर्चित 'बिर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब हादसे को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में दायर सिविल याचिका को जनहित याचिका (पीआईएल) में बदलते हुए साफ कहा कि 'इस त्रासदी के लिए किसी न किसी को जवाबदेह ठहराना होगा।' इस हादसे में 25 लोगों की जान चली गई थी, जिससे पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया था।

हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी

जस्टिस सारंग कोतवाल और आशीष चव्हाण की खंडपीठ ने कहा कि स्थानीय पंचायत ने अपने स्तर पर (सुओ मोटो) कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि क्लब के खिलाफ पहले से कई शिकायतें मौजूद थीं। कोर्ट ने इसे प्रशासन की बड़ी लापरवाही बताया। मामले में हाईकोर्ट ने गोवा सरकार को निर्देश दिया कि वह नाइटक्लब को दी गई सभी अनुमतियों, लाइसेंस और नियमों से जुड़ी जानकारी पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करे। इस मामले में अगली सुनवाई 8 जनवरी को होगी। कोर्ट ने यह भी गंभीर सवाल उठाया कि जिस इमारत को तोड़ने का आदेश दिया जा चुका था, अब भी व्यावसायिक गतिविधियां कैसे चल रही थीं?

तिरंगा चौक पर 2882वें दिन भी लहराया शान से तिरंगा, गायिका मनु कौर ने किया ध्वजारोहण

जन एक्सप्रेस । आगरा

ताज नगरी का 'तिरंगा चौक' देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन चुका नियमित प्रतिदिन ध्वजारोहण कार्यक्रम अपनी गौरवशाली परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। इसी क्रम में 15 दिसंबर 2025 को आयोजित कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायिका मनु कौर ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए पूरे सम्मान और गरिमा के साथ तिरंगा फहराया। तिरंगे के आरोहण के साथ राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया, जिसमें उपस्थित नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और देशप्रेमियों ने अनुशासनबद्ध होकर सम्मान में खड़े होकर भाग लिया। प्रतिदिन प्रातः निर्धारित समय पर बिना किसी अवकाश के आयोजित होने वाला यह आयोजन न केवल राष्ट्रीय गौरव को सुदृढ़ करता है, बल्कि समाज में देशभक्ति, अनुशासन और एकता की भावना को भी निरंतर मजबूत कर रहा है। उल्लेखनीय है कि तिरंगा चौक पर यह प्रेरणादायी परंपरा बीते कई वर्षों से अनवरत जारी है और अब तक 2882 दिन, अर्थात 411 सप्ताह 5 दिन, 69,168 घंटे और 41,50,080 मिनट तक बिना रुके चलकर अपने आप में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है। भारतीय ध्वज संहिता में हुए संशोधन के बाद भले ही अब आम नागरिकों को दिन-रात तिरंगा फहराने की अनुमति मिल चुकी हो, किंतु तिरंगा चौक पर प्रतिदिन सामूहिक रूप से ध्वजारोहण की यह परंपरा आज भी अपने विशेष महत्व, अनुशासन और गरिमा के साथ कायम है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रप्रेम की सशक्त प्रेरणा बनती जा रही है। कार्यक्रम के दौरान गायिका मनु कौर ने कहा कि इतने लंबे समय से बिना रुके चल रही यह परंपरा देश के प्रति समर्पण और एकता की सच्ची मिसाल है तथा ऐसे आयोजनों से समाज, विशेषकर युवाओं में राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना और अधिक प्रबल होती है। इस मौक़े पर तिरंगा चौक के व्यवस्थापक तुलिका दास सक्सेना, अजित नगर बाजार कमिटी एवं तिरंगा चौक के अध्यक्ष राजेश यादव, संजय नोतनानी आदि विशेष रूप से मौजूद रहे।

यूरो किड्स के वार्षिक कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण को लेकर बच्चों ने दिया मनमोहक प्रस्तुति

- प्रशासनिक और नागरिक कर्तव्यों का कराया एहसास

जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद

गाजियाबाद राजनगर एक्सटेंशन के कृष्णा एनक्लेव स्थित यूरो किड्स प्री नर्सरी स्कूल की शाखा का वार्षिक उत्सव कार्यक्रम बड़े धूमधाम और उत्साह से मनाया गया । इस अवसर पर छोटे और नन्हे मुन्नों ने अपने प्रस्तुति से उपस्थित जनता का मन मोह लिया। कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों द्वारा पर्यावरण एवं उसके दुष्प्रभाव और बचाव को लेकर ऐसी सुन्दर प्रस्तुति दिया जिसने शासन प्रशासन के साथ साथ आम जनता को भी अपने कर्तव्यबोध का एहसास करा दिया । नन्हे नन्हे बच्चे अपने कोमल मन से अपने हृदय की बात रखकर पर्यावरण से होने वाले हानि के बारे में बताए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्यातिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल सक्सेना, वरिष्ठ पत्रकार सुनील शर्मा और शैलेश पाण्डेय , डॉ. रंजन अरोड़ा और निदेशक ज्योति अरोड़ा द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा प्रवक्ता ने बच्चों को कच्ची मिट्टी की उपमा देते हुए शिक्षकों के हाथों से उनके भविष्य के लिए तैयार करने परिपक्व बनाने पर विस्तार से बात किया। इसके बाद गणेश वंदना से शुरू हुआ उत्सव और बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति लगातार चलती रही। संस्थान द्वारा अपने विद्यालय के मेधावी छात्र छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया।